आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
25.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.03
सूर्यास्त 05.53

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 03:04 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082 | रविवार, 5 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 45, पृष्ठ 14+4 | मूल्य 5 रुपये

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- शांति भंग करने वालों को देंगे मुंहतोड़ जवाब
- 12

सीतारमण ने कहा- बैंकों और नियामकों के पास बिना दावे वाली 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां
- 12

ताकाइची चुनी गईं जापान की सत्तारूढ़ पार्टी की नेता
- 13

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया
-14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मन में उत्साह भरते त्योहार व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

जुबिन गर्ग को सिंगापुर में जहर दिया गया था

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग के बैंड के सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी ने एक खुलासा करते हुए कहा है कि गर्ग को सिंगापुर में जहर दिया गया था, जिससे उनकी मौत हो गई। इस मामले में फेस्टिवल के आयोजक, गर्ग के प्रबंधक और बैंड के दो सदस्यों गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को गिरफ्तार कर 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

भारत-भूटान ने द्विपक्षीय संबंधों पर की वार्ता

थिम्पू। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ व्यापक वार्ता की और इस दौरान उन्होंने व्यापार और संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

बरेली जा रहे सांसद-विधायक और सपा नेता नजरबंद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बरेली की घटना को लेकर शनिवार सुबह प्रदेश की सियासत अचानक गरमा गई। बरेली रवाना हो रहे समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन ने रोक दिया। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय, सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार समेत पांच सांसद, दो विधायक और कई वरिष्ठ सपा पदाधिकारियों को घर से बाहर निकलने नहीं दिया गया। रास्ते में बैरियर लगाकर कई नेताओं को वापस कर दिया गया। इस दौरान सपाइयों ने प्रदर्शन करके योगी सरकार पर तानाशाही के आरोप लगाए।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' विवाद से उपजे तनाव के बीच शनिवार सुबह सियासत में हलचल मच गई, जब बरेली रवाना हो रहे समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को प्रशासन ने रोक दिया। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय को उनके लखनऊ के आशियाना स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया गया। बरेली प्रशासन ने पहले ही पत्र जारी कर सभी जिलों को निर्देशित किया था कि राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल का जिले में प्रवेश वर्जित है। बरेली के जिलाधिकारी ने शुक्रवार देर रात लखनऊ, मेरठ, संभल और अन्य जिलों के पुलिस प्रमुखों को पत्र लिखकर कहा किकिसी भी राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल को बिना अनुमति बरेली आने की अनुमति नहीं है। इसी आदेश के बाद सभी सपा नेताओं के घरों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

हाउस अरेस्ट नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय।

यह नेता नजरबंद रहे

सांसद हरेन्द्र मलिक, इकरा हसन, जियाउर्रहमान बर्क, मोहिबुल्लाह नदवी, नीरज मौर्य, पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव, प्रवीण सिंह ऐरन, विधायक अताउर्रहमान, शहजिल इस्लाम अंसारी, पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार, प्रदेश सचिव शुभलेश यादव।

तौकीर के करीबी नफीस के बरातघर पर चला बुलडोजर

बरेली बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी डॉ. नफीस खां के रजा पैलेस बरात घर को बीडीए ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। फरहत के फाइक एन्क्लेव स्थित घर को भी सील कर दिया और नदीम खां नौमहला मस्जिद के पास बनीं चार दुकानें सील कर दीं।

> भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही है। यह लोकतंत्र की हत्या है। सरकार अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए तानाशाही पर उतर आई है।
>
> **-अखिलेश यादव**, सपा प्रमुख

> सपा बहादुर का डेलिगेशन बरेली भेजना नौटंकी और बचकाना कदम है। सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। विपक्ष को जनता को गुमराह करने से बाज आना चाहिए।
>
> **-केशव प्रसाद मौर्य**, उप मुख्यमंत्री

चेकडैम व ब्लास्टकूप निर्माण को बनाएं जनांदोलन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय है, और इससे निपटने के लिए जनसहभागिता के साथ ठोस प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि एक पेड़ मां के नाम की तर्ज पर चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप निर्माण को जनांदोलन बनाया जाए, ताकि वर्षा जल को रोका जा सके और भूगर्भीय जलस्तर में सुधार हो।

मुख्यमंत्री ने नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं, बल्कि यह समेकित जल प्रबंधन की एक किफायती और प्रभावी प्रणाली है। इनसे न केवल वर्षा जल का संरक्षण होता है, बल्कि सिंचाई क्षमता और कृषि उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 6,448 चेकडैम बनाए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 1.28 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित हुई है और हर साल करीब 10 हजार हेक्टेयर मीटर भूजल रिचार्ज हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी-सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता बढ़ाई गई है। इसके अलावा 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 तालाबों का पुनर्विकास किया गया है। वर्ष 2017 से अब तक 6,192 ब्लास्टकूपों के निर्माण से 18,576 हेक्टेयर सिंचाई क्षमता सृजित हुई है। योगी ने निर्देश दिया कि कुम्हारों को 1 अप्रैल से 15 जून तक तालाबों से मुफ्त मिट्टी निकालने की अनुमति दी जाए।

● जल संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने उठाया बड़ा कदम

100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर भी बड़ा फैसला लिया। उन्होंने कहा कि 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य की जाए। यह कदम शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए निर्णायक सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में 82 अतिदोहित और 47 क्रिटिकल क्षेत्र थे, जो 2024 में घटकर 50 और 45 रह गए हैं। कहा कि यह संतोषजनक प्रगति है, लेकिन आने वाले वर्षों में लक्ष्य यह होना चाहिए कि सभी क्षेत्र सामान्य श्रेणी में आएं।

फोटोग्राफिक डॉक्यूमेंटेशन के निर्देश

योगी ने निर्देश दिया कि सभी जिलों में चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप का फोटोग्राफिक डॉक्यूमेंटेशन कराया जाए तथा सोशल मीडिया और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाए। कहा कि सरकार जल संरक्षण के क्षेत्र में एक सफल मॉडल प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोचिंग सेंटर में विस्फोट, 2 छात्रों की मौत

फर्रुखाबाद, अमृत विचार: सातनपुर मंडी रोड पर एक कोचिंग सेंटर में शनिवार को भीषण विस्फोट हो गया, जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि 5 गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और विस्फोट की छानबीन की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं। सातनपुर मंडी रोड पर द सन क्लासेज लाइब्रेरी एवं कोचिंग सेंटर है। शनिवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे कोचिंग सेंटर के बाहर धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भयानक था कि एक किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। हादसे में दर्जन भर छात्र घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल हुए 7 छात्रों को लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां आकाश सक्सेना को मृत घोषित कर दिया, जबकि आकाश कश्यप को गंभीर हालत में कानपुर रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। रिदम, अंशिका, निखिल, अभय और पीयूष की हालत गंभीर है। एसपी आरती सिंह ने कहा कि प्रथमदृष्टया सेप्टिक टैंक में अत्यधिक मीथेन गैस बनने के कारण विस्फोट होने का अनुमान है। विस्फोट की तह तक पहुंचने के लिए जांच टीम गठित कर दी गई है।

कुछ लोग जननायक सम्मान चुराने की कोशिश में : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व शासन के दौरान तबाह हुई शिक्षा की स्थिति को राज्य से बड़े पैमाने पर पलायन का एक प्रमुख कारण बताया और हालात में सुधार लाने एवं राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की शनिवार को सराहना की। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मोदी ने बिहार के लिए कई परियोजनाओं समेत युवा केंद्रित शिक्षा एवं कौशल विकास पहलों के उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी परोक्ष निशाना साधा जिन्हें कांग्रेस के सदस्य अक्सर जननायक कहते हैं। जननायक शब्द का इस्तेमाल ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के लिए किया जाता रहा है। मोदी ने गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोगों द्वारा ठाकुर से जुड़े सम्मान को चुराने के प्रयासों के प्रति बिहार के लोगों को सतर्क रहना चाहिए।

पारस हॉस्पिटल, कानपुर में विश्वस्तरीय सर्जिकल सेवाएं अब आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं

5 लाख तक का कवरेज

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

PARAS HEALTH

आयुष्मान कार्ड के अन्तर्गत कवर होने वाली प्रमुख विशेषताएं

- कैंसर रोग
- हृदय रोग
- मस्तिष्क रोग
- हड्डी रोग
- यूरोलॉजी
- जनरल सर्जरी

निम्न मेडिकल कार्ड धारकों हेतु सेवाएँ उपलब्ध:

- CGHS के अन्तर्गत कैशलेस सुविधा
- स्वास्थ्य बीमा एवं TPAs के अन्तर्गत कैशलेस सुविधा
- उत्तर प्रदेश पुलिस
- ऑर्डिनेन्स फैक्ट्री
- सी.ए.पी.एफ.
- एम.एल.ए. फण्ड से संबद्ध

*नियम व शर्तें लागू

पारस हेल्थ, बिठूर रोड, कोठारी चौराहा, कानपुर

सम्पर्क करें 7835084924

निःशुल्क एम्बुलेंस 0512-3526900

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 5 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दिवाली से पहले महंगाई भत्ता देने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों और 16 लाख पेंशनर्स को 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान दिवाली से पूर्व करने की मांग की है। महामंत्री व मीडिया प्रभारी अरुणा शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मांगपत्र मुख्यमंत्री के आधिकारिक ईमेल और एक्स हैंडल पर भेजा गया है। जेएन तिवारी ने कहा कि डीए के भुगतान से कर्मचारियों को न्यूनतम 540 रुपये से लेकर 1683 रुपये प्रतिमाह तक की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही दिवाली से पहले बोनस भुगतान की मांग भी की गई है। साथ ही संविदा कर्मचारियों को भी इसका लाभ देने और बोनस की न्यूनतम सीमा बढ़ाने की बात कही गई है।

अमिताभ ठाकुर की शिकायत निराधार

अमृत विचार, लखनऊ : लोकायुक्त ने पूर्व आईपीएस और एक्टिविस्ट अमिताभ ठाकुर की शिकायत का निस्तारण करते हुए साफ कर दिया कि आरोप निराधार और तथ्यों से परे हैं। शिकायत में पुल निर्माण में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए थे। जिस वक्त शिकायत हुई, उस दौरान लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पास थी। लोकायुक्त सचिवालय इसे स्पष्ट करते हुए कहा है कि पुल निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था का चयन प्रदेश सरकार व संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है। इसमें लोकायुक्त या किसी अन्य प्रशासनिक इकाई का हस्तक्षेप संभव नहीं है। जांच में पाया गया कि प्रस्तुत प्रकरण में लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। लोकायुक्त ने मामले को समाप्त करते हुए कहा कि इस तरह के निराधार आरोप प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकते।

विकसित यूपी के लिए मिले 24.5 लाख सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को वर्ष 2047 तक समर्थ और विकसित राज्य बनाने के लिए चल रहे 'समर्थ उत्तर प्रदेश–विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान' को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। अभियान के पोर्टल samarthuttarpradesh.up.gov.in पर अब तक 24.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 19 लाख ग्रामीण और 5.5 लाख शहरी क्षेत्र से आए हैं। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक 7.5 लाख सुझाव, कृषि से 6 लाख, जबकि नगरीय व ग्रामीण विकास से 4 लाख सुझाव मिले हैं। युवाओं और आम नागरिकों ने भी प्रदेश के विकास को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। संभल, महाराजगंज, जौनपुर, सोनभद्र और हरदोई शीर्ष पांच जिलों में शामिल रहे।

स्तनधारी जीवों के संरक्षण को ईको रन

अमृत विचार, लखनऊ : ग्लोबल मैमल बिग डे के अवसर पर ओखला बर्ड सैंक्चुअरी में 5 अक्टूबर रविवार को विशेष ईको रन का आयोजन किया जाएगा। उप्र. ईको टूरिज्म और ग्लोबल वाइल्डलाइफ फेयर के सहयोग से आयोजित ईको रन का उद्देश्य सिर्फ दौड़ना नहीं, बल्कि प्रकृति और स्तनधारी जीवों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि स्तनधारी जीव हमारे पर्यावरण और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनमें से कई संकट का सामना कर रहे हैं, जिनके संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। इसी उद्देश्य के साथ यूपी ईको टूरिज्म और ग्लोबल वाइल्डलाइफ फेयर के सहयोग से ईको रन का आयोजन किया जा रहा है।

वाल्मीकि जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंदिरों में रामायण पाठ और धार्मिक आयोजन के भी निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 27 सितंबर को श्रावस्ती में वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की थी। इसे लेकर शासन ने आदेश जारी किया है कि 7 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में अवकाश रहेगा। सीएम ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इस दिन मंदिरों पर रामायण पाठ और धार्मिक आयोजन होंगे।

हालांकि पहले भी वाल्मीकि जयंती पर सरकारी अवकाश होता था, लेकिन 2017 में योगी सरकार बनने के बाद कई छुट्टियां रद्द कर दी गई थीं। तर्क था कि राज्य को विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए काम के दिन बढ़ाने होंगे। हालांकि पिछले कुछ महीनों से वाल्मीकि समाज लगातार जयंती पर अवकाश बहाल करने की मांग कर रहा था। संभल, शाहजहांपुर, बरेली जैसे जिलों में ज्ञापन सौंपे गए। 26 सितंबर को डॉ. आंबेडकर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने एक प्रतिनिधिमंडल को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर यह मांग दोहराई। डॉ. निर्मल कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने हमारी बात सुनी और तुरंत निर्णय लिया।

यूपी को टेक्सटाइल हब बनाने को तैयार दिग्गज कंपनियां

पीएम मित्र पार्क में मिले 5 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव, सरकार की औद्योगिक नीति पर निवेशकों ने जताया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : औद्योगिक नीतियों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' मॉडल के चलते यूपी को टेक्सटाइल हब बनाने को दिग्गज कंपनियां तैयार हैं। लखनऊ और हरदोई में बन रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। यह परियोजना प्रदेश को भारत का टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग ने अब तक 95 औद्योगिक इकाइयों के साथ एमओयू साइन किए हैं।

इनमें आदित्य बिरला ग्रुप, अजूल डेनिमकार्ट, टीटी लिमिटेड, एसएवीएम इंक, जियोसिस इंडिया, जीईएसएल स्पिनर्स, ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। आदित्य बिरला ग्रुप 30 एकड़ में स्पिनिंग यूनिट, अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, जबकि टीटी लिमिटेड 5 एकड़ में गारमेंट यूनिट स्थापित करेगी। इसी तरह ओखला क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब विकसित करेगा। इन सभी निवेशों से न केवल प्रदेश में टेक्सटाइल उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि वैश्विक निर्यात बाजार में यूपी की स्थिति मजबूत होगी।

एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार का अवसर

कुल 1000 एकड़ भूमि पर विकसित हो रहा यह पार्क लखनऊ में 730 एकड़ और हरदोई में 270 एकड़ में फैला होगा। निर्माण पूर्ण होने के बाद यहां 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित होने और 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। पार्क के संचालन के लिए 'पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड' नाम से एसपीवी का गठन किया गया है, जिसमें 51% हिस्सेदारी राज्य सरकार और 49% भारत सरकार की होगी।

मजबूत कनेक्टिविटी से बढ़ेगा निवेश

पीएम मित्र पार्क की लोकेशन निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल है। यह लखनऊ एयरपोर्ट से 45 किमी, मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से 15 किमी और लखनऊ जंक्शन से 40 किमी दूर है। नेशनल हाईवे (लखनऊ–हरदोई–दिल्ली) मात्र 15 किमी और आउटर रिंग रोड 20 किमी की दूरी पर है। बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते निवेशकों में उत्साह है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह परियोजना 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' की भावना को साकार करेगी। इससे औद्योगिक विकास को बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने चेताया, फील्ड में निकलें अफसर

सभी प्राधिकरण जारी करेंगे बांड, मेरठ, कानपुर व मथुरा में 1833 करोड़ की 38 परियोजनाएं प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में आवास एवं शहरी विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आवास एवं शहरी विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि अब विकास प्राधिकरणों को फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर उतरकर योजनाओं की वास्तविक प्रगति सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि अधिकारी फील्ड में जाएं, जनता की सुविधा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की तेजी से बढ़ती शहरी आबादी के अनुरूप विकास का मॉडल तैयार किया जा रहा है। हर योजना का ब्लूप्रिंट स्थानीय सर्वे और अध्ययन के बाद ही तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि फाइलों में योजनाएं नहीं चलतीं, जनता को नतीजा जमीन पर दिखना चाहिए। उन्होंने बताया कि मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र विकास के लिए 1833 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इनमें मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर प्रस्ताव को क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए, ताकि जनता को सीधा लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि विकास प्राधिकरण केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर भी बनें। उन्होंने सभी प्राधिकरणों को अपने बांड जारी करने के निर्देश दिए, ताकि आय के नए स्रोत बन सकें और जनता का विश्वास सशक्त हो।

मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण स्वीकृति के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि जल संकट को देखते हुए यह व्यवस्था भविष्य की जरूरत है। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि पीपीपी मॉडल पर कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जाए, जिसमें साझा राजस्व के आधार पर भूमि प्राधिकरण उपलब्ध कराए और निवेशक निर्माण व संचालन करें।

खास बातें

- 38 परियोजनाओं के लिए 1833 करोड़ रुपये प्रस्तावित
- लखनऊ में बनेगा 28 किमी लंबा ग्रीन कॉरिडोर
- हर विकास प्राधिकरण जारी करेगा अपना बांड
- हर भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था अनिवार्य
- पीपीपी मॉडल पर बनेगा कन्वेंशन सेंटर

बरेली में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं विपक्षी नेता: राठौर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्री बोले, पुलिस ने कार्रवाई कर हर साजिश को किया नाकाम

अमृत विचार : बरेली की स्थिति पर विपक्षी नेताओं के दौरे को लेकर योगी सरकार में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने कहा कि बरेली में अब पूरी तरह अमन और चैन है, पुलिस ने ससमय और संयमित कार्रवाई कर उपद्रव फैलाने की हर साजिश को नाकाम किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और अन्य दलों के नेता राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए बरेली का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं, लेकिन सरकार ऐसा होने नहीं देगी।

राठौर ने कहा कि सर तन से जुदा जैसे नारे लगाने वालों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई कर हालात संभाले। किसी निर्दोष को नुकसान नहीं हुआ, केवल कानून तोड़ने वालों को जेल भेजा गया। उन्होंने बताया कि उपद्रवियों के पास से पेट्रोल बम, असलहा और विस्फोटक पदार्थ बरामद हुए हैं, जो पुलिस और आम नागरिकों पर हमले की साजिश का हिस्सा थे।

मंत्री ने कहा कि 2010 जैसी अराजकता अब नहीं दोहराई जाएगी। योगी सरकार में कानून और व्यवस्था सर्वोपरि है। जो कानून तोड़ेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

अनियमितता पर कन्नौज सीएमओ की होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को दिए निर्देश

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में आरोपों से घिरे डॉक्टरों के खिलाफ जांच होगी, जांच में दोषी पाए जाने के बाद अपेक्षित कार्रवाई भी होगी। इसके लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कन्नौज व चित्रकूट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जगदीशपुर सीएचसी चिकित्सा अधीक्षक व श्रावस्ती के डॉक्टर के खिलाफ हुई शिकायतों की जांच कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कन्नौज के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.स्वदेश गुप्ता के खिलाफ टेंडर में गड़बड़ी, वित्तीय अनियमितता व भ्रष्टाचार की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष को शिकायतों की जांच कराने व आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मालूम हो कि रामपुर की मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह द्वारा डॉ.स्वदेश पर बागपत में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी पद पर रहने के दौरान पीसीपीएनडीटी एक्ट का दुरुपयोग करने के आरोप हैं। आरोप हैं कि अल्ट्रासाउंड सेंटरों में अनियमितता को बढ़ावा दिया।

इसके अलावा अमेठी, जगदीशपुर सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप तिवारी का स्थानांतरण मुसाफिरखाना सीएचसी पर किया गया था। लेकिन डॉ. प्रदीप ने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया। शासकीय आदेश की अवहेलना की। ब्रजेश पाठक ने डॉ. प्रदीप के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार मुख्यालय से अनुपस्थित रहने के शिकायत पर चित्रकूट के मुख्य चिकित्साधिकारी से स्पष्टीकरण तबल किया गया है। साथ ही उन पर शासकीय आदेशों का अनुपालन न करना और पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के भी आरोप लगे हैं।

प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में तीन वेतन वृद्धि रोकी

श्रावस्ती जिला संयुक्त चिकित्सालय में तैनात डॉ. डीके गुप्ता पर महोबा जिला चिकित्सालय में तैनाती से लगातार एनपीए लेते हुए प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोप लगे हैं। साथ ही मेडिकल स्टोर संचालकों से साठगांठ करने के आरोप भी थे। शिकायतों की जांच कराई गई। आरोप सही पाए गए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिए हैं कि डॉ. डीके गुप्ता की तीन वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोकी जाएं। साथ ही परिनिन्दा का दंड दिया जाए और वसूली ब्याज सहित की जाए।

जीएसटी सुधार को लेकर किए सम्मेलन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेशभर में भाजपा के नेतृत्व में शनिवार को व्यापार जगत को राहत देने के उद्देश्य से घटी जीएसटी दरों का लाभ और व्यापार जगत को मिला उपहार विषय पर शनिवार को प्रदेश की 25 विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन आयोजित हुए। इन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में व्यापारी, जीएसटी लॉयर, वाणिज्य विशेषज्ञ, होटल और रेस्टोरेंट उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। वक्ताओं ने हाल ही में घटाई गई जीएसटी दरों से होटल, रेस्टोरेंट, दुग्ध उत्पादक और स्टेशनरी कारोबारियों को मिली राहत पर विस्तार से चर्चा की।

राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रयागराज को दूसरा, शाहजहांपुर को तीसरा और जौनपुर को मिला चौथा स्थान

अमृत विचार : राजस्व परिषद की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली की ओर से जारी सितंबर माह की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में सबसे अधिक राजस्व मामलों का निस्तारण राजधानी लखनऊ में किया गया है। वहीं, जनपदीय न्यायालयों के स्तर पर जौनपुर ने एक बार फिर बाजी मारी है।

राजस्व परिषद की रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर माह में पूरे प्रदेश में कुल 3,88,145 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें राजधानी लखनऊ 21,296 मामलों के निस्तारण के साथ पहले स्थान पर रही। लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है। इसके बाद प्रयागराज में 11,396 मामले, शाहजहांपुर में 9,075, जौनपुर में 8,856 और गोरखपुर में 8,448 मामले निस्तारित किए गए। यह आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी की सख्त मॉनीटरिंग और जवाबदेही प्रणाली ने पूरे प्रदेश में राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली में बड़ा सुधार किया है।

भू-राजस्व मामलों में भी जौनपुर अव्वल : अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) जौनपुर ने 50 के मानक के मुकाबले 251 मामलों का निस्तारण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। गाजीपुर के एडीएम ने 30 और मीरजापुर के एडीएम ने 24 मामलों का निस्तारण किया है।

जिला न्यायालयों में जौनपुर, लखीमपुर व बस्ती आगे

बोर्ड ऑफ रेवन्यू की आरसीसीएमएस रिपोर्ट के अनुसार, जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने निर्धारित मानक से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। यहां प्रति माह 250 मामलों के मानक के सापेक्ष 704 मामलों का निस्तारण किया गया, जो 281.60 प्रतिशत की उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसी प्रकार लखीमपुर खीरी 415 मामलों के साथ दूसरे और बस्ती 412 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। फतेहपुर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 मामलों के मानक के सापेक्ष 79 मामलों का निस्तारण किया और 263.33 प्रतिशत की सफलता दर के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने 77 और कुशीनगर ने 67 मामले निस्तारित कर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

यूपीएवीपी की ई-नीलामी ने बनाया कीर्तिमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियल एस्टेट क्षेत्र में 992 संपत्तियों की बिक्री से 1168.43 करोड़ रुपये की संभावित आय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश और पारदर्शिता का नया दौर शुरू हुआ है। इसी क्रम में विजयदशमी के अवसर पर उप्र. आवास एवं विकास परिषद (यूपीएवीपी) ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। 30 सितंबर 2025 को संपन्न हुई मेगा ई-नीलामी में कुल 992 संपत्तियों की बिक्री से 1168.43 करोड़ की संभावित आय का अनुमान लगाया गया है। यह परिषद के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी और सफल ई-नीलामी मानी जा रही है।

यह नीलामी योगी सरकार की ई-गवर्नेंस आधारित पारदर्शी व्यवस्था का परिणाम है, जिसने निवेशकों के बीच विश्वास का नया माहौल बनाया है। परिषद की ओर से इस ई-नीलामी में लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, गाजियाबाद और कासगंज समेत सात से अधिक प्रमुख शहरों की संपत्तियां शामिल की गईं। इनमें 391 आवासीय और 601 अनावासीय भूखंड, व्यावसायिक प्लॉट्स, आईटी सिटी, संस्थागत भूखंड और ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट्स सम्मिलित थे।

प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी

ई-नीलामी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी रखी गई। पंजीकरण 18 सितंबर 2025 से शुरू होकर डिजिटल ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से किया गया, जिससे निवेशकों को किसी भी तरह की जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ा। ऑनलाइन सिस्टम ने न केवल समय की बचत की, बल्कि पारदर्शिता को भी सुनिश्चित किया। परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नीलामी में देशभर से सैकड़ों निवेशकों ने हिस्सा लिया और प्रतिस्पर्धात्मक बोली लगाकर परिषद की संपत्तियों के लिए रुचि दिखाई।

कैंसर संस्थान में खरीदे जाएंगे आधुनिक उपकरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कैंसर संस्थान को 129.06 करोड़ और आयुर्विज्ञान संस्थान को मिले 11 करोड़ रुपये

अमृत विचार : सुल्तानपुर रोड स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इससे कैंसर मरीज को आधुनिक इलाज मिल सकेगा। इसके लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संस्थान में उपकरणों की खरीद-फरोख्त के लिए 129.06 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को बताया कि कैंसर संस्थान में प्रदेश भर से रोगी इलाज के लिए आ रहे हैं। रोगियों को बेहतर इलाज मुहैया कराना सरकार का दायित्व है। संस्थान को आधुनिक उपकरणों से लैस करने की प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल व संस्थानों में रोगियों को आधुनिक इलाज मुहैया कराने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। उपकरण व नई तकनीक से संस्थानों को जोड़ा जा रहा है। उक्त क्रम में ही ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपकरण क्रय के लिए 11.46 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

कवायद

नीति आयोग के 11 अफसरों ने संभाली कमान, नवंबर तक रोडमैप तैयार कर नियोजन विभाग को सौंपेंगे

12 सेक्टरों में तैयार होगा विकसित यूपी का ब्लूप्रिंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश को वर्ष 2047 तक 'विकसित राज्य' बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की साझा कवायद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप 'समर्थ उत्तर प्रदेश–विकसित उत्तर प्रदेश 2047' का विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराने में नीति आयोग की टीम सक्रिय रूप से जुट गई है। आयोग ने राज्य के 12 प्रमुख सेक्टरों में विकास की रूपरेखा तैयार करने के लिए अपने 11 प्रोग्राम निदेशकों को नामित कर दिया है, जो नवंबर तक विस्तृत रोडमैप तैयार कर लखनऊ स्थित नियोजन विभाग को सौंपेंगे।

नीति आयोग के इन वरिष्ठ अधिकारियों को यूपी के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर भविष्य की विकास रणनीति तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें नीलम पटेल (कृषि व संबद्ध क्षेत्र व पशुधन संरक्षण), इश्तियाक अहमद (औद्योगिक विकास), देबजानी घोष व युगल किशोर जोशी (आईटी एवं इमर्जिंग सेक्टर), अन्ना राय (नगर व ग्राम्य विकास), राजीव सिंह ठाकुर (अवस्थापना विकास), डॉ. अंशु भारद्वाज (संतुलित विकास), के.एस. रेजीमोन (समाज कल्याण), राजीव कुमार सेन (स्वास्थ्य), डॉ. सोनिया पंत (शिक्षा व कौशल विकास) तथा मेजर जनरल के. नारायनन (सुरक्षा व सुशासन) शामिल हैं।

डिलाइट ने भी सेक्टरवार नियुक्त किए विशेषज्ञ

समानांतर रूप से, यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सहयोग कर रही संस्था 'डिलाइट' ने भी सेक्टरवार अपने विशेषज्ञों को नियुक्त किया है। इनमें श्रीनिवास कुच्चिभोतला, हरीश चंद्रा, अंजनी कुमार, अनमोल पुरी, देबाशीष विस्वास, सुमित मिश्रा, अनीस मंडल, स्वाती अग्रवाल, विक्रम आनंद, कमलेश व्यास और कार्तिक अप्पादुरई शामिल हैं। ये विशेषज्ञ नीति आयोग और राज्य सरकार की टीम के साथ मिलकर साझा कार्ययोजना पर काम करेंगे।

राज्य के नियोजन विभाग को इस पूरी प्रक्रिया का नोडल विभाग बनाया गया है। विभाग ने अपने उप निदेशक, संयुक्त निदेशक और शोध अधिकारियों की सेक्टरवार टीम गठित कर दी है। ये अधिकारी नीति आयोग और डिलाइट के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर हर सेक्टर का विश्लेषण, लक्ष्य निर्धारण और कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इस विजन डॉक्यूमेंट में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और सुशासन जैसे सभी क्षेत्रों में ठोस, लागू करने योग्य नीति खाका शामिल हो।

60 लोगों संग ट्रेन से दिल्ली पहुंचे नंदी

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के कॉन्क्लेव में होंगे शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' प्रयागराज और विभिन्न जनपदों के 60 सदस्यों के साथ शनिवार को दिल्ली पहुंचे, जहां वे एक होटल में आयोजित वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के कान्क्लेव में शामिल होंगे। यह कान्क्लेव समाज के निर्बल वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में प्रयागराज के 11 परिवारों को आधुनिक ठेले प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे चाट, चाय-नाश्ता और लई-चना जैसे छोटे व्यापार कर आत्मनिर्भर बन सकें। प्रयागराज के मीरापुर, नैनी, अतरसुईया, सिविल लाइंस और बहादुरगंज सहित कई क्षेत्रों के परिवार इसमें शामिल हैं। मंत्री शुक्रवार रात हमसफर एक्सप्रेस से सभी सदस्यों के साथ दिल्ली रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि शामिल 60 लोगों में सात परिवार ऐसे भी हैं, जिन्हें मंत्री द्वारा आजीवन दस हजार रुपये मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। ये वे परिवार हैं, जिन्होंने अपनों को दुर्घटनाओं या हिंसक घटनाओं में खोया है।

हमसफर एक्सप्रेस से दिल्ली के लिए रवाना होते मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी'।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

पति को कागज में मारा, जांच में गई शिक्षक की नौकरी

आरोपी ने नाम बदलकर दोबारा हाईस्कूल से स्नातक तक की परीक्षा पास कर कर शिक्षक की नौकरी प्राप्त कर ली थी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। बीएलओ ने अपने ही पति को जांच रिपोर्ट में मार डाला। उसके बाद नाम बदलकर दोबारा हाईस्कूल से स्नातक तक की परीक्षा पास कर ली। करीब 05 साल पहले बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी भी पा ली। गांव के ही व्यक्ति ने शिकायत लोकायुक्त से की तो बीएसए ने जांच बैठा दी। मामले की पड़ताल हुई तो आरोप सही मिले। उसके बाद आरोपी सहायक अध्यापक की सेवा समाप्त कर दी गई है।

बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि हसेरन ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल दारापुर बरेठी के सहायक अध्यापक सत्येन्द्र सिंह निवासी कानपुर देहात के थाना रसूलाबाद क्षेत्र के मैजूसमस्तपुर गांव निवासी की शिक्षक पद से सेवा समाप्ति का आदेश जारी हो गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षक के ही गांव निवासी लालबहादुर सिंह कुशवाहा ने लोकायुक्त लखनऊ में शिकायत की थी। इसमें आरोप लगाया कि आनंद बाबू पुत्र महावीर ने प्राइमरी से इण्टरमीडिएट कला वर्ग में वर्ष 2006 में पास किया था। इसके बाद उसने विज्ञान वर्ग में अपना नाम बदल कर सत्येन्द्र सिंह व उम्र 7 वर्ष 2 माह 25 दिन कम कर ली। साथ ही हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट व आगे के शैक्षिक प्रमाणपत्रों को हासिल किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह कानूनन अमान्य व शून्य शैक्षणिक प्रमाणपत्र हैं, उन अमान्य एवं शून्य प्रमाणपत्रों का उपयोग कर प्राथमिक विद्यालय में नियुक्ति प्राप्त की जो धोखाधड़ी व जालसाजी है। आरोप है कि आनंद बाबू ने जानबूझकर पहले की वास्तविक पहचान छिपाई व मिटाई है। इसमें पिता महावीर व पत्नी अल्पना देवी जो कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ-साथ बीएलओ भी हैं ने छलकपट व धोखाधड़ी कर आनंद बाबू को मृतक दिखाकर मतदाता सूची में नाम षडयंत्र के तहत हटा दिया। बीएलओ पत्नी ने मृतक होने की झूठी सत्यापन रिपोर्ट लगाई और आनंद बाबू ने ही अपना नया नाम सत्येन्द्र सिंह रखकर वोटर लिस्ट जोड़वा लिया। आनंद बाबू उर्फ सत्येन्द्र सिंह एवं अल्पना देवी पत्नी आनन्द बाबू ने एक साथ मिलकर अन्य सभी अभिलेखों, साक्ष्यों में जानबूझकर वास्तविकता को छिपाया और गलत नियत से तमाम तरह के बदलाव/ संशोधन कराए। यह कृत्य गैरकानूनी संज्ञेय अपराध हैं। शिकायतकर्ता ने आनंद बाबू उर्फ सत्येन्द्र सिंह प्राइमरी विद्यालय से बर्खास्त कर पूरे वेतन मय ब्याज के वसूली करने, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराकर निष्पक्ष जांच करने की मांग रखी। बीएसए ने प्रकरण की जांच के लिए 05 जून को बीईओ मुख्यालय विपिन कुमार व छिबरामऊ आनंद द्विवेदी को जिम्मेदारी सौंपी। उसके बाद आरोपी शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा गया। कई बार मामले की सुनवाई चली इस दौरान शिक्षक ने कोई स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं कराया। न ही जांच सम्बन्धी साक्ष्य व मूल अभिलेख उपलब्ध कराए। 11 जुलाई को जांच टीम आरोपी शिक्षक के गांव मैजू समस्तपुर पोस्ट रहीमपुर पहुंची और अभिलेखों की पड़ताल की।

इस तरह पकड़ा जांच अफसरों ने मामला

- जांच टीम ने दी रिपोर्ट में कहा कि सत्येन्द्र सिंह की जन्म तिथि 15.08.1994 और नियुक्ति 16.10.2020 को हुयी थी। उसने हाईस्कूल की परीक्षा वर्ष 2011 व इण्टरमीडिए 2013 में उत्तीर्ण किया। बीएससी वर्ष 2016 और बीटीसी व टीईटी की परीक्षा वर्ष 2018 में उत्तीर्ण की है। दूसरी ओर आनंद बाबू के नाम वाले प्रपत्रों में जन्म तिथि 20.05.1987 है। कक्षा 05 वर्ष 1996 में प्राथमिक पाठशाला कुरंगना तत्कालीन विकास खण्ड ककवन, जिला कानपुर देहात से उत्तीर्ण किया। जूनियर हाईस्कूल 2001 में पूर्व माध्यमिक विद्यालय नौहा नौगांव तत्कालीन विकास खण्ड ककवन से पास किया। हाईस्कूल 2003 इण्टर 2005 में पास किया। आनंद बाबू की मृत्यु प्रमाणपत्र की पुष्टि के लिए बीएसए ने रजिस्टार, जिला अस्पताल कानपुर देहात को पत्र भेजा। शिकायतकर्ता ने मनरेगा जॉब कार्ड पंजीकरण संख्या 30360010400165 जिस पर आनंदबाबू लिखा है वो हूबहू सतेन्द्र कुमार के फोटाग्राफ से मिलता है मुहैया कराया। उधर, निर्वाचन कार्यालय रसूलाबाद से जुड़े तहसीलदार रसूलाबाद ने नोटिस में राजस्व निरीक्षक से जांच कराई जिसमें कहा गया कि आनंद बाबू व सत्येन्द्र सिंह एक ही व्यक्ति हैं। दूसरी ओर जब अधिकारी गांव जांच करने पहुंचे तो ग्रामवासी जगत सिंह व विवेक कुमार ने बताया कि सत्येन्द्र सिंह को सभी ग्रामवासी आनंद बाबू के नाम से बचपन से पुकारते हैं तथा किसी भी आनंद बाबू की मृत्यु इस ग्राम नहीं हुयी है और न ही उसके अन्तिम संस्कार के सम्बन्ध में किसी को कोई जानकारी है। इस कृत्य को जालसाजी, धोखाधड़ी, कूटरचना, साक्ष्य छिपाना, मिटाना एवं फर्जीवाड़ा करने से जोड़ा गया।

निलंबित शिक्षक सत्येंद्र सिंह।

- कला वर्ग से हाईस्कूल व इंटर आनंद बाबू के नाम से किया, विज्ञान वर्ग में हो गया सत्येंद्र सिंह
- हसेरन ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल दारापुर बरेठी में था सहायक अध्यापक

आरोपी शिक्षक ने कुबूल किया घरेलू नाम है आनंद

- जब बीएसए ने आरोपी शिक्षक सत्येंद्र सिंह को सेवा समाप्ति का नोटिस दिया तो उसने कार्यालय पहुंचकर 31.07.2025 को कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। 27 अगस्त को दूसरा सेवा समाप्ति नोटिस निर्गत हुआ तो 01 सितंबर को बीआरसी उमर्दा में आधार कार्ड अपडेट (हिस्ट्री) दी जिसमें आनंद बाबू की जन्मतिथि 01.01.1985 की पुष्टि हुयी है, जिसे परिवर्तित कराया गया है। 16 सितंबर को बीएसए कार्यालय में उपस्थित होकर आरोपी से पक्ष मांगा गया। तब उसने बताया कि सत्येन्द्र सिंह का आधार अपडेट हिस्ट्री में बना पूर्व का आधार कार्ड 04.01.2015 को नया पंजीकरण कराया गया था जो कि आधार कम्प्यूटर आपरेटर की मानवीय त्रुटि के कारण नाम, जन्मतिथि, पता गलत लिखा गया था। उसके कार्ड में लगभग 90 प्रतिशत गलतियां थीं जिन्हें बाद में संशोधित कराकर अपडेट कराया गया। सत्येंद्र ने बताया कि उसका घरेलू नाम आनंद होने के कारण कम्प्यूटर आपरेटर ने वोटर लिस्ट के अनुसार नाम व जन्म तिथि अंकित की थी जो कि गलत थी। 21.08.2016 को आधार संशोधित कराकर अपडेट कराया गया था।

विभाग ने आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर लगाये शिविर

कन्नौज। जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस मौके पर मिशन शक्ति के तहत स्कूलों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिलाओं को स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार का नारा दिया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. स्वदेश गुप्ता के निर्देश पर जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस मौके पर केएस हायर सेकेंड्री स्कूल व जेएस गर्ल इंटर कालेज में निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर डा. पवन, डा. कर्तन्द्र सिंह, डा. हरि किशन राजपूत, अर्श काउंशलर उपासना कुशवाहा ने मिशन शक्ति 5.0 के संबंध में जानकारी दी। किशोरियों को इस अवस्था करे संबंद में आने वाले बदलाव के संबंध में बताया। इस दौरान प्रतियोगिता में छात्रा वशुंधरा न पलक ने प्रथम स्थान पाया। स्वास्थ्य शिविरों में करीव 17 हजार से अधिक मरीजों को उपचार दिया गया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

न्यूज ब्रीफ

अश्लील फब्तियां करते युवक गिरफ्तार

कन्नौज। कोतवाली पुलिस ने शहर के मोहल्ला पकडिया टोला से एक युवक को महिलाओं व युवतियों से अस्लील फब्तियां करते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा है। कोतवाली के दरोगा राकेश कुमार, समराह सिपाही शुभम चौधरी के साथ भ्रमण पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक पकडिया टोला में मुख्य मार्घसे निकलने वाली महिलाओं व युवतियों से अस्लील हरकत कर रहा है। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये युवक ने अपना नाम शिवा पुत्र अनिल कुशवाह निवासी ग्राम गुलडिया थाना जलालाबाद जनपद शहजहापुर बताया। पुलिस म्मले की जांच कर रही है।

अच्छे कार्य के लिए अभिजीत सम्मानित

छिबरामऊ। पंचायत चुनाव की मतदाता सूची निर्माण में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्राथमिक विद्यालय दीनपुर के प्रधानाध्यापक अभिजीत सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी एवं उपजिलाधिकारी ज्ञानेंद्र द्विवेदी ने संयुक्त रूप से उन्हें सम्मानित किया। अभिजीत सिंह को उनकी कुशलता और समर्पण के लिए तीनों ब्लॉकों का नोडल सुपरवाइजर भी नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि पर स्थानीय समुदाय ने उनकी सराहना की। यह सम्मान उनके कार्य की गुणवत्ता और पंचायत चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

किसानों ने बिजली घर में तालाबंदी कर किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। बिजली संबंधी समस्याओं, अधिकारियों द्वारा की जा रही धनउगाही व स्मार्ट मीटर के विरोध को लेकर किसानों ने बिजली घर पहुंच कर तालाबंदी कर दी और धरना प्रदर्शन करते हुए बिजली विभाग के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। इसके बाद तहसीलदार को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर जांच व कार्रवाई कर समस्याओं के निस्तारण की मांग की। लगभग पांच घंटे तक तालाबंदी रहने से विभागीय कार्य प्रभावित रहे।

भारतीय किसान यूनियन सावित्री के जिलाध्यक्ष अवधेश गुप्ता अन्ना के नेतृत्व में तमाम महिला पुरूष पदाधिकारी व कार्यकर्ता हाथों में पुराने बिजली के मीटर लेकर शनिवार की सुबह लगभग 11 बजे स्थानीय बिजली घर पहुंचे। जहां उन्होंने उपखण्ड अधिकारी के कार्यालय सहित कैश काउण्टर व लिपिक के कक्षों में ताला डाल कर धरना दिया। एसडीओ पंकज चौधरी ने किसानों को काफी समझाने और धरना समाप्त कराने का प्रयास किया। लेकिन किसान नहीं माने। करीब पांच घंटे तक चले धरना प्रदर्शन के बाद पहुंचे तहसीलदार अविनाश सिंह को जिलाध्यक्ष ने सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर समस्या के निस्तारण की मांग की। जिसमें उन्होंने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों पर धनउगाही करने का आरोप लगाते हुए जांच व कार्रवाई की मांग की। साथ ही स्मार्ट मीटर को पूरी तरह बंद करने, किसानों पर बकाया होने के बाद भी कनेक्शन न काटने, किसानों को 24 घंटे आपूर्ति देने व बिजली की दरों को कम करने की मांग की। बिना कमी के काटे गए कनेक्शन को जोड़ने व किसानों का उत्पीडन बंद करने की मांग की। किसानों ने पावर हाउस के सामने जीटी रोड जाम करने का भी प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए किसानों को सड़क से हटाकर आवागमन बहाल बनाए रखा। इस दौरान रामशंकर, करन शर्मा, दीपक पटेल, आकिल यादव, साजिद अंसारी, धर्मेन्द्र कुमार, अनूप सिंह कुशवाहा, मनोज कुमार, नसरत खान, वंदना, गुड्डी, पार्वती, पुष्पा, पिंकी, उर्मिला, मिथलेश आदि मौजूद रहे।

बिजली घर में धरना, प्रदर्शन कर नारेबाजी करते किसान कार्यकर्ता।

- जिलाध्यक्ष ने तहसीलदार को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन
- पांच घंटे तालाबंदी रहने से प्रभावित हुए विभागीय कार्य

रंजिश में महिला को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज। रंजिश के चलते गांव के लोगों ने गाली गलौज की और घर में घुसकर महिला को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम मदारपुर निवासी रिशू देवी पत्नी संजीव कुमार ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 22 सितंबर की दोपहर लगभग 02 बजे रंजिश को लेकर गांव के कुंवरपाल, उसकी पत्नी गुड्डी देवी व पुत्रियों प्रियंका, शिवानी ने उसके साथ गाली गलौज की। मना करने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की।

अज्ञात शव की हुई शिनाख्त

संवाददाता तिर्वा, कन्नौज

- पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया मामले की जांत की जा रही है

अमृत विचार। दो दिन पहले गोडी पुलिया के नाले में मिले शव की शिनाख्त कर ली गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौपा है।

दो अक्तूबर की शाम कोतवाली क्षेत्र के कनौली गोडी नाला में अज्ञात शव मिला था। जिसे पुलिस ने मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया था। शुक्रवार की शाम कस्बा में मंडी बाजार निवासी रामपाल सक्सेना पुत्र भारत लाल ने पुलिस को सूचना दी कि उसका भाई रामनरेश उम्र करीब 45 वर्ष 28 सितंबर को शाम चार बजे से लापता है। जिस पर प्रभारी निरीक्षक संजय शुक्ला ने रामपाल को कन्नौज मोर्चरी में रखे लावारिश शव को देखने के लिए कहा। मोर्चरी में रखे शव को देख कर रामपाल ने उसकी पहचान अपने भाई रामनरेश के रूप में की है। रामपाल ने बताया कि उसका भाई कई वर्षों से मानसिक रूप से विक्षिप्त था। वह अचानक कई दिनों से घर से चला जाता था। कभी-कभी उसको ढूंढ के लाना पड़ता था। कभी-कभी वह स्वयं भी आ जाता था। उसको दौरे भी आते थे। रामपाल ने बताया कि शव के गले में धागा, मुंह में टूटा हुआ दांत, कपड़े, कलाई में बंधी राखी का धागा व कटी उंगली के रूप में उसने अपने भाई रामनरेश के रूप में पहचान की है। रामपाल ने कोई भी कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने शव को अंतिम संस्कार के लिए रामपाल व अन्य परिजनों को सौंप दिया है।

स्नातक पास व शिक्षक वोटर के लिए बनवाएं वोट

कन्नौज। उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने बताया है कि 01 नवंबर 2025 के आधार पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद खण्ड स्नातक/ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची का नए सिरे से पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। स्नातक वोटर बनने के लिए प्रारूप 18 और शिक्षक मतदाता बनने के लिए प्रारूप 19 भरा जा सकता है। आवेदन की आखिरी तारीख 06 नवंबर है।

इच्छुक व्यक्ति कम से कम तीन वर्ष पूर्व भारत के किसी भी प्रदेश के किसी विश्वविद्यालय का स्नातक पास हो या उसके समतुल्य अर्हता रखता हो। निर्वाचन क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए, 01.11.2025 से पहले 06 वर्षों के अंदर कम से कम 03 वर्ष की अवधि के लिए राज्य की भीतर ऐसे विनिर्दिष्ट शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षण कार्य में लगा हो, जिसका स्तर माध्यमिक विद्यालय से कम न हो।

ईशन नदी में डूबे किशोर का शव तीसरे दिन मिला

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- गुरुवार को मां दुर्गा विर्सजन को ईशन नदी पर गया था युवक

अमृत विचार। कन्नौज के तिर्वा तहसील क्षेत्र के किसनपुर गांव के किशोर का शव शनिवार सुबह ईशन नदी से बरामद किया गया। वह गुरुवार दोपहर मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए छतनेपुर गांव के पास ईशन नदी पर गया था, जहां पैर फिसलने से गहरे पानी में डूब गया था।

फाइल फोटो विकास

सौरिख थाना क्षेत्र के किसनपुर गांव निवासी 17 वर्षीय विकास पुत्र रमेश का शव शनिवार सुबह ईशन नदी से बरामद किया गया। विकास गुरुवार दोपहर मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए छतनेपुर गांव के पास ईशन नदी पर गया था, जहां पैर फिसलने से वह डूब गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने नदी के गहरे पानी में खोज की थी पर कोई पता नहीं चला था। नदीं में डूबने की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया था। सौरिख थाना पुलिस ने गोताखोरों को बुला कर नदी के गहरे पानी में विकास की खोज कराई थी पर कोई पता नहीं चला। शनिवार को परिजन प्रति दिन की तरह नदी के किनारे विकास की तलाश करते हुए जा रहे थे। इसी दौरान घटना स्थल से करीव तीन किलो मीटर की दूरी पर विकास का शव झाडियों में फंसा हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना परिजनों व ग्रामीणों को हुई तो लोग मौके पर पहुंच गये। स्थानीय गोताखोरों ने शव को झाडियों से बाहर निकाला। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

आईटीआई संस्थान जनखत के दीक्षांत समारोह में 36 प्रशिक्षार्थी सम्मानित

तिर्वा, कन्नौज। शनिवार को उमर्दा ब्लॉक की ग्राम सभा जनखत के राजकीय आईटीआई संस्थान में कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें आईटीआई टॉपर वंशिका ठाकुर को मैकेनिक डीजल में गैरेज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया है। इसी तरह कुल 36 प्रशिक्षार्थी को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार एवं मेडल, शील्ड, प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनुज कुमार श्रीवास्तव, सुरेंद्र कुमार, राकेश कुमार विश्वकर्मा, भालया एवं श्वेता गुप्ता मौजूद रहीं।

अमृत विचार
कानपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025
फर्रुखाबाद-कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

आज शहर में नहीं मिलेगी 4 घंटे बिजली

फर्रुखाबाद। अधिशासी अभियंता ट्रांसमिशन द्वारा अवगत कराया गया है कि रविवार को प्रातः 10 बजे से अपराहन दो बजे तक ट्रांसमिशन सिस्टम के अंदर अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। जिसके कारण विद्युत आपूर्ति पूरे शहर की बाधित रहेगी।

खाटू श्याम की शोभा यात्रा का स्वागत

फर्रुखाबाद। नगर में निकाली गयी खाटू श्याम बाबा की भव्य शोभायात्रा, जगह जगह हुआ स्वागत नगर में निकाली गई खाटू श्याम की शोभा यात्रा का जगह-जगह पर भक्तों ने स्वागत किया व जयकारे लगाए। यात्रा में बड़ी तादाद में भक्त शामिल हुए जो खाटू श्याम के भजन गाते हुए,जयकारा लगाते हुए यात्रा में चल रहे थे।इन दिनों नगर में भगवान खाटू श्याम की भक्ति का दौर देखने को मिल रहा है लोग खाटू श्यामजी का संकीर्तन कराकर और यात्रा निकालकर उनके दरबार में माथा टेक रहे हैं और सभी के कल्याण की कामना कर रहे हैं राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में बने हुए निशानों को लेकर यात्रा में शामिल हुआ जाता है। भक्त महाभारत कालीन कथा के माध्यम से खाटू श्याम की महानता का बयान भी करते नजर आए जब भगवान कृष्ण ने बरबरीक को आशीर्वाद दिया था कि कलयुग में श्याम के नाम से उन्हें पूजा जाएगा ।लोगों का मानना है कि बाबा के दरबार में माथा टेकने से सभी की मनोकामनायें पूर्ण होती हैं।

मकबूल बने भाकियू के जिलाध्यक्ष

गुरसहायगंज। संगठन को मजबूत करने के लिए नगर से लेकर गांव तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए उर्जावान व कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। पदाधिकारी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निवर्हन कर संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाए और पीड़ित किसानों को हक व सम्मान सहित न्याय दिलाने का कार्य करें। यह बात भाकियू महात्मा टिकैत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभाकांत मिश्रा ने कही। वह शनिवार की दोपहर नगर के फर्रुखाबाद रोड स्थित गेस्ट हाउस में भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत की बैठक में सामिल हुए। उन्होंने संगठन का विस्तार करते हुए नगर निवासी मकबूल अहमद को जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपकर मनोनयन पत्र दिया। जबकि इरशाद अली को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत कर पत्र सौंपा।

एक किलोमीटर तक सुनाई दी विस्फोट की गूंज ,दहशत

50 मीटर दूर जा गिरीं बाइकें, एक शिक्षक हिरासत में लिया गया है, विस्फोट के कारण जानने के लिए सीसीटीवी से फुटेज खंगाले जा रहे हैं

संवाददाता फर्रुखाबाद

- सातनपुर मंडी रोड पर द सन क्लासेस में हुआ हादसा
- फोरेंसिक टीम और बम स्क्वॉयड ने मौके पर पहुंच कर जांच की

हादसे में घायल हुए कोचिंग के छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। सातनपुर मंडी रोड पर स्थित कटियार कोल्ड स्टोरेज के पास द सन क्लासेज लाइब्रेरी व कोचिंग सेंटर के बाहर हुए विस्फोट की गूंज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। 50 मीटर दूर तक मोटरसाइकिलें जा गिरीं। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने तत्काल रेस्क्यू टीम को घटना स्थल पर भेजा। अधिकारियों के निर्देश पर स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट हो गया। डीएम एसपी पहले घटना स्थल और फिर लोहिया अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने कोचिंग सेंटर में मौजूद एक शिक्षक को हिरासत में लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार थाना कादरीगेट के सातनपुर आलू मंडी रोड पर द सन लाइब्रेरी व कोचिंग सेंटर संचालित है। जिसको थाना नवाबगंज के गुठिना निवासी योगेश राजपूत व रविन्द्र शर्मा संचालित संचालित करते हैं। शनिवार शाम साढ़े तीन बजे लगभग दस बच्चे कोचिंग सेंटर में पढ़ रहे थे। उसी दौरान अचानक कोचिंग सेंटर में भीषण विस्फोट हुआ। विस्फोट के बाद लाइब्रेरी में छात्रों की खड़ी बाइक, स्कूटी और साइकिलें करीब 50 मीटर दूर तक जा गिरीं। यह विस्फोट कितना भयानक था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ छात्रों के शरीर के मांस के लोथड़े घटना स्थल पर ही पड़े मिले। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गयी। खून और मांस के लोथड़े देख लोग सकते में थे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां, फतेहगढ़ और कादरी गेट थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घायलों का हाल जानने के लिए डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी और एसपी आरती सिंह लोहिया अस्पताल पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल भी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और बम स्क्वॉयड मौके पर पहुंच गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अवनींद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल लाए गए सात घायलों में से दो युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। सीएमओ के अनुसार, एक गंभीर रूप से घायल युवक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। इसके अलावा दो बच्चों को भी बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतकों की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। वहीं, सीएचसी कमालगंज के डॉ. विकास पटेल ने बताया कि विस्फोट में पांच बच्चे घायल हुए हैं। इनमें तीन का लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। दो को हायर सेंटर रेफर किया गया है।लोहिया अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि सेप्टिक टेंक फटने के कारण हादसा हुआ है। असल वजह जानने के लिए कमेटी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना जताई। पुलिस कप्तान आरती सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में बेसमेंट में मीथेन गैस की ज्यादा मात्रा का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा बेसमेंट में स्विच बोर्ड भी मौजूद थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के संपर्क में आने से ये विस्फोट हो सकता है। हालांकि, पुलिस सही कारणों की जांच कर रही है। इसके अलावा, सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

लोहिया अस्पताल में घायल को देखते जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह।

विस्फोट के बाद क्षतिगस्त बाइक। अमृत विचार

घायलों में अभय पुत्र सुदीप श्रीवास्तव, निखिल पुत्र नीलू यादव निवासी गुंजन बिहार कालोनी, अंशुल पुत्र प्रदीप यादव, आयुष यादव पुत्र प्रदीप यादव निवासी ग्राम मीरपुर, अभय राजपूत पुत्र रघुवीर निवासी टिकुरियन नगला प्रभात पुत्र बबलू, रिदम यादव पुत्र विवेक यादव, अंशिका गुप्ता पुत्री पंकज गुप्ता निवासी सेंट्रल जेल चौराहा शामिल हैं जबकि आकाश कश्यप (24) व आकाश सक्सेना (25) की मौत हो गयी। मृतक आकाश सक्सेना के पिता दारोगा हैं और लखनऊ में तैनात हैं वहीं मृतक आकाश कश्यप के पिता दीपक कश्यप नगर पालिका फर्रुखाबाद में सफाई कर्मी हैं। आकाश की मां शशिलता व भाई अमित का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

छिबरामऊ में रावण के धराशाई होते ही लगे जय श्रीराम के नारे

संवाददाता,छिबरामऊ

अमृत विचार। 'डोली भूमि गिरत दसकंधर, क्षुभित सिंधु सर दिग्गज भूधर' चौपाई के साथ ही बुराई के प्रतीक रावण का अंत हो गया। तालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीराम नारों के बीच रावण और मेघनाद के पुतले आग के हवाले कर दिए गए।

विशुनगढ़ रोड स्थित रामलीला मैदान में शुक्रवार को राम-रावण युद्ध देखने दर्शकों की भीड़ उमड़ी। राक्षस और वानर सेना के बीच युद्ध का दृश्य देख दर्शक रोमांचित हो उठे। हनुमान समेत वानर सेना की उछलकूद बच्चों को खूब भाई। एक-एक कर राक्षस सेना के महारथी धराशाई होते गए। कुंभकरण और मेघनाद का वध होने के बाद रावण खुद युद्ध मैदान में जा पहुंचा। श्रीराम और लक्ष्मण द्वारा छोड़े गए तमाम बाण उसके सामने बेअसर साबित हुए। श्रीराम ने एक साथ 31 बाण छोड़े। एक बाण से नाभि का अमृत सूखने और 30 बाणों से 10 सिर और 20 भुजाएं कटकर गिरने से रावण धराशाई हो गया। प्रतीकात्मक रावण का धराशाई होते ही 'जय श्रीराम' के नारे गूंज उठे। रावण, मेघनाद, कुंभकरण के पुतलों में आग लगा दी गई। उनमें रखी आतिशबाजी के धमाको से आसपास का इलाका गूंज उठा। व्यवस्थापक प्रेम मुरारी दुबे ने युद्ध की शानदार कमेंट्री की।

विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री अर्चना पांडेय, कमेटी के अध्यक्ष देवकीनन्दन मिश्र, कार्यकारी अध्यक्ष अनुराग त्रिपाठी, हिमांशु चौहान, महामंत्री कौशलेंद्र सिंह श्यामू चौहान, कोषाध्यक्ष सर्वेश कुमार चौरसिया, राजीवनयन त्रिपाठी, श्री खाटू श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष विवेक गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

एक दिन की प्रधानाचार्या त्रिलोचना ने छात्रों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। नवाबगंज की अग्रणी माध्यमिक विद्यालय में गिने जाने वाले जेएस इण्टर कॉलेज में कक्षा नौ की मेधावी छात्रा त्रिलोचना को एक दिन के प्रधानाचार्य का दायित्व दिया गया। प्रधानाचार्य के रूप में छात्रा ने अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

जेएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रदीप यादव टीटू ने ग्राम सलेमपुर त्यौरी निवासी शिव सिंह की मेधावी पुत्री त्रिलोचना को एक दिन का प्रधानाचार्य नियुक्त किया। त्रिलोचना ने विद्यार्थियों को बताया कि विद्यार्थी जीवन ही नहीं वरन जीवन भर अनुशासित रहकर नियमों और कानूनों का पालन करना चाहिए। कार्यवाहक प्रधानाचार्य ने छात्राओं को सोने की महंगाई की वजह से कम खरीदने हेतु प्रेरित किया। सफाई कर्मचारी को व्यवस्थित सफाई करने हेतु निर्देशित किया एवं प्रत्येक फ्लोर पर डस्टबिन रखने हेतु निर्देशित किया। सभी शिक्षकों की बैठक बुलाकर सभी को जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से अध्यापन कार्य करने हेतु निर्देशित किया। त्रिलोचना ने छात्र-छात्राओं को जिम्मेदारी से पढने हेतु निर्देशित किया एवं कहा कि अच्छी पढ़ाई से ही अच्छे नंबर लाए जा सकते हैं।

एक दिन की प्रधानाचार्या त्रिलोचना व प्रदीप कुमार यादव टीटू। अमृत विचार

एक दिन की प्रधानाचार्य को दायित्व निर्वहन में विद्यालय के शिक्षक वीरेंद्र सिंह, ओंकार, करण कुमार, मेघनाथ, परमनाथ, मोहित, रवित, प्रवीण शर्मा, राधा यादव, माही मिश्रा, अंशिका, प्रियांशी, आकांक्षा ने पूरा सहयोग किया। प्रधानाचार्य प्रदीप यादव टीटू ने कहा मुझे प्रसन्नता है हमारे विद्यालय की छात्राएं हर कसौटी पर खरी उतरने को तैयार हैं।

2027 का चुनाव करो या मरो का करो तैयारी: सपा जिलाध्यक्ष

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में समाजवादी पार्टी संगठन की मासिक बैठक हुई। पार्टी के सहायक प्रवक्ता व सचिव राधेश्याम सविता ने बताया कि बैठक में जिला महासचिव इलियास मंसूरी ने बैठक एजेंडा प्रस्तुत किया, एजेंडा में गत माह बैठक में तय कार्यवाही की पुष्टि, सदर विधानसभा की बूथ कमेटी गठन के कार्य को गति देने पर विचार, पूरे जनपद के सभी बूथों पर बीएलए बनाने पर विचार, पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पीडीए चर्चा कार्यक्रम को गति देने पर विचार, अनावश्यक वोट कटवाने एवं नए वोट जुड़वाने के कार्य को गति देने पर विचार, कार्यालय के खर्चे की व्यवस्था पर विचार, जिला संगठन के पदाधिकारी एवं फ्रंटल संगठन के अध्यक्षों को जोन-वार जिम्मेदारी देने पर विचार एवं मा. जिलाध्यक्ष जी की अनुमति से अन्य कोई भी विचारध्सुझाव रखने का एजेंडा प्रस्तुत किया गया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा की सभी नेता व कार्यकर्ता उपरोक्त बिंदुओं पर विचार कर पार्टी मजबूत बने ऐसा प्रयास करें 2027 का चुनाव हमारे लिए करो या मरो की स्थिति में होगा इसलिए अभी से हमको उस कठिन लड़ाई की तैयारी करनी होगी। प्रदेश सचिव डॉ जितेंद्र सिंह यादव ने कहा कि सभी को एकजुट रहना होगा और एकजुट रहकर सिर्फ एक ही बात ध्यान में रखनी होगी हमारे प्रत्याशी श्री अखिलेश यादव हैं और चुनाव चिन्ह साइकिल है।

बैठक को पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी सर्वेश अम्बेडकर आलोक यादव सदस्य जिला पंचायत आदि लोग मौजूद रहे।

एक दिन की प्राचार्य बनी दिव्या

संवाददाता जलालाबाद

अमृत विचार। मिशन शक्ति फेस 05 के तहत विद्यालय में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एक दिन की प्रचार्य बनी छात्रा को पदभार ग्रहण कराया गया। इससे छात्रा सहित परिवार के लोगों में हर्ष व्याप्त हो गया।

शनिवार को महामाया पॉलिटेक्निक अनौगी में मिशन शक्ति के तहत नारी सशक्तिकरण को लेकर आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की मैकेनिकल इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की छात्रा दिव्या साक्षी को एक दिन का प्राचार्य नियुक्त किया गया। पदभार ग्रहण करते ही छात्रा सहित परिवार के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

पदभार ग्रहण करती एक दिन प्राचार्य बनी छात्रा दिव्या साक्षी। अमृत विचार

तो वहीं छात्रा ने पद की जिम्मेदारियां को सफलतापूर्वक संभाला और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की।

जबकि संस्थान के प्रभारी प्राचार्य डा. आरएस कमल ने बताया कि यह आयोजन छात्राओं में नेतृत्व क्षमता का विकास और आत्म बल में वृद्धि करने के उद्देश्य किया गया। कहा कि यह महिला सशक्तिकरण के उद्देश्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

एक लाख रुपए लूटने का आरोप

तिर्वा। पुरानी रंजिश में घेर कर की गईमारपीट के मामवले में पुलिस की जांच में झूठी निकली। इस पर पुलिस ने लूट के मामले में युवकों को वरी कर दिया।

बीती रात ठठिया थाना क्षेत्र के ग्राम सिंघा पुरवा निवासी अवनीश कुमार पुत्र परशुराम ने शिकायत की थी कि वह अपनी बाइक से तिर्वा से वापस अपने गांव जा रहा था। जैसे ही वह हंसापुर गांव के आगे पहुंचे उसी समय तीन चार युवकों ने उसे घेर कर मारपीट कर लहू लुहान कर दिया। उस के पास जेब में रखे एक लाखरुपये लूट लिये। पूछताछ में लूट की घटना झूठी पाई गई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभी लोग आपस में परिचित हैं। पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हुई है।

42 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने किया रक्तदान

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शनिवार को मेजर एसडी सिंह पीजी आयुर्वेदिक महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राम मनोहर लोहिया अस्पताल से आए अधिकारियों एवं कर्मचारी के सहयोग से कुल 42 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने रक्तदान किया।

इस रक्तदान शिविर में राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉक्टर प्रवीण कुमार, गिरीश कुमार, सीनियर लैब टेक्नीशियन श्री अमित सिंह एवं पराह नाज, लैब टेक्नीशियन शोभित कटियार, काउंसलर शिवम चौहान, स्टाफ नर्स श्री दीपक अवस्थी, जय देवी एवं मनोज कुमार उपस्थित रहे। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर नीतू श्री के संरक्षण एवं क्रिया शारीर विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर ज्ञानेंद्र गुप्ता एवं लेक्चर डॉक्टर अरीब हुसैन की देखरेख में चलाए गए स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में पंजीकरण की कुल संख्या 55 रही, जिसमें कुल 42 छात्र-छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया। इस शिविर में डॉक्टर ज्ञानेंद्र गुप्ता, डॉक्टर आरीब हुसैन, डॉक्टर निरंजन, डॉ विकास बाबू, डॉ मधु रंजन, डॉ अरुण पांडे, डॉ आनंद बाजपेई, डॉक्टर गगन देवी द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करके दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया तथा छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। महाविद्यालय की डायरेक्टर डॉक्टर अनीता रंजन जी द्वारा इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में सभी के द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की गई ।

रक्तदान के बाद छात्रों को प्रशस्ति पत्र देतीं डायरेक्टर डा. अनीता रंजन। अमृत विचार

मिशन शक्ति | शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बताया गया

सुरक्षा के प्रति महिलाओं, बालिकाओं को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जनपद के समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत महिलाओं/बालिकाओं जागरूक किया गया। बालिकाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गई। शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, मिशन शक्ति केन्द्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित किये गये।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल बालिकाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, मिशन शक्ति केन्द्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर महिलाओं का सशक्ति करण कर रही है। थाना कोतवाली कन्नौज मिशन शक्ति/एन्टीरोमियो टीम ने थाना क्षेत्र में भ्रमण कर महिला संबंधी होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिये छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। इसी तरह थाना ठठिया पुलिस ने ग्राम रामपुर में चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला संबंधी होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया। थाना तिर्वा पर तैनात मिशन शक्ति/एन्टीरोमियो टीम द्वारा भारत सिंह रामा देवी इन्टर कॉलेज रामपुर, तिर्वा में छात्राओं को महिला संबंधी होने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया। इसी तरह थाना विशुनगढ़, थाना सकरावा, थाना सौरिख, समेत अन्य थाना कोतवालियों में तैनात मिशन शक्ति/एन्टीरोमियों टीम द्वारा निरन्तर अपने अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण शील रहकर विभिन्न भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजार, मंदिर मे मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान व साइबर संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया।

वीमेन पावर लाइन 1090, ऑपरेशन कवच, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन व 155260, 1930 साइबर क्राइम अपराध के बारे में बताया गया।

बिनौरा रामपुर में महिलाओं व बालिकाओं को जागरुक करती पुलिस टीम।

तालाब में मिला युवक का शव

अमृतपुर। ग्राम मुझहा में शनिवार दोपहर एक तालाब से 40 वर्षीय रजनीश जाटव का शव बरामद हुआ है। शव मिलने के बाद गांव में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है।

ग्रामीणों की सूचना पर थाना इंचार्ज मोनू शाक्या पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर गांव के कुछ बच्चे तालाब किनारे खेल रहे थे। तभी उन्होंने पानी में एक शव को उतराते देखा और शोर मचाया। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक रजनीश जाटव (40 वर्ष) पुत्र कल्लू था। ग्रामीणों के मुताबिक, रजनीश शराब का आदी था और शुक्रवार रात परिवार में उसका विवाद हुआ था।

जिला जज चंद्रोदय कुमार का आंबेडकरनगर तबादला

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला जज चंद्रोदय कुमार का आंबेडकरनगर के लिए तबादला हो गया है। उनके स्थान पर ललितपुर से नरेंद्र कुमार झा आएंगे। वर्तमान जिला न्यायाधीश को कन्नौज में कार्यभार ग्रहण करने के बाद करीब डेढ़ साल का समय व्यतीत हुआ था।

हाईकोर्ट इलाहाबाद के रजिस्ट्रार (न्यायिक) रजनेश कुमार ने 03 अक्टूबर को जारी की भारी भरकम तबादला सूची में अपने जनपद का भी नाम शामिल है। 16 अप्रैल 2024 को जिला जज का कार्यभार ग्रहण करने वाले चंद्रोदय कुमार अब आंबेडकरनगर की जिम्मेदारी निभाएंगे। उनके स्थान पर अब नरेंद्र कुमार झा ललितपुर से आ रहे हैं उन्होंने महज 07 महीने ही वहां जिला जज का कामकाज देखा है। इससे पहले सितंबर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव लवली जायसवाल और उनके एडीजे फास्ट ट्रैक (पति) इंद्रजीत सिंह का बाराबंकी तबादला हो चुका है, उन्होंने वहां मामलों की सुनवाई भी शुरू कर दी है। दंपति जज कन्नौज में करीब ढ़ाई साल तक तैनात रहे हैं।

चर्चा में रहे वकील-जज के मामले: जिला एवं सत्र न्यायालय व कुछ वकीलों के मामले खासे चर्चा में रहे। बताया गया है कि सबसे पहले अधिवक्ता शिवांग बाजपेयी के खिलाफ कचहरी में ही एक वाद दर्ज कराया। कन्नौज बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विजय सारस्वत के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। इसके बाद अधिवक्ता विवेक दीक्षित ने ब्राह्मण अधिवक्ताओं का उत्पीड़न करने, कचहरी परिसर के मंदिर में पूजा न करने के आरोप लगाए थे।

ट्रैक्टर रोकने पर दो पक्षों में संघर्ष

अमृतपुर । राजेपुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव में मिट्टी लेकर आ रहे ट्रैक्टर को रोकने को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई।

कुलदीप ने बताया कि जब वह मिट्टी लेकर आ रहे थे, तभी गांव के चार-पांच लोगों ने उन्हें लाठी-डंडों से घेर लिया। कुलदीप के अनुसार, विपक्षी उनके घर पर भी चढ़ आए और गाली-गलौज करते हुए धमकाया कि उनका ट्रैक्टर नहीं चलने देंगे। जब उन्होंने गाली-गलौज से मना किया, तो विपक्षी मारपीट और हमले पर उतारू हो गए। कुलदीप किसी तरह वहां से बचकर निकले। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच नोंकझोंक और झड़प साफ दिख रही है। बताया जा रहा है कि पंचायत चुनाव नजदीक होने के कारण गांव में इस तरह के छोटे-मोटे विवाद बढ़ रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सर्पदंश से वृद्ध महिला की गई जान

इटावा। थाना भरेह क्षेत्र के अंतर्गत नीमा डाड़ा में सांप के डसने से घायल महिला की इलाज के लिए पीजीआई ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गई। उक्त गांव निवासी गुड्डी देवी 60 वर्ष पत्नी सुखलाल को घर पर सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजन वृद्धा को सीएचसी राजपुर ले गए जहां से महिला को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत बिगड़ती देख महिला को पीजीआई सैफई रेफर कर दिया। परिजन महिला को सैफई ले जा रहे थे तभी रास्ते में महिला की मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

जसवंतनगर। डीएफसीसी फ्रेट कॉरीडोर पर शुक्रवार को नगला हरचंद गांव की एक महिला मालगाड़ी की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान नगला हरचंद निवासी सिया देवी (60) पत्नी शोभा राम शाक्य के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सिया देवी की मानसिक स्थिति लंबे समय से ठीक नहीं थी, जिसके चलते वह अकसर बिना बताए घर से निकल जाती थीं। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक ललित चतुर्वेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जीआरपी ने मोबाइल चोर को दबोचा

इटावा। थाना जीआरपी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चलती ट्रेनों में चोरी करने वाले शातिर चोर को स्टेशन इटावा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को अपना नाम मो. साहिल उर्फ शनि पुत्र मुन्ना उर्फ अजीज निवासी चिड़ीमार कालोनी, ईदगाह थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर बताया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी के 4 मोबाइल फोन बरामद किए। एसओ जीआरपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल व अन्य सामान चोरी करने में लिप्त रहता है। उसके खिलाफ विभिन्न जिलों में चोरी, शस्त्र अधिनियम, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के 16 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पिता पुत्र को मारपीट कर किया घायल

बकेवर। थाना क्षेत्र के ग्राम अहेरीपुर में नामजद पिता पुत्रों सहित चार नामजद लोगों ने खेत से लौट रहे एक व्यक्ति को गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। ग्राम अहेरीपुर निवासी बबलू पुत्र संतोष ने बताया कि उसके पिता संतोष खेतों से काम करके वापस घर लौट रहे थे कि तभी गांव के ही सलीम पुत्र इस्फाक व राज,समीर खां पुत्रगण सलीम, शमीम पुत्र इस्फाक खां पिता से गाली-गलौज करने लगे जिसका पिता ने विरोध किया तो नामजद लोग हाथ में लिए लाठी डंडो से मारपीट करने लगे पिता की चीख पुकार सुनकर बेटा बबलू बचाने आया तो उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। पिता पुत्र की चीख पुकार सुनकर पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष विपिन मलिक ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध पीडित घायल के शिकायती पत्र पर मुकदमा दर्ज करके घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया है।

मौके पर सुनें शिकायतकर्ता का पक्ष

बोले डीएम, एक सप्ताह में निस्तारण न होने पर बताना होगा देरी का कारण

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सबसे ज्यादा शिकायतें जमीन से संबंधित विवादों की आईं। इस पर डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने अधिकारियों से कहा कि एक सप्ताह में समस्याओं का निस्तारण किया जाए। यदि एक सप्ताह में समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो देरी का कारण भी बताना होगा। सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस में 35 शिकायतें आई इनमें से 6 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

समाधान दिवस में डीएम ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इसके लिए अधिकारी सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाए। इसके साथ ही जवाबदेह लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये।

उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारी गांवों के भ्रमण पर जाएं अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का मौके पर सत्यापन करें और लाभार्थियों से फीडबैक भी लें।

संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों से कहा कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई के दौरान जो समस्याएं आतीं है, उनका शासन स्तर से समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जा रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, क्षेत्राधिकारी नगर, तहसीलदार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील सभागार में लोगों की शिकायतें सुनते डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला, एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव व मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

जसवंतनगर में एसडीएम ने सुनीं शिकायतें

जसवंतनगर। तहसील सभागार में एसडीएम कुमार सत्यम जीत और एसपी सिटी अभय नाथ त्रिपाठी ने समस्याओं को सुना। कुल 18 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से पांच का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। ग्राम केवला निवासी अनिल कुमार ने आबादी भूमि पर विपक्षियों के अवैध कब्जे की शिकायत रखी। ग्राम खेड़ा बुजुर्ग के मूलचंद ने विपक्षियों पर मेड़ काटकर जमीन हड़पने का आरोप लगाया। ग्राम निलोई के मुन्नालाल ने जवरिया जमीन पर कब्जे की शिकायत की, वहीं धनुआ के विजयपाल सिंह ने आरोप लगाया कि विपक्षियों ने उनकी बोई हुई फसल नष्ट कर दी है। नगला रामसुंदर के अशरफ खान ने कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग की। इसी तरह ग्राम केस्त के रामपाल व भारत सिंह ने भूमि पर पुनः कब्जा दिलाने की गुहार लगाई। अधिकारियों ने कहा कि सभी शिकायतों का समय से निस्तारण होगा।

कर्मचारियों ने राजीव यादव को दी श्रद्धांजलि

इटावा। राज्य कर्मचारी सयुंक्त परिषद ने प्रदेश अध्यक्ष कर्मचारी शिक्षक वेलफ़ेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव यादव के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा सिंचाई संघ भवन भोगनीपुर प्रखंड इटावा पर की गई।

शोक सभा मे बड़ी संख्या मे सभी विभागों के कर्मचारी और संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। परिषद के जिला मंत्री पवन श्रीवास्तव ने जोर देकर कहा कि इस प्रकरण में न्याय के लिए संघर्ष की आवशयकता है। दिलीप मिश्र एवं शैलेन्द्र कुमार यादव ने भी शोक सभा मे उपस्थिति कर्मचारियों को न्याय के लिए एक जुट रहने के लिए कहा और गहरा दुःख प्रकट किया परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रिजवान अहमद ने कहा कि अब हम सभी को उनके देयकों और उनके परिवार के सदस्य को नियुक्त के लिए प्रयास करना चाहिए यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर सभी विभागों के कर्मचारी मौजूद थे।

सीवीओ के सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

सेवानिवृत्त होने पर सीवीओ को प्रतीक चिह्न देते कर्मचारी।

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। सेवानिवृत हुये मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार गुप्ता का पशुपालन विभाग द्वारा एक गेस्ट हॉउस में सम्मान समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गयीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम ने डॉ.मनोज कुमार गुप्ता के सौहार्दपूर्ण व्यवहार की प्रशंसा की इस मौके पर अपर निदेशक कानपुर मंडल कानपुर डॉ.अनिल कुमार ने उनकी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा की तारीफ की और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी औरैया / प्रभारी इटावा डॉ.विशन सिंह विकल ने कहा की श्री गुप्ता ने दशकों लम्बी सेवा में पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ.अनिल वीर सिंह चौहान ने कहाकि उनके मार्गदर्शन और समर्पण ने विभाग को मजबूत बनाया है जिसे हमेशा याद किया जायेगा। कार्यक्रम के पूर्व सेवानिवृत्त हुये मनोज कुमार गुप्ता को विभाग के तीनो संघो पशुचिकित्सा अधिकारी संघ, पशुधनप्रसार अधिकारी संघ व वेटनरी फार्मासिस्ट संघ के अधिकारियों ने सम्मानित किया।

दिव्यांगजन शादी विवाह योजना के अंतर्गत करें आवेदन

इटावा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित शादी-विवाह प्रोत्साहन योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट पर स्वीकार किए जा रहे है। आवेदन पत्र पर साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट केन्द्र, लोकवाणी के माध्यम से स्थापित जन सुविधा केन्द्रों आदि के माध्यम से किया जा सकेगा।

इस योजनान्तर्गत दिव्यांग दंपती को विवाह करने पर 35 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है। पात्रता रखने वाले दिव्यांगजन ऑनलाइन आवेदन भरते समय आवेदन दंपती को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, आयु प्रमाण-पत्र जिसमें तिथि हो को लगाना होगा।

पोस्टर बनाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पोस्टर प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्य व अन्य।

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। जनता कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. संजीव कुमार तथा सहसंयोजक डॉ. सत्यार्थ प्रकाश मौर्य रहे।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के कार्यों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल के रूप में प्रो. एम.पी. यादव, प्रो. ललित गुप्ता एवं डॉ. आनंद सिंह द्वारा किया गया। परिणाम घोषणा में प्रथम स्थान पर प्रज्ञा ओझा बीएससी कंप्यूटर साइंस तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय स्थान पर नंदनी बीएससी जीव विज्ञान प्रथम सेमेस्टर तथा तृतीय स्थान पर खुशी पोरवाल एमएससी गणित प्रथम सेमेस्टर रहे। विजेताओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य राजेश किशोर त्रिपाठी और श्रीनारायण दुबे सहित प्राध्यापक डॉ एमपी यादव,डॉ डीजे मिश्रा, डॉ मनोज यादव,डॉ.पी के राजपूत डॉ.संजय विश्वकर्मा डॉ.धवेंद्र आदि ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।

सड़क हादसे में घायल तहसील कर्मी की इलाज के दौरान मौत

बकेवर। कस्बा के सुभाष नगर निवासी 57 वर्षीय भरथना तहसील कर्मी सड़क दुर्घटना में घायल हो गये थे। उनकी सैफई मिनी पीजीआई में इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु इटावा भेजा।

सोमवार की देर शाम तहसील कर्मी महेन्द्र कुमार बाइक से बकेवर लौट रहा था जैसे ही उसकी बाइक शेरपुरा कोठी के समीप पहुँची कि तभी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल कर्मचारी को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां हालत गम्भीर होने पर उसे पीजीआई सैफई के लिऐ रेफर कर दिया गया इलाज के दौरान शुक्रवार की देर शाम तहसील कर्मचारी महेन्द्र कुशवाहा पुत्र रघुनाथ प्रसाद कुशवाहा की मौत हो गयी।

रोहन और संजय ने राष्ट्रीय स्तर पर यूपीयूएमएस का नाम रोशन किया

संवाददाता सैफई इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई के लाइब्रेरियन ग्रेड–II रोहन गुप्ता और संजय सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों से संस्थान का नाम रोशन किया।

इन उपलब्धियों पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय सिंह ने दोनों लाइब्रेरियनों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां न केवल व्यक्तिगत सफलता हैं बल्कि संस्थान की शैक्षणिक और शोध संस्कृति को नई ऊंचाइयां प्रदान करती है। लाइब्रेरियन इंचार्ज ऑफिसर डॉ सुगंधी शर्मा ने बताया कि लाइब्रेरियन रोहन गुप्ता को सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन, आगरा द्वारा "बेस्ट मेडिकल लाइब्रेरियन अवॉर्ड – 2025" से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान लाइब्रेरी एवं इंफॉर्मेशन साइंस के क्षेत्र में नवाचारपूर्ण सेवाओं और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। साथ ही इन्होंने स्वामी विवेकानन्द सुभार्ती विवि मेरठ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी सस्टेनेबल डेवलपमेंट का विकसित भारत 2047 में शोधपत्र भी प्रस्तुत किया। संजय सिंह को भी उक्त संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत करने पर पेपर प्रेज़ेंटेशन सर्टिफ़िकेट प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, बरघाट मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजी इन रिसर्च चैलेंजिस एंड ऑपच्यरुनिटी में भी शोधपत्र प्रस्तुत कर सम्मान प्राप्त किया।

रोहन गुप्ता और संजय सिंह को प्रमाण पत्र देते कुलपति अजय सिंह।

- विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय सिंह ने दोनों लाइब्रेरियनों को बधाई व शुभकामनायें दीं

क्षत्रिय स्वाभिमान मंच का प्रतिभा सम्मान समारोह आज

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। क्षत्रिय स्वाभिमान मंच के तत्वावधान में विजय दशमी मिलन एंव प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 10 बजे से वृंदावन गार्डन में किया जाएगा, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाड़मेर राजस्थान के विधायक रविन्द्र सिंह भाटी होंगे।

यह जानकारी विजय दशमी मिलन एंव प्रतिभा सम्मान समारोह के संयोजक विकास भदौरिया कुन्नू ने मंच के पदाधिकारियों के साथ प्रेसवार्ता में दी। श्री भदौरिया ने कहा समारोह में मेधावी छात्र छात्राओं, समाज के चिकित्सकों, रोजगार देने वाली विभिन्न कम्पनियों के अधिकारियों सहित बुजुर्गों को मुख्य अतिथि विधायक बाड़मेर राजस्थान रविन्द्र सिंह भाटी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पत्रकारों से वार्ता करते विकास भदौरिया व मंच के लोग। अमृत विचार

उन्होंने बताया कि समारोह में यूपी समेत हरियाणा, उत्तराखंड आदि से बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। प्रेसवार्ता में विकास भदौरिया कुन्नू, अर्जुन सिंह, विनोद भदौरिया, सतेंद्र भदौरिया, दीपचंद्र चौहान, सर्वेश चौहान, राकेश तोमर, अभिषेक भदौरिया, शिवदीप भदौरिया शिवम ने जनता से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

डांडिया में महिलाओं ने मचाया धमाल

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। जायंट्स यूनिट दो परिवार के तीन समूह जायंट्स ग्रुप ऑफ इटावा डायमंड, जायंट्स ग्रुप ऑफ इटावा प्लैटिनम एवं जायंट्स ग्रुप ऑफ तेजस्विनी इटावा द्वारा संयुक्त रूप से भव्य डांडिया का आयोजन एक होटल में कराया गया।

यह कार्यक्रम यूनिट दो निदेशक बलराज गर्ग के मार्गदर्शन, पूर्व यूनिट निदेशक राखी मित्तल, फेडरेशन ऑफिसर अंजलि अग्रवाल के दिशा निर्देशन एवं नेहा गोयल, श्रुति अग्रवाल, ऋतु चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य संयोजक डॉक्टर पदमा त्रिपाठी व विदुला द्विवेदी द्वारा सीमा चौहान तथा बीनू अग्रवाल के विशेष सहयोग से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की गई। कार्यक्रम में देवी मां का श्रृंगार किया गया तथा पूजा अर्चना की गई। उसके बाद

डांडिया नृत्य करतीं महिलाएं। अमृत विचार

- जायंट्स समूह ने कराया आयोजन महिलाओं को दिये उपहार

विभिन्न महिलाओं एवं डांस ग्रुप द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम अनेकों उपहार, साप्ताहिक ऑनलाइन गेम, सरप्राइस गेम, हाऊजी जैसे मनोरंजन आइटम से परिपूर्ण था। आयोजक मंडल द्वारा 108 दीपक के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। सभी महिलाओं ने अलग अलग ग्रुप बनाकर डांडिया नृत्य किया। कार्यक्रम के अंत में मां भगवती एवं अन्य देवी देवताओं की विदाई आयोजक मंडल द्वारा भक्ति पूर्ण ढंग से की गई। उपस्थित सभी भक्तों ने देवी मैया के प्रसाद स्वरूप फल, मिठाई और श्रृंगार के सामान का वितरण किया। कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं में विकास सेंगर, संजय कुमार अग्रवाल ,ऋषभ पोरवाल एवं स्पर्श का सहयोग रहा।

मामूली कहासुनी पर शराब के नशे में की फायरिंग

संवाददाता सैफई इटावा

- पति, पत्नी और साला हुआ घायल, जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम नगला बेश में शुक्रवार की रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मामूली कहासुनी के बाद एक युवक ने शराब के नशे में फायरिंग कर दी। घटना में पति, पत्नी और साले समेत तीन लोग घायल हो गए। सभी को उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार नगला बेश गांव में आमने-सामने रहने वाले दो परिवारों के बीच गाय के बछड़े को हटाने को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान नशे में धुत सत्येंद्र यादव ने घर के अंदर से अवैध असलहा निकाला और छत पर चढ़कर गोलियां चला दीं। फायरिंग में अनिल कुमार के दाहिने पैर में गोली लगी, उनकी पत्नी संजू देवी के हाथ में चोट आई, जबकि साला पूरन सिंह के हाथ में छर्रे लगे। बताया गया कि एक गोली पास के पेड़ में भी जा धंसी। पुलिस जांच में अब तक यह स्पष्ट हुआ है कि गोली लगने की घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। दोनों पक्ष आमने-सामने रहने वाले हैं और दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। दोनों ओर के लोगों को चोटें आई हैं। प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र राठी ने बताया कि फायरिंग की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट की टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है, आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

आयोजन | मैदानी रामलीला में लीला देखने पहुंचे विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा

श्री राम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज का कल्याण करें

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में घोषित यहां की ऐतिहासिक मैदानी रामलीला में परंपरा के अनुसार रावण वध की लीलाओं को देखने शुक्रवार देर शाम को सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव भी पहुंचे। शिवपाल ने प्रभु श्री राम और लक्ष्मण हनुमान जी की पूजा कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके बाद रामलीला कमेटी के अध्यक्ष लाल सिद्धार्थ प्रसाद रईस, उपाध्यक्ष हीरालाल गुप्ता ,प्रबंधक राजीव गुप्ता बबलू, उप प्रबंधक ठा.अजेंद्र सिंह गौर, राजीव माथुर आदि ने मुख्य अतिथि शिवपाल सिंह यादव का रामनामी पटका पहनाकर व राम दरबार प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया।

प्रभु श्री राम की आरती उतारते विधायक शिवपाल सिंह यादव। अमृत विचार

लीला देखने आये अपार जन समूह को संबोधित करते हुए विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि अपने कर्मों से आकंठ बुराइयों में डूबे महान विदुषी पराक्रमी अहंकारी अभयदानी रावण का कुल नाश हो गया। हर वर्ष दशहरा को रामलीला में रावण वध की लीला संदेश देती है कि अहंकार व बुराई का हमेशा सर्वनाश होता है। इसलिए हम सभी से अपील करते हैं कि सभी लोग अपने अंदर छुपी बुराइयों को दशहरा के दिन त्याग कर अधिक से अधिक अच्छाइयां समावेशित करें और प्रभु श्री राम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने व समाज का कल्याण करें। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कुछ लोग प्रभु श्री राम की झूठी कसम खाकर सत्तासीन होकर हमारे संविधान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे लोग अब अहंकारी भाषा बोल रहे हैं। आज प्रदेश में भ्रष्टाचार बेरोजगारी चरम पर है। इन्हीं के लोग दलाली का काम कर रहे हैं। अधिकारियों से कहा ऐसे दलालों से सावधान रहें जनता और समाज हित में कार्य करें। वरना जनता सबका हिसाब करेगी। उन्होंने दावा किया कि नेताजी और अखिलेश यादव की समाजवादी सरकार में उत्तर प्रदेश में बहुत विकास किया गया। समाजवादी सरकार में सभी की बात सुनी जाती थी। श्री यादव जसवंत नगर से आत्मिक लगाव की भी याद दिलाना नहीं भूले उन्होंने कहा कि नेताजी से लेकर मुझे भी यहां की जनता जनार्दन ने हमेशा चुनाव में जीत के रूप में असीम प्यार दिया है। इसके लिए उन्होंने जनता जनार्दन से कृतज्ञता जाहिर की।

इस अवसर पर सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, कन्नौज जिला प्रभारी अनिल प्रताप सिंह गुड्डू, पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण सेंखवार, डॉ हेमेंद्र अग्रवाल आगरा, विधायक प्रतिनिधि अनुज मोंटी यादव विश्वनाथ प्रताप सिंह सोनू जिला सचिव जितेंद्र मोना यादव,अन्नू गुप्ता एड.राजेंद्र गुप्ता,डॉ पुष्पेंद्र पुरवार, रामनरेश यादव पप्प, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर यादव,आलोक गांगलस,प्रभाकर दुबे,शुभ गुप्ता, विनय पांडेय,प्रभाकर दुबे गोपाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महकता है देखो चमन फातिमा का...

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। स्थानीय घटिया अज़मत अली स्थित मस्जिद पंजतनी में पूर्व पेशकार जिला जज अली मेहदी की ओर से ग्यारहवें इमाम हसन असकरी की पैदाइश के खुशनुमा मौके पर महफ़िल का आयोजन किया गया।

महफ़िल की अध्यक्षता करते हुए मौलाना अनवारुल हसन जैदी इमामे जुमा ने कहा कि इमाम हसन असकरी का जन्म सन 232 में मदीने में हुआ और सन 260 में उन्हें इराक के सामरा में जहर देकर शहीद कर दिया गया। जब इमाम हसन असकरी की शहादत हुई उस समय उनके बेटे इमाम मेहदी पांच साल के थे। इमाम हसन असकरी का संदेश है कि किसी के राज को उजागर न करो और ख्वाहिश से बचो ये दोनों इंसान को तबाही की तरफ ले जाती हैं। इमाम असकरी के अपने शागिर्दों को लोगों तक इल्म पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी। जैदी ने कहा इमाम से मोहब्बत करने वालों की यह जिम्मेदारी है कि वह इमामों की सीरत और उनके दिए पैगाम पर अमल करें। महफ़िल में सलीम रज़ा ने कलाम पेश करते हुए कहा महकता है देखो चमन फ़ातिमा का, दोबारा है आया हसन फ़ातिमा का। सफीर हैदर ने कहा हसन के हुस्न की खैरात बंटने वाली है, फलक नशी भी हैं बोरियां बिछाए हुए। अली मेहदी और आसिफ रिजवी अश्शू ने भी कलाम पेश किए। महफ़िल में अल्हाज कमर अब्बास नकवी करबलाई, हाजी अरशद मरगूब, राहत अक़ील, शावेज़ नक़वी, मो. मियां, मो. अब्बास, हसन अब्बास, ज़हूर नक़वी, मो. अहमद, शौजब रिज़वी, राहिल आदि उपस्थित रहे।

महफिल में तकरीर करते मौलाना अनवारुल हसन जैदी। अमृत विचार

- ग्यारहवें इमाम हसन असकरी की पैदाइश पर हुई महफिल

न्यूज ब्रीफ

हैंगिंग से मौत होने की हुई पुष्टि

अयाना, औरैया। थाना क्षेत्र के प्यागपुर में गुरुवार सुबह नहर पटरी किनारे लोगों ने चिल्ला के पेड़ में रस्सी के फंदे पर शत्रुघन (40) का शव फंदे पर देखा था। मृतक के बड़े भाई सुधीर कुमार ने बताया था कि छोटे भाई शत्रुघन अविवाहित थे। आठ साल पहले उन्होंने संन्यास धारण कर लिया था। तीन दिन पहले वह निगड़ा भंडारा खाने के लिए निकले थे। तभी से घर नहीं लौटे, गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब उनका शव फंदे पर मिलने की जानकारी हुई। मृतक की भतीजी लक्ष्मी ने बताया था कि चाचा गांव के दूसरे सन्यासी के साथ रहते थे। कुछ दिन पहले सन्यासी ने चाचा पर 20 हजार रुपए व चांदी का सिक्का चोरी करने का आरोप लगाया था। इसी से क्षुब्द होकर चाचा ने आत्महत्या की है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। मामले में परिजन की ओर से अभी तक कोई भी तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन से कटने वाले युवक की हुई पहचान

औरैया। थाना फफूँद क्षेत्र के पाता चौकी अंतर्गत शुक्रवार की रात हुए रेल हादसे में कटे अज्ञात व्यक्ति की पहचान हो गई है। मृतक राजवीर (40 वर्ष) पुत्र श्रीराम निवासी डुहल्ला अछल्दा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राजवीर सुबह इटावा से कानपुर जाने वाली मेमू ट्रेन से दवाई लेने कानपुर गए थे। उनके साथ उनका दूसरा नंबर का बेटा सुमित भी था। कानपुर मेमू ट्रेन से लौटते समय राजवीर पाता स्टेशन पर पानी लेने के लिए उतरे, तभी वहां से गुजर रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुमित ट्रेन में ही बैठा रहा और पिता के न लौटने पर सुबह से खोजबीन शुरू की। बाद में सूचना मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी लालता देवी और पांच बच्चे प्रांशु, सुमित, अमन और रितिक हैं। बड़ी बेटी पूजा (14 वर्ष) का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि राजवीर की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी। शव को रेलवे सुरक्षा बल ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अभद्र इशारे करने वाला युवक गिरफ्तार

अछल्दा (औरैया)। थाना पुलिस ने रविवार देर शाम मेला मैदान के पास महिलाओं और लड़कियों से अभद्र इशारे करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध युवक क्षेत्र में महिलाओं को देखकर अशोभनीय हरकतें कर रहा है। सूचना पर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने एक युवक को महिलाओं के प्रति अभद्र इशारे करते देखा। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सोनू चौहान निवासी गयापुरी, थाना बिधूना, जनपद औरैया बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी बिना किसी वैध कारण के मेला मैदान में घूम रहा था और महिलाओं से अभद्रता कर रहा था। थाना प्रभारी के निर्देशन में महिला दरोगा हेमलता यादव ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की है। पुलिस ने युवक की गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, मायके वालों का हंगामा

संतान नहीं होने पर पति पर प्रताड़ित करने का आरोप, पुलिस मामले की जांच कर रही है

संवाददाता, राजपुर (कानपुर देहात)

आराधना।

मामले की जांच-पड़ताल करतीं सीओ प्रिया सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के डौड़ियापुर गांव में शुक्रवार की रात एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सूचना पर शनिवार को गांव पहुंचे मायके वालों ने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सीओ ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

थाना क्षेत्र के डौड़ियापुर निवासी लल्लन सिंह की पत्नी आराधना (30) का शव शनिवार सुबह घर के कमरे में चारपाई पर मिला। पति ने आराधना के मायके वालों को बीमारी से मौत की सूचना दी। खबर पाकर पड़ोसी औरैया जिले के अजीतमल थाना क्षेत्र के चिटिकापुर गांव से पहुंचे चचेरे भाई कल्लू ने बहनोई पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर सीओ प्रिया सिंह पुलिस के साथ पहुंचीं और प्रारंभिक छानबीन की। पिता श्रीकृष्ण ने पुलिस को बताया कि करीब 8 वर्ष पहले बेटी आराधना की शादी लल्लन सिंह के साथ की थी। बेटी को संतान नहीं होने पर दामाद शराब पीकर प्रताड़ित करता था।

उधर, लल्लन सिंह ने पुलिस को बताया कि पत्नी बीमार रहती थी। शरीर में खून की कमी के चलते उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार शाम खाना खाने के बाद वह कमरे में सो गई थी। शनिवार सुबह चारपाई पर मृत मिली। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि पति ने बीमारी से मौत होने की बात बताई है। मायके वालों ने फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

- अजीतमल थाना क्षेत्र के चिटिकापुर गांव में था मायका

दारू-मुर्गा के बाद पीटने का आरोप

- आराधना के चचेरे भाई कल्लू ने बताया कि बहनोई लल्लन तीन भाई हैं। बड़ा भाई अखिलेश दिल्ली में मजदूरी करता है। सबसे छोटा भाई रंजीत अपने पिता राजेन्द्र प्रसाद के साथ औरैया में रहता है। लल्लन सिंह गांव में ही रहकर मजदूरी करता है। शुक्रवार शाम वह राजपुर से मुर्गा लेकर आया था। आराधना से बनवाया और फिर शराब पीकर खाया। इसके बाद शराब के नशे में उसने बहन के साथ मारपीट की, जिससे मौत हो गई।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

दिबियापुर, औरैया। कस्बा के अंबेडकर नगर निवासी एक वृद्ध महिला की शुक्रवार शाम ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कस्बे के अंबेडकर नगर निवासी सोमवती (60 वर्ष) शुक्रवार सुबह अपनी बेटी के घर भरथना गई थीं। शाम को लौटते समय वह भरथना से पैसेंजर ट्रेन से फफूंद रेलवे स्टेशन उतरीं। इसी दौरान कानपुर की ओर जा रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उनका नाती धर्मेंद्र राठौर मौके पर पहुंचा। उसने बताया कि मृतका के तीन बेटे शिवकुमार, अजय पाल और दीपू प्राइवेट नौकरी करते हैं और बाहर रहते हैं। घटना की सूचना उन्हें भी दे दी गई है। मामले की पुष्टि करते हुए जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मामौतहुई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मिशन शक्ति के तहत जानकारी देते अधिकारी। अमृत विचार

पसईपुर केसमपुर में मिशन शक्ति 5.0 का आयोजन

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। विकासखंड भाग्यनगर की ग्राम पंचायत पसईपुर-केशमपुर में शनिवार को मिशन शक्ति 5.0 एवं नारी सम्मान सम्मेलन का आयोजन प्राथमिक विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता ही सेवा अभियान सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। गर्भवती महिलाओं को पोषाहार किट वितरित की गई और अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया।

नोडल अधिकारी डॉ. अनीस अहमद, ग्राम विकास अधिकारी नंदराज यादव, प्रधान राजेश कुमार पाल, एडीओ शिवशरण सिंह भदौरिया सहित कई अधिकारियों ने महिलाओं को संबोधित कर नारी सम्मान और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। कृषि विभाग द्वारा पीएम किसान और कृषि योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में एक सैकड़ा से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। मौजूद जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और सशक्त बनने का आह्वान किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई गांधी जयंती

संवाददाता अछल्दा, औरैया

चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

अमृत विचार। कस्बे के हरीगंज बाजार में महात्मा गांधी की 156वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कस्बे में कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को याद किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और समानता का जो संदेश दिया, वही आज भी समाज को सही दिशा दिखाता है।

उन्होंने कहा कि हमें गांधी जी के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, भाईचारा और स्वच्छता का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार कश्यप, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश चन्द्र बाथम, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामकुमार कश्यप, ब्लॉक उपाध्यक्ष वहीद खां एवं अनिल सक्सेना, मंडल अध्यक्ष लालू तिवारी, रोहित कश्यप, किशनलाल वाल्मीकि, महासचिव आशीष यादव, सचिव रंजु यादव, ब्लॉक सचिव सुदीप कुमार एवं धीरेंद्र रावत, सतेंद्र कश्यप तथा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता का किया आयोजन

- **दिबियापुर, औरैया।** जायंट्स ग्रुप ऑफ दिबियापुर 'सहेली' द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय, कन्हों में गांधी जयंती के अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लेते हुए गांधी जी के जीवन दर्शन, सत्य, अहिंसा और प्रेम के सिद्धांतों को अपनी चित्रकला के माध्यम से प्रदर्शित किया। संस्था की अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल ने बच्चों को गांधी जी के विचारों से अवगत कराते हुए कहा कि अनुशासन और समय पालन छात्रों के जीवन के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या उषा कुमारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व अन्य लोग में उपस्थित रहे।

सभी जीवों में प्रभु श्री राम हैं विद्यमान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- युगों तक विश्व में सनातनी परचम लहराएगा अयोध्या का श्री राम मंदिर

महामंडलेश्वर परमानंद गिरि का स्वागत करते डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार। 84 लाख योनियों में स्वेदज, अंडज, उद्भिज्ज और जरायुज चार प्रकार के जीव हैं। यह जीव वायु जल पृथ्वी और आकाश में रहते हैं। इन सभी जीवों के अंतर्मन में प्रभु श्री राम विद्यमान हैं। इस तरह संपूर्ण जगत को सीता राममय मानकर मनुष्यों को एक दूसरे से दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए और सनातनी परंपरा को निभाते हुए मानवता का सच्चा उदाहरण पेश करना चाहिए।

यह संदेश शुक्रवार को शहर के मोहल्ला तिलक नगर में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता के आवास पर आए श्री राम जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट के स्थाई सदस्य एवं आचार महामंडलेश्वर युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरी जी महाराज ने दिए हैं। महामंडलेश्वर श्री परमानंद गिरि महाराज ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। श्री रामलला का विग्रह रूप पहले ही प्रतिष्ठापित हो चुका है। अगले तीन साल में मंदिर का संपूर्ण निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का यह मंदिर युगों तक विश्व में भारत की सनातनी परंपरा के परचम को फहराता रहेगा। इससे पूर्व आचार्य महामंडलेश्वर युग पुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज जी के आगमन की सूचना पाकर जिलाधिकारी डा. इंद्रमणि त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष के आवास पर पहुंचकर परमानंद गिरि महाराज का माला पहनाकर सम्मान किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता, नरेंद्र कुमार गुड्डू शिवहरे, वेदांत शिवहरे, सार्वभौम गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, दीक्षांत गुप्ता, शशांक गुप्ता, महेश पुरवार, संजीव पोरवाल, वीर सिंह पाल, आर्यन गुप्ता राहुल गुप्ता, सोनू सोनी, कमलेश अवस्थी, राम जी वाजपेई, आदि लोग मौजूद रहे।

निर्माणाधीन रिजर्व पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्दमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने शेरपुर सरैया में निर्माणाधीन रिजर्व पुलिस लाइन के आवासीय/अनावासीय भवनों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्य को देखा और संबंधित कार्यदायी संस्था को मानक और गुणवत्ता के साथ समयबद्धता से कार्य को तेजी से कराते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य के प्रतिदिन की प्रगति व गुणवत्ता की जांच की जाए जिससे कार्य में किसी प्रकार की कोई शिथिलता न होने पाएं और मानक व गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि समय-समय पर निर्मित कार्य का समय- समय पर जिला जांच समिति द्वारा परीक्षण कराया जायेगा और यदि कार्य में किसी प्रकार की कोई कमी अथवा प्रगति में शिथिलता पाई जायेगी तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर शासन को अवगत कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमर सिंह को निर्देशित किया कि पूर्व में जांच के दौरान पाई गई कमियों को पुनः देखते हुए किये गये सुधार की जांच कर शीघ्र आख्या उपलब्ध कराये ताकि दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य न किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जा सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत की तैयारियां पूरी

बिधूना, औरैया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज सेवा समिति बिधूना के तत्वावधान में श्रीमद्भगवत कथा का चतुर्थ भव्य आयोजन 05 अक्टूबर रविवार से भव्य कलश शोभा यात्रा के आरम्भ होने जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन के लिए समाज सेवा समिति द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

समाज सेवा समिति के अध्यक्ष / प्रबंधक एवं समाजसेवी रमेश चंद्र अग्निहोत्री पूर्व प्रधानाचार्य,अजय अग्निहोत्री ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों की एक आवश्यक बैठक शनिवार को संत विवेकानंद पब्लिक स्कूल में की गई है। जहां पर सभी स्वयं सेवियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। बैठक में समिति को और अधिक सक्रिय बनाने के साथ अन्य कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

गर्भवती महिलाओं के लिए चलाया टीकाकरण अभियान

संवाददाता, बिधूना

शिविर के दौरान दवाएं वितरित करते कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास खंड क्षेत्र के ग्राम कैथावा में शनिवार को 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए एक सफल मासिक टीकाकरण अभियान चलाया गया।

इस महत्वपूर्ण अभियान में पेंटावैलेंट वैक्सीन का उपयोग किया गया, जो बच्चों को एक साथ पांच गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करती है। ये बीमारियाँ डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटनेस, हेपेटाइटिस बी एवं हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी है। ये सभी रोग नवजात शिशुओं को आसानी से अपनी चपेट में ले सकते हैं। पेंटावैलेंट वैक्सीन बच्चों को इन जानलेवा संक्रमणों से बचाकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम में एएनएम विनय कुमारी, आशा कार्यकर्ता रिजबाना अख्तर व आशा संगिनी राधा वर्मा शामिल रहीं। इन तीनों स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी तत्परता और समर्पण से यह सुनिश्चित किया कि टीके सही समय पर और सुरक्षित तरीके से लगाए जाएं। यह अभियान बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा और सकारात्मक कदम है। टीकाकरण बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करके उन्हें मजबूत बनाता है।

गंदे पानी से निकलना ग्रामीणों की मजबूरी

फफूंद, औरैया। क्षेत्र के गांव पसईपुर- केशमपुर में हमारे मोहल्ले की लगभग 40 मीटर गली का खड़ंजा बेहद जर्जर हो चुका है नीचाई के कारण वहां गंदा पानी भरा रहता है। मोहल्ले के लोगों को गंदे पानी में घुसकर निकलना पड़ता है।

गंदे पानी से मच्छरों की भी संख्या बहुत बढ़ गई है लोग परेशान हैं। इसके आगे की सड़क इंटरलॉकिंग की जा चुकी है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा बजट का अभाव बताते हुए इतना हिस्सा छोड़ दिया गया जिससे लोग बहुत परेशान हैं। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान से अधूरी पड़ी गली का निर्माण कराने की मांग की है।

समाधान दिवस

संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों को डीएम ने गंभीरता से लिया और दिए कड़े निर्देश

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें निस्तारण :जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता, औरैया

फरियादियों की शिकायतों को सुनते डीएम व एसपी। अमृत विचार

- संपर्क के साथ-साथ स्थलीय निरीक्षण के उपरांत ही समाधान करें सुनिश्चित
- शासन की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए कोई भी फरियादी मायूस न हो
- समस्या को सुनने के पश्चात दोनों पक्षों को संतुष्ट करते हुए मामले का करायें निराकरण

अमृत विचार। शासन के निर्देशानुसार संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों को विभागीय अधिकारी गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिकायत का निस्तारण दोनों पक्षों से संवाद, संपर्क तथा स्थलीय निरीक्षण के साथ दोनों पक्षों को सुनते हुए मामले का निराकरण निष्पक्ष होकर करते हुए संपूर्ण प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी तैयार करें साथ ही पक्षकारों के निस्तारित मामले की आख्या पर हस्ताक्षर भी करायें जिससे कोई आरोप/ प्रत्यारोप न लग सके।

जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने उपरोक्त निर्देश तहसील सभागार अजीतमल में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में दूर-दराज के क्षेत्र से आए फरियादियों से प्रार्थना पत्र लेते हुए उनकी समस्याओं को सुनते हुए दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी स्तर पर अनियमितता बरते जाने पर संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर गोपाल जी पुत्र राजेंद्र सिंह भदोरिया निवासी मौजमपुर (बिरूहूनी) ने अवगत कराया है कि ग्राम मौजमपुर से नंदलाल का पुरवा के मध्य 2.5 किलोमीटर की रोड वर्ष 2008 में मंडी समिति द्वारा बनाई गई थी जो कि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिससे आवागमन में बहुत कठिनाई होती है कृपया सड़क को बनवा दिया जाए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि नियमानुसार कार्यवाही करें। फूलन देवी पत्नी मानसिंह राजपूत निवासी रामलीला रोड राजपूत कॉलोनी इटावा ने प्रार्थना पत्र देते हुए अवगत कराया है कि ग्राम सभा बहादुरपुर ऊंचा में हमारे तीन प्लांट हैं जिसका बैनामा हमारे नाम है जिस पर ग्राम के विपक्षी रविंद्र पुत्र स्वर्गीय राजबहादुर व मुला राजपूत पुत्र बालदास जवरिया घूरा डाल रहे हैं जिनको मेरे द्वारा रोका गया तो गाली गलौज करने लगे। निवेदन है कि आरोपियों को घूरा डालने से रोका जाए जिससे प्रार्थिनी प्लांट पर निर्माण कार्य करा सके। जिस पर जिलाधिकारी ने उक्त प्रकरण को मिशन समाधान दिवस में पंजीकृत करते हुए उप जिलाधिकारी अजीतमल को निर्देश दिए कि इसका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें।

राजकुमार पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी मौहारी ने अवगत कराया है कि प्रार्थी ने अपने कृषि भूमि की सिंचाई हेतु सबमर्सिबल लगवाई थी जिसका कनेक्शन हो गया है परंतु विपक्षीगण राजेश कुमार पुत्र मुलायम सिंह व रमाकांत पुत्र सोबरन सिंह निवासी मौहारी एक पोल स्थापित नहीं होने दे रहे हैं जिससे सबमर्सिबल चालू न होने के कारण प्रार्थी की फसल बर्बाद हो रही है कृपया विद्युत पोल लगवाने की कृपा करें जिससे सिंचाई हेतु सबमर्सिबल चालू की जा सके। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत औरैया को निर्देश दिए कि उक्त प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करें। इस अवसर पर तहसील अजीतमल में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 112 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 11 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने वाले राजस्व निरीक्षक व लेखपालों को प्रशस्ति पत्र तथा कुम्हारी कला के पट्टा आवंटन के तहत पट्टा धारक फूल कुंवर , राम देवी को पट्टा आवंटन स्वीकृत प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अजीतमल निखिल राजपूत, उप जिलाधिकारी न्यायिक अजीतमल , मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी सीपी सिंह, तहसीलदार अजीतमल अविनाश कुमार, नायब तहसीलदार, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमर सिंह सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

द्वादशी पर दुर्गा मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

अछल्दा (औरैया)। कस्बे के ब्लॉक रोड स्थित हरीगंज बाजार में शनिवार की दोपहर लगभग 4 बजे द्वादशी पर्व के अवसर पर दुर्गा मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कस्बेवासियों व श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

भक्तों ने मंदिर परिसर में भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया और आने-जाने वाले राहगीरों को भी प्रसाद वितरण किया। पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल छाया रहा।

इस अवसर पर मुकेश गुप्ता, सर्वेश यादव, नीतू हलवाई, अंकित पोरवाल, आर्यन गुप्ता, सुमित गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन में सहयोग करने वालों का नगरवासियों ने आभार व्यक्त किया।

(वाद निर्णय हेतु सम्मन)
(आदेश 5 नियम 1 व 5 दीवानी प्रक्रिया संहिता)
न्यायालय उपजिलाधिकारी न्यायिक हमीरपुर, जिला- हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)
वाद संख्या 3541 सन् 2025
धारा 24 उ0प्र0 राजस्व संहिता मौजा-टिकरौली
मैय्या दीन बनाम लल्लू आदि
बनाम

1-देवपाल 2-रामलाल पुत्र गण मनबोधन, 3- कृष्ण कुमार पुत्र चन्द्रपाल, 4- महरनियां बेवा चन्द्रपाल समस्त निवासी गण ग्राम टिकरौली परगना सुमेरपुर तहसील व जिला हमीरपुर उ0प्र0 **-प्रतिवादीगण**

स्पष्ट हो कि आपके नाम याचिका दायर की गयी है। अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 09-10-2025 ई0 को निर्देशित स्थान पर स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा उस अधिवक्ता के माध्यम से जो वाद की स्थिति में पूर्ण रूप से भिज्ञ हो एवं वाद से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रकरण की बावत आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर सके या जिसके साथ कोई और व्यक्ति हो जो इस निमित्त प्रश्नों का उत्तर दे सके, उपस्थित हों और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करे। और प्रत्येक स्थिति में उक्त दिनांक 09-10-2025 जो आपके उपस्थित होने के लिये निर्धारित की गयी है एवं वाद के अंतिम निर्णय हेतु भी प्रस्तावित है, आपके लिये अनिवार्य है कि उस दिन अपने समस्त गवाहों को जिनकी गवाही पर एवं एन समस्त दस्तावेजों के साथ जिन पर आप अपने प्रत्युत्तर के समर्थन में अभिवाक करना चाहते हैं, उसी दिन प्रस्तुत करें।

और आपको सुचित किया जाता है कि यदि उक्त दिनांक 09-10-2025 ई0 को आप उपस्थित न होंगे तो आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवाई और उस पर निर्णय कर दिया जायेगा।

मेरे व्यक्तिगत हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर के साथ आज दिनांक 03-10-2025 ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से
पेशकार
उपजिलाधिकारी न्यायिक हमीरपुर, जिला-हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)

न्यूज ब्रीफ

एक महिला सहित तीन पर मुकदमा दर्ज

मौदहा (हमीरपुर)। ग्राम समाज की जमीन पर कूड़ा डालने के विवाद में एक महिला को तीन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मांचा निवासी आसिया बानो पत्नी कुद्दूस अली ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते दिन वह ग्राम समाज की खाली पड़ी जमीन पर कूड़ा डालने गई थी। जिसको लेकर गांव की भजिया पत्नी साबिर अली, साबिर अली और उसके पुत्र किस्मत अली ने उसे डंडे से मारकर घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिक्शा चालक को घर बुलाकर पीटा

मौदहा (हमीरपुर)। मोहल्ले के लोगों ने गरीब रिक्शा चालक को घर बुलाकर बेरहमी से पीट दिया। जिसका इलाज किया जा रहा है। वहीं पीड़ित की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बे के मोहल्ला फत्तू बाबा निवासी हिना बानो पत्नी जाकिर ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया वह गरीब परिवार से है और उसका पति रिक्शा चलाकर परिवार चलाता है। बीते दो दिन मोहल्ले के मुन्ना पठान और टाल के पीछे के शहीद और बिल्ला आदि ने उसके पति को घर बुलाकर बेरहमी से मारा पीटा। जिससे उसका पति उठ नहीं पा रहा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला के ऊपर रिक्शा पलटा, गंभीर घायल

राठ (हमीरपुर)। उरई रोड स्थित थोक सब्जी मंडी में सब्जी की दुकान लगाए महिला के ऊपर स्लीपर बस की टक्कर से सड़क किनारे खड़ा ई रिक्शा पलट गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। कस्बे के जलालपुर रोड पठानपुरा मोहल्ला निवासी चीना (38) पत्नी बृजेश ने बताया कि वह छोटी सी सब्जी की दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करती है। शनिवार को वह उरई रोड स्थित थोक सब्जी मंडी में सब्जी खरीदने गई थी। तभी तेज रफ्तार स्लीपर बस ने सड़क किनारे खड़े ई रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे रिक्शा महिला के ऊपर पलट गया। महिला के सिर पर चोटें आईं हैं। जिसे कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

जेठ-जेठानी व भतीजे पर मारपीट का आरोप

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के छेड़ी बसायक गांव निवासी गुड्डों देवी पत्नी राजा बाबू यादव के बाहर चले जाने पर मौका को पाकर जेठ कैलाश बाबू ने अपनी पत्नी पुत्र के साथ उसके खेत में खड़ी तिल की फसल की कटाई कर तहस-नहस कर दिया है। महिला के वापस घर आने पर जानकारी हुई है खेत में फसल को तहस-नहस कटी पड़ी देखकर उलाहना देने पर जेठ ने अभद्रता कर मारपीट कर दी। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। महिला ने जेठ जेठानी व उसके पुत्र के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। एसआई पवन चौधरी ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है जांच कर कार्यवाही की जाएगी। महिला के पति ने मौदहा तहसील दिवस में भी जाकर शिकायत दी है।

आवास प्लस सर्वेक्षण की तिथि बढ़ी

हमीरपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 को ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नए लाभार्थी का डाटा कैप्चर करने के लिए समय सीमा 14 अक्टूबर तक बढ़ाए जाने के संबंध में अवगत कराया है। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक नवीन कुमार गुप्ता ने बताया कि यदि पात्र लाभार्थी किसी कारण से सर्वे में आने से छूट गए हों या सर्वे के समय घर पर उपलब्ध नहीं थे। मौजूदा समय में घर आ गए हैं ऐसे लाभार्थियों का सर्वे (डाटा कैप्चर) 14 अक्टूबर तक सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से सर्वेयर द्वारा किया जाएगा।

युवकों को पीटकर मोबाइल, नकदी छीनी

सुमेरपुर (हमीरपुर)। टेढ़ा निवासी अंकित यादव ने पुलिस को सौंपी तहरीर में आरोप लगाया कि वह 3 अक्टूबर को गांव निवासी अंकित प्रजापति एवं जितेंद्र यादव के साथ मूर्ति विसर्जन का सामान लेने बाइक से कस्बे आ रहा था। तभी पीयूष ठाकुर, देवचंद्र निवासी पंधरी, अर्पित, प्राशू परमार पचखुरा आदि ने रोककर मारपीट की।

भजन कीर्तन करते कलाकार। अमृत विचार

भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

सुमेरपुर(हमीरपुर)। विजयदशमी पर्व के अगले दिन भी विदोखर के राहुल देव मंदिर में वैश्य (क्षत्रिय) समाज की ओर से दशहरा मिलन कार्यक्रम का आयोजन करके पूर्वजों द्वारा डाली गई परंपरा का निर्वहन किया गया। इस दौरान रात में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

वैश्य क्षत्रिय एवं बगरी क्षत्रियों के मध्य दशहरा के दिन हुए भीषण नरसंहार के बाद सैकड़ों वर्ष पूर्व वैश्य क्षत्रिय ने बगरी क्षत्रियों पर विजय पाने के बाद राहुल देव की समाधि पर विजय उत्सव मनाने की परंपरा ईजाद की थी तब यह जश्न वृहद रूप से बनाया जाता था। नौटंकी आदि कार्यक्रम होते थे और गांव के गरीबों के मध्य धन लुटाया जाता था।

शुक्रवार को परंपरा के तहत राहुल देव की समाधि का रंग रोगन करके चकाचक बनाया गया और रात में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान दृग विजय सिंह, मानसिंह, कल्याण सिंह आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रधान ने युवक पर लगाया नाली अवरुद्ध करने का आरोप

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थानाक्षेत्र के बरेल गांव निवासी ग्राम प्रधान ने गांव के एक युवक पर आरसीसी सड़क की नाली को अवरुद्ध करने का आरोप लगाया है।

बरेल गांव के निवासी ग्राम प्रधान दिनेश प्रताप सिंह पुत्र रामगोपाल ने तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में लिखित शिकायती पत्र देकर बताया कि उन्होंने नई आरसीसी सड़क का निर्माण करा कर एवं नाली बनवाकर कीचड़ युक्त रास्ता को साफ किया था। बताया कि गांव के एक दबंग व्यक्ति ने उक्त नवनिर्मित आरसीसी सड़क की नाली को अवरुद्ध करके बंद कर दिया है तथा विरोध करने पर वह झगड़ा करने के लिए आमादा हो जाता है। समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर नाली को खुलवाए जाने की मांग की है।

दीपावली से पूर्व जर्जर विद्युत तारों और पोलों को बदलें

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- मंडलायुक्त, पुलिस उपमहानिरीक्षक ने सुनीं समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

अमृत विचार। मंडलायुक्त अजीत कुमार एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस ने आयोजित तहसील दिवस में प्रतिभाग किया। इसमें बड़ी संख्या में आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर तत्काल प्रभाव से निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पीसीएफ खाद वितरण केंद्र का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

आयुक्त ने राजस्व विभाग से संबंधित भूमि विवाद प्रकरणों में स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जिससे आमजन को शीघ्र राहत प्राप्त हो। उन्होंने विकास कार्यों से संबंधित अधिकारियों को से कहा कि आगामी दीपावली त्योहार से पूर्व क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ बनाया जाए। जर्जर खंभों एवं तारों की मरम्मत की जाए, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई एवं चिकित्सा सुविधाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को विशेष प्रयास करें, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने एवं प्रशिक्षण/रोजगारपरक गतिविधियों का विस्तार करने का भी निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पीसीएफ खाद वितरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। सीएचसी के निरीक्षण में डॉक्टर ड्यूटी पर उपस्थित पाए गए। पूर्व में पाई गई कमियों की तुलना में सुधार मिला, किन्तु प्रवेश द्वार पर घास व गंदगी मिली। केंद्र में नियमित साफ-सफाई, पेयजल, दवाओं की उपलब्धता, सीसीटीवी की कार्यशीलता सुनिश्चित करने को कहा। कहा किसी भी दवा को बाहर से न मंगवाया जाए। डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर सार्वजनिक स्थान पर मोबाइल नंबर सहित प्रदर्शित किया जाए। खाद वितरण केंद्र पीसीएफ प्रभारी रमाशंकर ने कहा पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की ओवर रेटिंग, कालाबाजारी अथवा टैगिंग जैसी शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लायी जाएगी।

तहसील दिवस में शिकायतें सुनते मंडलायुक्त व पुलिस उपमहानिरीक्षक। अमृत विचार

पानी की समस्या पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

समाधान दिवस में मंडलायुक्त से शिकायत करने पहुंचे लोग

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। पानी की समस्या क्षेत्र की बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। इसी समस्या के चलते विकासखंड क्षेत्र के रीवन गांव के सैकड़ों लोगों ने तहसील समाधान दिवस में पहुंच कर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी की उपस्थिति में मंडल आयुक्त को शिकायती पत्र देकर समस्या का तत्काल निदान कराने की मांग की। ग्रामीणों ने सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी समस्या समाधान जल्द नहीं हुआ तो वह लोग आंदोलन करेंगे।

शनिवार को तहसील के समाधान दिवस नें रीवन गांव के सैकड़ों लोगों ने तहसील पहुंच कर पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की उपस्थिति में मंडल आयुक्त को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव में 45 दिनों से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई हैं। ग्रामीणों द्वारा अनेकों बार सभी अधिकारियों को अपनी समस्या के विषय में अवगत करा चुके हैं। फिर भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है, ग्रामीणों ने कहा कि जिस तरह 35 वर्षों से उनके गांव में जलापूर्ति की जा रही थी। उसी तरह फिर पानी भेजा जाए। ग्रामीणों ने अंत में समस्त अधिकारियों को चेतावनी भी दी कि अगर जल्द से पानी की आपूर्ति नहीं की गई तो वह लोग वृहद रूप से आंदोलन करेंगे। वहीं मंडलायुक्त और जिलाधिकारी ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की बात कही हैं।

पानी की समस्या को लेकर तहसील दिवस में प्रदर्शन करते रीवन के ग्रामीण।

खाद को लेकर किसानों ने काटा हंगामा

बिवांर (हमीरपुर)। भुजपुर रूरीपारा समिति में खाद पानी के लिए किसानों ने कर्मियों के साथ अभद्रता करते हुए हंगामा किया। बाद में पुलिस बुलाकर खाद का वितरण शुरू कराया। कस्बे में भुजपुर रूरी पारा सहकारी समिति संचालित है, जिसमें पारा, बजेहटा, अछपुरा, बहदीना, टीकापुर गांव सहित आधा दर्जन गांवों के किसानों को खाद दी जाती है। खाद पाने के लिए किसान समिति के भरोसे पर बना रहता है। शनिवार को खाद वितरित किए जाने की जानकारी होने पर समिति में किसानों का जमावड़ा लग गया। आधार कार्ड के साथ पासबुक को किसानों से जमा कर लाइन में खाद वितरित किए जाने का कार्य चालू किया गया। तभी कुछ किसानों को बिना नंबर के खाद दिए जाने का आरोप लगाते हुए किसानों ने अभद्रता कर हंगामा शुरू कर दिया। जिससे समिति में अफरा तफरी का माहौल हो गया। जिससे कर्मियों ने खाद वितरण का कार्य बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस को बुलाना पड़ा। एसआई अंकित बैसला ने कांस्टेबल के साथ मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे किसानों को समझकर लाइन में खड़ा कर खाद का वितरण शुरू कराया। सचिव रामफल यादव ने बताया कि किसानों के हंगामा मचाने पर पुलिस को बुलाना पड़ा। बाद में खाद बांटी गई।

खाद लेने के लिए समिति में लगी किसानों की भीड़। अमृत विचार

5 से 31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। शासन के निर्देशानुसार संचारी रोग नियंत्रण अभियान 5 से 31 अक्टूबर एवं दस्तक अभियान 11 से 31 अक्टूबर तक संचालित होगा। इससे दिमागी बुखार एवं मियादी बुखार के प्रभाव से बचा जा सके। घरों एवं खेतों में पाये जाने वाले चूहा एवं छछूंदर को भी वाहक के रूप में जिम्मेदार पाया गया है, जिसके नियंत्रण के लिए कृषि विभाग द्वारा अपने समस्त क्षेत्रीय कर्मचारियों के माध्यम से चूहा एवं छछूंदर से जनित रोग स्काय टाइफस एवं लेप्टोस्पायरोसिस से बचाव की जानकारी कृषकों को दी जा रही है।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया कि चूहा नियंत्रण रसायनों का प्रयोग करते समय हाथों में दस्ताने पहनें। रसायनों को बच्चों की पहुंच से दूर रखे। मरे हुए चूहों को सावधानी पूर्वक घर से बाहर मिट्टी में दवा दें। घर के आस-पास अनावश्यक जलभराव न होने दें। घर के आस-पास साफ-सफाई रखें। पीने के पानी को स्वच्छ रखें। पीने के पानी को उबाल कर पियें। पानी की टंकी को सही तरह से ढककर रखे। मच्छरदानी का प्रयोग करें। अपने आस-पास गमला, कूलर, टायर आदि में पानी नहीं भरने देना चाहिए। बताया कि कृषक फसल निगरानी एवं निदान प्रणाली पोर्टल में एसएमएस/व्हाट्सअप 9452247111 एवं 9452257111 के माध्यम से भी 24-48 घंटे के अंदर अपनी फसलों में लगने वाले कीट/रोग/व्याधि से निदान पा सकते हैं। भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल पेस्ट सर्विलांस सिस्टम (एनपीएसएस) ऐप को अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर जानकारी एवं निदान स्वयं पा सकते हैं।

दैमार पटाखा से तीन युवक झुलसे

सुमेरपुर (हमीरपुर)। देवी विसर्जन के दौरान दैमार पटाखा से जमकर हुई आतिशबाजी करते समय जेब में रखे दैमार फटने से अलग-अलग घटनाओं में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि आधा दर्जन से ज्यादा लोग मामूली रूप से चोटिल हो गए। एक युवक की हालत गंभीर होने पर कानपुर ले जाया गया है। शुक्रवार को देवी विसर्जन के दौरान कस्बे में जमकर दैमार पटाखा छुटाए गए। पुलिस इस दौरान मूकदर्शक बनी रही। इससे युवाओं के हौसले बुलंद रहे।

दैमार छुड़ाते समय ऊंछा थोक निवासी दिव्यांश तिवारी (15) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने दैमार शर्ट की ऊपरी जेब में रखे था। छूटाते समय यह भी अचानक फट जाने से यह गंभीर रूप से सीने के समीप जल गया। इसको गंभीर हालत में कानपुर ले जाया गया। इसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इसके अलावा कमलेश तिराहा निवासी गोलू एवं बड़ी पुलिया के समीप रहने वाला विष्णु बुरी तरह से झुलस गए। दोनों का निजी अस्पताल में उपचार कराया गया।

गौशाला पहुंचे लेखपाल को प्रधान ने बनाया बंधक

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- दोनों ने एक दूसरे पर आरोप लगाकर की शिकायत

अमृत विचार। ग्राम पंचायत मौहर में गौशाला की शिकायत की जांच करने गए लेखपाल को ग्राम प्रधान ने बगैर अनुमति के गौशाला में घुसने के विवाद पर बंधक बना लिया। लेखपाल ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जबकि प्रधान ने तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मौहर के लेखपाल छत्रपाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह 3 अक्टूबर को ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत पर गौशाला जांच के लिए शिकायतकर्ताओं के साथ वहां पहुंचे थे। इसी बीच चरवाहे की सूचना पर ग्राम प्रधान मौके पर आ धमके और लेखपाल से नाराजगी जाहिर करते हुए बगैर अनुमति के गौशाला में दाखिल होने पर आपत्ति जताते हुए गौशाला के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और गौशाला में बंधक बनाकर सरकारी काम में बाधा उत्पन्न की।

वहीं ग्राम प्रधान ने तहसील दिवस में शिकायत करके लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्राम प्रधान राममिलन निषाद का आरोप है कि लेखपाल विपक्षियों से सांठगांठ कर गांव में राजनीति करके पार्टी बंदी को बढ़ावा दे रहे हैं। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि उन्हें लेखपाल की कोई शिकायत नहीं मिली है। प्रधान ने समाधान दिवस में शिकायत दी है।

गौशाला में खड़े लेखपाल व सदस्य।

समाधान दिवस में पांच शिकायतों का हुआ निस्तारण

राठ (हमीरपुर)। तहसील परिसर में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में राठ तहसील क्षेत्र के तमाम फरियादियों ने विभिन्न मामलों में अपनी शिकायत दर्ज कराईं। जिनमें से अधिकतर शिकायतें पुलिस, राजस्व, अपराध व आवास आदि से संबंधित रहीं। वहीं संपूर्ण समाधान दिवस में कुछ फरियादियों ने बताया कि वह पहले भी कई बार सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें दर्ज करा चुके हैं। लेकिन अधिकारीगण फर्जी आख्या लगाकर शिकायत का गलत निस्तारण दिखा देते हैं। जबकि वास्तविकता में उनकी समस्या का कोई भी समाधान नहीं हो पाता है। वहीं शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में दर्ज हुई 32 शिकायतों में पांच शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण को कहा।

कुआं पूजन के दौरान हर्ष फायरिंग करने पर दरोगा ने दर्ज कराई रिपोर्ट

राठ (हमीरपुर)। कुआं पूजन में लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग करने पर कोतवाली के दरोगा ने लाइसेंसी धारक के विरुद्ध कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एसआई राजबहादुर पटेल ने बताया कि गुरुवार को दशहरा पर्व पर मूर्ति विसर्जन में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी में अम्बेडकर चौराहा था। बताया कि 28 सितंबर की रात पियुष राजपूत पुत्र राजेन्द्र राजपूत निवासी पठानपुरा के यहां कुआं पूजन कार्यक्रम चल रहा था। तभी उक्त कार्यक्रम में देवेंद्र राजपूत पुत्र नृपत राजपूत निवासी बौखर थाना जरिया ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायर किया गया। जब सूचना मिली तो मौके पर जांच पड़ताल के लिए गए। कोतवाल अमित कुमार ने बताया कि दरोगा ने लाइसेंसी धारक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

उधार गुटखा नहीं देने पर दलित परिवार के साथ की मारपीट

मौदहा(हमीरपुर)। घर में रखी दुकान से किशोरी द्वारा उधार गुटखा नहीं देने से नाराज दबंगों ने दलित परिवार के साथ मारपीट की। जिस पर पुलिस ने मारपीट सहित दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम बंडा निवासी हरदेव पुत्र मुन्ना अनुरागी ने थाना में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीती शाम वह पूजापाठ कर रहा था और घर में रखी दूकान पर उसकी नाबालिग लड़की प्रीति बैठी हुई थी। तभी गांव के माधव उर्फ़ अर्जुन, अंशु, जगभान और रामलखन आए और उधार गुटखा मांगने लगे। जिसे उसकी लड़की ने देने से मना कर दिया तो उक्त सभी लोग आक्रोशित होकर गाली गलौज और जाति शूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट करने लगे। पुलिस ने मारपीट और दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

चार लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के कुतुबपुर के मजरा बहमनपुर गांव में दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। पीड़ित महिला ने चार लोगों के खिलाफ थाने में मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्र के बहमनपुर गांव निवासी अनामिका पत्नी चरण सिंह ने थाने में दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की दोपहर 1 बजे भतीजा रोहित सिंह दरवाजे के बाहर बैठा था। तभी गांव का कपिल पुत्र कृष्णा आकर अकारण गाली गलौज करने लगा। वहीं शोर सुनकर उसके भाई अनिल, संतराम, संतोष एक राय होकर हाथ में डंडा लेकर आ गए और रोहित के सिर पर वार कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर अचेत अवस्था में गिर गया। वहीं बीच बचाव करने पर मुझे और जेठ अमर सिंह के साथ भी मारपीट करने लगा। शोर सुनकर लोगों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने चारों भाइयों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया दर्द | जल शक्ति राज्यमंत्री का हुआ स्वागत, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

मंत्री से इंगोहटा को नगर पंचायत बनाने की मांग

जल शक्ति मंत्री को ज्ञापन देते इंगोहटा के ग्रामीण। अमृत विचार

सुमेरपुर (हमीरपुर)। क्षेत्र के इंगोहटा के ग्रामीणों ने बस स्टैंड पर जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद का भव्य स्वागत कर नगर विकास मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने इंगोहटा को नगर पंचायत बनाने सहित क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं।

मंत्री को दिए ज्ञापन में बताया कि ग्राम इंगोहटा जनपद का सबसे बड़ी आबादी वाला गांव है। यहां जेके सीमेंट जैसे बड़े उद्योग भी संचालित हैं। इसके बावजूद गांव को शहरी सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है। ज्ञापन में इंगोहटा को ग्राम पंचायत से नगर पंचायत का दर्जा दिलाने, इंगोहटा बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक लगभग 700 मीटर लंबी सड़क की तत्काल मरम्मत कराए जाने, साप्ताहिक बाजार स्थल पर इंटरलॉकिंग फर्श एवं बिजली व्यवस्था कराए जाने तथा भरुआ सुमेरपुर रेलवे स्टेशन को खाद रैक प्वाइंट के रूप में विकसित करने की मांग की गई है। ताकि किसानों को खाद आपूर्ति में हो रही समस्या से राहत मिल सके। इसके साथ इंगोहटा रेलवे स्टेशन से रागौल स्टेशन के बीच बन रहे अंडर ब्रिज की जगह ओवर ब्रिज बनाए जाने और रेलवे स्टेशन में भवन और प्लेटफार्म बनवाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में मोहनलाल साहू, भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष योगेन्द्र दीक्षित, रामचंद्र शर्मा, गुरु प्रताप सिंह, मनोज पालीवाल, शैलेश तिवारी, रोशनी साहू, संजय शुक्ला, राधेश्याम कुशवाहा, श्यामलाल, परशुराम कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

कोचिंग पढ़ने के लिए निकला छात्र लापता

सरीला(हमीरपुर)। जरिया थाना क्षेत्र के चंडौत गांव निवासी हरिमोहन तिवारी का 15 साल का बेटा गजराज शुक्रवार से लापता हो गया। गजराज शुक्रवार दोपहर को घर से गाँव में ही कोचिंग के लिए निकला था। देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने चंडौत चौकी में शिकायती पत्र देकर बताया कि शुक्रवार दोपहर को घर से गांव में ही कोचिंग के लिए निकला था। लेकिन वह अपने दोस्तों को बताकर गया था कि वह मॉडल पेपर लेने सरीला जा रहा है। हालांकि सरीला जाने की जानकारी परिजनों को नहीं थी। जब देर शाम जब उनका लड़का घर नही पहुंचा तो आसपास के लोगों एवं रिश्तेदारों से संपर्क किया। लेकिन खबर लिखे जाने तक सुराग नहीं लगा।

बेटियों को सिलाई मशीन देते व्यापार मंडल के पदाधिकारी। अमृत विचार

बेटियों को ट्रस्ट ने बांटी सिलाई मशीन

राठ (हमीरपुर)। स्व. सुनीता गुप्ता मैमोरियल ट्रस्ट एवं उप्र युवा उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गरीब बच्चों और मेधावियों को सिलाई मशीन, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

शनिवार को कस्बे के उत्सव पैलेस में स्व. सुनीता गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट एवं युवा उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद बेटियों को सिलाई मशीन वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, उप्र उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना से की। कहा कि ऐसे कार्यक्रम जरूरतमंदों को आत्मनिर्भर बनाते हैं। इस दौरान पहल, खुशबू, सुभालती, रचना, हिमांशी, प्रतीक्षा, अंजलि, माला, स्नेहा, सोनम, संध्या, पूजा, उर्मिला, डिम्पी समेत करीब 20 गरीब बेटियों को सिलाई मशीन दी गई। करीब आधा सैकड़ा से अधिक मेधावियों को स्मृतिचिंह और प्रमाण पत्र दिए।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

तमंचा सहित एक आरोपी गिरफ्तार

महोबा। थानाध्यक्ष चरखारी प्रवीण कुमार सिंह द्वारा गठित उप निरीक्षक चन्द्रशेखर सिंह मय हमराह उपनिरीक्षक विशाल बाजपेई के नेतृत्व में क्षेत्र का गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर अंकित यादव (25) पुत्र वीरेन्द्र यादव निवासी ग्राम टोलासोयम थाना चरखारी को एक तमंचा 315 बोर व 1 अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

254 महिलाओं, छात्राओं के बनाए लाइसेंस

महोबा। वीरभूमि राजकीय महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5 के तहत ड्राइविंग माय ड्रीम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग टीम ने महिलाओं, बालिकाओं को नि:शुल्क ड्राइविंग कोर्स के अलावा लाइसेंस बनावाए जाने के प्रति जानकारी देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर 254 छात्र छात्राओं व महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस भी बनाए गए साथ ही एआरटीओ ने ड्राइविंग के नियम व लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया से भी रुबरू कराया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी हर्षवर्धन नायक, महिला कल्याण विभाग हब की टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर प्रिया गुप्ता, जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता चौरसिया रुचि दीक्षित सहित कालेज के प्रवक्ता व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

स्कूल का ताला तोड़ मिड डे मिल का गेहूं चोरी

सरीला(हमीरपुर)। जरिया थानाक्षेत्र में गांव चंडौत के कन्या प्राथमिक विद्यालय में अज्ञात चोरों ने स्टोर रूम का ताला तोड़कर मिड-डे मिल के लिए रखी गेहूं की बोरियां उठा ले गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य रूप सिंह ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि शुक्रवार को विद्यालय समयोपरांत बच्चों की छुट्टी कर सभी ताले बंद करके घर चले गए थे। शनिवार को सुबह विद्यालय खोला गया तो मुख्य दरवाजे का ताला लगा था। लेकिन स्टोर रूम का ताला टूटा हुआ था। गेहूं की दो बोरी गायब थीं और फर्श में कुछ गेहूं बिखरा पड़े थे। थानाध्यक्ष जरिया मयंक चंदेल ने बताया कि चोरी की घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। मामले की जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

बाइक फिसलने से सिपाही घायल

कुरारा (हमीरपुर)। कुरारा थाने में तैनात सिपाही कौशल (32) पुत्र दाताराम बीते शुक्रवार की रात करीब 9 बजे कस्बा आ रहे थे। तभी हमीरपुर कालपी हाईवे पर कस्बे के पास बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिससे बाइक में सवार कौशल गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसको उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होता देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

कैम्प लगा योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया

हमीरपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रस्तावित कार्यक्रम में शनिवार को तहसील मौदहा में जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में तहसील दिवस में महिला कल्याण विभाग की ओर से स्टाल व कैम्प लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया। इस दौरान महिलाओं को कानूनों, पेंशन व कन्या सुमंगला, बाल सेवा योजना की जानकारी दी।

बैठक में छाया रहा किसानों की उपेक्षा किए जाने का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। भारतीय किसान संघ की बैठक में किसानों की अति वर्षा के चलते बुवाई न हो पाने और शासन द्वारा किसानों की उपेक्षा किए जाने सहित तमाम समस्याओं का मुद्दा छाया रहा। पूर्व जिलाध्यक्ष के आवास पर हुई बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने किसानों के साथ जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा।

बैठक में जिलाध्यक्ष शिवरतन सिंह ने कहा कि किसान सहकारिता ऋण नहीं पूरा नहीं कर पा रहा है साथ ही सहकारिता का बीमा भी किसानों को नहीं दिया जा रहा है, जिससे किसान बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। कहा कि पिछले तीन माह से हो रही अति बारिश के चलते खरीफ फसल की बुवाई न हो पाने के कारण 80 फीसदी किसान फसल से वंचित हो गए हैं तथा शेष किसान भी अपनी बोई फसल को अन्ना पशुओं से बचाने के लिए रात दिन परेशान हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी दीक्षित ने कहा कि अति वर्षा से ग्रामीण क्षेत्र जल भराव और मकान गिर जाने व खेतों में पानी भर जाने ने उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई और परिवारों का भरण पोषण करने में असमर्थ हो गए हैं।

बैठक के बाद संघ ने उपजिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन सौंपा गया। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष भारत सिंह, चिंताहरण राजपूत, दीपू सिंह, राजकुमार राठौर, सिद्धगोपाल शिवहरे के अलावा मान सिंह रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में न बरतें लापरवाही

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। तहसील कुलपहाड़ में जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें डीएम व पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने समाधान दिवस पर आए फरियादियों की शिकायतों को सुना।

अधिकारियों द्वारा 59 फरियादियों की शिकायतें सुनकर 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर शेष शिकायतों को संबन्धित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ जांच कर निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण तथा संतुष्टि के आधार पर किया जाए। शिकायत का निस्तारण करने से पहले जांच टीम शिकायतकर्ता से जरूर बात करे और शिकायत निस्तारण से यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट नहीं है तो शिकायत को निस्तारित नहीं माना जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निपटान में लापरवाही न बरतें, इन शिकायतों के बारे में मुख्यमंत्री कार्यालय से फीडबैक लिया जाता है, इसलिए शासन के मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हर फरियादी की छोटी या बड़ी प्रत्येक समस्या को गम्भीरता से सुना जाए और कागज पर नहीं बल्कि धरातल पर शिकायतों का निस्तारण कर समय सीमा के अन्तर्गत ही उनका निराकरण भी सुनिश्चित किया। जिससे फरियादियों को इधर-उधर अपनी समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि निस्तारण की गई शिकायतों की जांच की जायेगी, यदि निस्तारण में फर्जीवाड़ा मिलता है तो निश्चित ही निस्तारण करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि लेखपाल जब अपने क्षेत्र के ग्रामों में जाएं तब डिग्गी पिटवाकर ग्रामीणों को सूचित करें और उनकी समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण करें।

कहा कि यदि कोई बड़ी समस्या है तो अपने उपजिलाधिकारी को अवगत कराएं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुखबीर सिंह, उपजिलाधिकारी कुलपहाड़ डॉ प्रदीप कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में शिकायतें सुनतीं जिलाधिकारी गजल भारद्वाज। अमृत विचार

सदर व चरखारी में अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं

महोबा। शनिवार को तहसील चरखारी में भी समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम ने की। उन्होंने फरियादी की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना और 27 शिकायतों में 01 का मौके पर निस्तारण किया। इसी प्रकार सदर तहसील में भी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर पंकज की अध्यक्षता एवं उपजिलाधिकारी शिवध्यान पांडे की उपस्थिति में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जहां पर 27 शिकायतों को सुनते हुए 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर शेष 22 शिकायतों को निष्पक्ष जांच करते हुए संबन्धित अधिकारियों को निस्तारण के लिए सौंपा गया।

ट्रेन से उतरते समय युवक का पैर फिसलने से थम गईं सांसें

सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर मृतक के परिजनों को दी सूचना

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। बेलाताल रेलवे स्टेशन के समीप एक समोसे बेचने वाले युवक की इंटरसिटी ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों को सूचना दी और शव का पंचनाम भर अग्रिम कार्रवाई शुरू की। मौत की सूचना मिलते ही युवक की पत्नी व बच्चे मौके पर पहुंचे और शव देखकर रोने पीटने लगे।

शहर के मोहल्ला बजरिया निवासी गोपाल (30) पुत्र जगन्नाथ ट्रेनों में समोसे की फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शनिवार को वह प्रतिदिन की तरह समोसे बेचने के लिए रेलवे स्टेशन महोबा से इंटरसिटी ट्रेन में चढ़ा और यात्रियों को समोसे बेचने लगा और बेलाताल रेलवे स्टेशन आने से पूर्व वह उतरने के लिए ट्रेन के दरवाजे पर खड़ा हो गया। जैसे ही ट्रेन की स्पीड कम हुई तो वह उतरने लगा तभी उसका पैर फिसल गया, जिससे काफी दूर तक खसीटता चला गया और अचानक ट्रेन के नीचे आ गया।

अस्पताल के बाहर मौजूद मृतक के परिजन व ग्रामीण। अमृत विचार

युवक के गिरते ही यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोका, लेकिन तब तक गोपाल की ट्रेन के नीचे आने से घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते रेलवे कर्मी और पुलिस पहुंची और युवक के शव को बेलाताल स्टेशन पर ले गई। जहां पर मृतक की शिनाख्त कर उसके परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। पहीं मोहल्ले वासियों का मृतक के घर सांत्वना देने के लिए भीड़ लगी हुई है। मौत के बाद रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है।

रामलीला में रामजन्म होते ही दर्शकों ने लगाए जय श्रीराम के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। नव रामलीला मंडल समिति श्रीनगर के तत्वावधान में किला के पास बने रामलीला मंच में शुक्रवार रात से कलाकारों ने रामलीला का मंचन आरम्भ किया। रामलीला मंचन 3 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 10 अक्टूबर को समाप्त होगी।

रामलीला कलाकारों ने प्रथम दिन धरती में रावण सहित अन्य राक्षसों से मुक्ति दिलाए जाने को लेकर देवताओं के भगवान विष्णु के पास पहुंचकर अग्रह करने और श्रीराम जन्म का मंचन किया। देर रात तक चले रामलीला मंचन को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ लगी रही और रामजन्म होते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

रामलीला में कलाकरों ने मंचन करते हुए दिखाया कि राक्षसों के आतंक से परेशान होकर सभी देवता ब्रह्माजी के पास जाते हैं, लेकिन वह सभी देवताओं को भगवान शंकर के पास ले जाते हैं, जहां पर शंकरजी कहते हैं कि इसका निदान तो सिर्फ भगवान विष्णु के पास है, जिस पर सभी देवतागण भगवान विष्णु से रावण सहित सभी राक्षसों के आतंक से मुक्ति के लिए निवेदन करते हैं। इस पर भगवान विष्णु आश्वासन देते हैं और कहते हैं कि वह शीघ्र ही धरती लोक में राजा दशरथ के घर जन्म लेंगे। उधर संतान न होने पर राजा दशरथ ने कुलगुरु वशिष्ठ से अपनी मन की बात कही। इस पर यज्ञ कराया गया तब अग्नि देव प्रकट हुए और खीर रानियों को खिलाने को दी। कुछ दिनों बाद राम के जन्म होते ही सभी खुश होकर लोग गाने लगे। भए प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी...। इसके बाद भरत, लक्ष्मण और शत्रुघन का जन्म, चारों का नामकरण संस्कार करते हैं। रामलीला देखने को हुजूम उमड़ा।

रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

- श्रीनगर में रामलीला मंच में कलाकार कर रहे मंचन

विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत नामांकन हो

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्र छात्राओं का शत-प्रतिशत नामांकन, मिशन शक्ति के अंतर्गत बालिका शिक्षा, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, बच्चों की दैनिक उपस्थिति में सुधार, ड्राप आउट दर को कम करने एवं बच्चों को प्रतिदिन नियमित विद्यालय भेजने के लिए अभिभावक अध्यापक बैठक का आयोजन विद्यालय स्तर पर किया गया।

विद्यालय स्तर पर आयोजित की जाने वाली अभिभावक अध्यापक बैठक में मुख्यतः बालकों के स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए जागरूकता, बच्चों के नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव के सम्बन्ध में चर्चा, डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये की धनराशि अभिभावकों द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए निर्धारित सामग्री क्रय किये जाने की स्थिति, निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता, ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए शारदा कार्यक्रम (स्कूल हर दिन आएं) एवं दिव्यांग बच्चों के लिए समर्थ कार्यक्रम पर चर्चा और विद्यालय प्रबन्ध समिति पर चर्चा की गई।

अभिभावक अध्यापक बैठक के अंतर्गत विकासखण्ड जैतपुर के इंग्लिश मीडियम विद्यालय जैतपुर, प्राथमिक विद्यालय जैतपुर पश्चिम, विकासखण्ड कबरई के प्राथमिक विद्यालय डढ़हतमाफ, बरीपुरा, प्राथमिक विद्यालय कालीपहाड़ी, विकासखण्ड चरखारी के उच्च प्राथमिक विद्यालय बसौठ, उच्च प्राथमिक विद्यालय अकठौहा, उच्च प्राथमिक विद्यालय बम्हौरीकलों सहित जिले के लगभग 300 विद्यालयो मे अभिभावक अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया।

114 बच्चों का जांचा स्वास्थ्य

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय हरिजन बस्ती व आंगनबाड़ी अजनर में नारी सशक्त परिवार पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 114 बच्चों का डाक्टरों ने चिकित्सीय परीक्षण करते हुए निःशुल्क दवाएं दी।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार पखवाड़े के अंतर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आशाराम के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अम्बुज गुप्ता तथा सीएचसी जैतपुर अधीक्षक डॉ. पवन सिंह राजपूत की देखरेख में हरिजन बस्ती के प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी में शिविर का आयोजन किया गया। प्राथमिक विद्यालय में 69 और आँगनबाड़ी केंद्र में 45 बच्चों समेत कुल 114 बच्चों का टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर की जानकारी मिलते ही अभिभावक अपने अपने बच्चों को साथ लेकर परीक्षण स्थल पर पहुंचे और उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया। डाक्टरों ने भी एक एक बच्चे का संतुष्ट तरीके से उनकी समस्याओं की जानकारी करते हुए जांच कर उन्हें दवा व सुझाव दिए।

चिकित्सा शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करती टीम।

स्वास्थ्य टीम के विशेषज्ञ डॉ. पीएन शर्मा ने बच्चों व अभिभावकों को एनीमिया के लक्षण के जानकारी देते हुए बताया कि एनीमिया तब होता है जब शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं का स्तर कम हो जाता है। इसके लक्षणों में थकान, कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। ये हल्के या गंभीर हो सकते हैं। इस बीमारी के लक्षण होने पर तत्काल डाक्टर से उपचार कराकर सलाह ले और समय पर पोषक आहार व आयरनयुक्त भोजन से इस बीमारी को रोका जा सकता है। उन्होंने मौसमी बुखार व जुकाम से बचाव के लिए साफ सफाई व सतर्कता बरतने की भी सलाह दी। इस अवसर पर डॉ. अमित गंगेले, संगिता, प्रधानाचार्य पुरुषोत्तम त्रिपाठी तथा आँगनबाड़ी कार्यकत्री क्रांति देवी सहित स्वास्थ्य टीम के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

समाजसेवियों, व्यापारियों को किया गया सम्मानित

कुलपहाड़। नगर के एक पैलेस में दशहरा मिलन एवं सम्मान समारोह हुआ। इसमें जिले के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले समाजसेवियों, बुद्धजीवियों, पत्रकारों एवं व्यापारियों का शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में समाजसेवी एवं भाजपा नेता सुलभ सक्सेना मुख्य अतिथि रहे।

कार्यक्रम के आयोजक दिलीप सिंह यादव ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने एवं नगर क्षेत्र के विकास में अपना योगदान करने वाले लोगों का सम्मान देना चाहिए। इसीलिए नगर के एक पैलेस में दशहरा मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, इसमें नगर के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले समाजसेवियों, बुद्धजीवियों, पत्रकारों, चिकित्सकों, व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं एवं राजनीतिक व्यक्तियों को दशहरा की शुभकामनाओं के साथ शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित द्विवेदी एवं अपर्णा नायक ने किया।

मुख्य अतिथि समाजसेवी सुलभ सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी अमित मिश्रा, एमएलसी जीतेन्द्र सिंह सेंगर, जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा कमलेश सक्सेना, डीएफओ महोबा, शिवकुमार गोस्वामी, नीलम यादव, मारुति साहू, कंचन राजपूत उरई, राहुल यादव बबीना, चन्द्रवती राजपूत राठ, अपर्णा नायक, पूर्व प्रधानाचार्य लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, पूर्व प्रवक्ता राधेलाल यादव, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। आयोजक दिलीप यादव ने सभी को दशहरा का पान खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम | नारी शक्ति गौरव उत्सव में बोलीं – राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी

'ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम'

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। अनुरागिनी संस्था के तत्वावधान में प्रशासन के सहयोग से ब्लॉक सभागार कबरई में नारी शक्ति गौरव उत्सव का शनिवार को आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री चारु चौधरी ने कहा कि ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम है। यदि महिला स्वावलंबी बनती है तो पूरा परिवार और समाज सशक्त होता है।

संस्था के अध्यक्ष प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि संस्था पिछले 28 वर्षों से महिला शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और आजीविका के क्षेत्र में कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि देश की हर महिला आत्मनिर्भर बने और समाज में अपनी अलग पहचान बनाए। अतिरिक्त उप जिलाधिकारी सल्तनत परवीन ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना सतत विकास संभव नहीं है। हमें महिलाओं को हर स्तर पर अवसर देना होगा। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उपायुक्त अशोक कुमार ने कहा कि महिला समूह आज ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। स्वयं सहायता समूह न केवल आजीविका के साधन उपलब्ध करा रहे हैं बल्कि सामाजिक बदलाव और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला भी बन रहे हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से गहरा ग्राम की चित्रा और कुमरोड़ा ग्राम की संध्या को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं मुख्य अतिथि प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी। अमृत विचार

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष विभा पुरवार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए जन कल्याण योजनाएं शुरू की है। बताया जिला प्रोबेशन अधिकारी नायक हर्षवर्धन ने महिला कल्याण विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। महिला पुलिस उप निरीक्षक शिवानी प्रजापति ने महिला मिशन शक्ति की जानकारी देते हुए टोल-फ्री नंबर की जानकारी समूह के सदस्यों को दी। कार्यक्रम संयोजक दीपेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि यह उत्सव महिलाओं को नई प्रेरणा देने वाला है और आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श प्रस्तुत करेगा। इस मौके पर शिखा श्रीवास्तव, वंदना गुप्ता उपेन्द्र सिंह राजावत, प्रशांत कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शतरंज स्पर्धा में 136 खिलाड़ियों ने लिया भाग, विजेता तीसरे राउंड में

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। नगर के जनतंत्र इंटर कॉलेज में अंडर-14 व 17 आयु वर्ग की इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 136 शतरंज खिलाड़ियों ने अपने खेल से सबका मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रथम दिन दो राउंड हुए। अंडर 14 और 17 में आरबीपीएस के प्रतिभागियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखते हुए जीत दर्ज की। वहीं एमआईपीए, सेंट जोसेफ एकेडमी और जनतंत्र इंटर कालेज के कुछ प्रतिभागियों ने भी जीत हासिल कर अगले राउंड में प्रवेश किया।

जिला शतरंज संघ एवं जनतंत्र इंटर कालेज के तत्वावधान में आयोजित इंटर स्कूल शतरंज चैम्पियनशिप में अंडर-14 वर्ग में पहले राउंड में आरबीपीएस के ऋषभ, हिमेश, मोहन सिंह, वेदांत सोनी, श्रेयश गुप्ता, शिवम, कृतिका, युवान एवं सक्षम गुप्ता ने तेज चालों के दम पर पर अगले राउंड में प्रवेश किया। एमआईपीएस के आरव, सेंट जोसेफ एकेडमी के हर्ष, प्रतीक, शिवा, नावेद गिरिका तथा जनतंत्र इंटर कॉलेज के भुवनेश आदि ने अपने प्रतिद्वंदियों के खिलाफ शानदार गेम खेला। दूसरे राउंड में श्रेयश, सक्षम, युवान, शुभम, मोहन, वेदांत, नावेद, शिवा समेत 18 खिलाड़ियों ने पुनः बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की। अंडर-17 वर्ग के पहले राउंड में आरबीपीएस कुलपहाड़ के छात्रों का दबदबा रहा। अंश स्वर्णकार, मृगांक राजपूत, शोएब खान, निष्ठा सिंह, अंशिका पटेल, निखिल सेंगर, अर्पित मिश्रा, शिवम कुमार, समक्ष अग्रवाल, प्रसून, शिवांश खरे, शरद गुप्ता आदि ने विभिन्न विद्यालयों के तेजतर्रार खिलाड़ियों को मात दी। राउंड 2 के मुकाबलों में मृगांक, अर्पित, अंश, निखिल, शिवा , केश कुमार , समक्ष, अंतश, गजेंद्र, शरद, अरविंद, निकिता ने जीत दर्ज की।

शतरंज खेलते बच्चे। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

ग्रामोदय विवि ने मनाई गांधी जयंती

सीतापुर (चित्रकूट)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के गांधी उद्यान में बीते दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें याद किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. भरत मिश्रा और अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। बापू के प्रिय भजन भी गाए गए। संचालन ललित कुमार सिंह ने किया।

मुख्यालयों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

चित्रकूट। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में विपणन विकास सहायता योजना के अंतर्गत तहसीलों में जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। इनमें खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग की योजनाओं के साथ मुख्यमंत्री युवा विकास अभियान आदि की जानकारी दी जाएगी। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7408410773, 639265 7391 पर संपर्क कर सकते हैं।

शिल्पकारों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

चित्रकूट। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत माटीकला एवं माटी शिल्प कला के उद्यमियों/शिल्पियों को 15दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिलमें 15 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाना है। अभ्यर्थी इस संबंध में किसी भी कार्य दिवस में आवेदन सात अक्टूबर तक जमा कर सकते हैं।

कानून की जानकारी देकर किया जागरूक

कालपी जालौन। महेवा विकासखंड के ग्राम नूरपुर स्थित परिषदीय विद्यालय के परिसर में नायब तहसीलदार मुकेश कुमार की अध्यक्षता में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों को कानून की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। राजस्व विभाग तथा न्याय विभाग के तत्वावधान में आयोजित विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में कालपी के नायब तहसीलदार मुकेश कुमार ने जमीनों के दाखिल खारिज, बरासत तथा राजस्व विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के बारे में बताया। चुरखी थाने के उपनिरीक्षक ने महिला हेल्पलाइन, एम्बुलेंस सेवा 108, 102 समेत अन्य तमाम जानकारियां दीं। शिविर में क्षेत्रीय लेखपाल गीतेश कुमार, पीएलवी, कई विभागों के अधिकारी तथा आसपास गांव के ग्रामीण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को टैबलेट देकर पढ़ाई की दी प्रेरणा

रामनगर। संकटमोचन संस्कृत महाविद्यालय छीबों में शनिवार को छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। प्रबंधक संतोष कुमार पांडेय, प्राचार्य भानु प्रकाश गर्ग, शिक्षक प्रमोद कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे। इस दौरान प्रबंधक और शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट का उपयोग पढ़ाई-लिखाई में करने की प्रेरणा दी।

दिया जा रहा आत्मरक्षा प्रशिक्षण

चित्रकूट। मिशन शक्ति के तहत जिले में छात्राओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ट्रेनर श्यामसुंदर यादव ने बताया कि इसमें स्कूलों की सभी छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं हैं। इस प्रशिक्षण से बालिकाएं आत्मरक्षा के गुर सीखेंगी।

पुलिसकर्मी से मारपीट के आरोप में सात युवक गिरफ्तार किये गये

देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई थी घटना, नौ नामजद और 10 अज्ञात पर एफआईआर

पुलिस की गिरफ्त में मारपीट के आरोपी। अमृत विचार

संवाददाता, सीतापुर चित्रकूट

अमृत विचार। पुलिसकर्मी से मारपीट के आरोप में सात युवकों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में पुलिसकर्मी ने नौ लोगों पर नामजद और 10 अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शुक्रवार को देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान कोतवाली अंतर्गत खोही तालाब में वाहनों के आगे निकलने के विवाद में दो पक्ष भिड़ गए थे। पुलिस के अनुसार, शाम छह बजे रजौला भूपतपुर गांव के लोग प्रतिमा विसर्जन को पहुंचे थे। इसमें शामिल युवक रास्ते पर लेटकर डांस कर रहे थे। दूसरे गांव के लोगों की शोभायात्रा निकल नहीं पा रही थी। इन लोगों ने पहले पक्ष से कहा कि रास्ता दे दो । इस पर वे मारपीट करने लगे और इस दौरान एक युवक राहुल तिवारी के सिर पर गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गया। यह देख ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी आशीष कुमार ने हस्तक्षेप किया। इस पर आरोपियों अनुसुइया प्रसाद, अंकित, अनुराग, संजय, चंद्रपाल, शिवा, मनीष, मधुसूदन, ओमप्रकाश और अन्य दस लोगों ने गला दबाकर जमकर मारपीटा।

गंभीर धाराओं में दर्ज हुई रिपोर्ट

- आरोपियों पर ड्यूटी में बाधा डालने, गालीगलौज, हत्या का प्रयास जैसी गंभीर धाराओं में पुलिसकर्मी आशीष कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

अन्य पुलिसवालों ने सहकर्मी को बचाया

- पुलिस के मुताबिक, शोर सुनकर वहीं तैनात एसआई राजेश कुमार चौरसिया, आरक्षी अमर सिंह वहां पहुंचे और दो लोगों अनुसुइया प्रसाद पुत्र सुंदरलाल और शिवा पुत्र दिनेश कुमार निवासी रजौला चकभूपत को गिरफ्तार कर लिया।

पांच अन्य लोग और पकड़े गए

- कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को एसआई रमेश सिंह, राजेश कुमार चौरसिया ने मुखबिर की सूचना पर अन्य पांच आरोपियों संजय पुत्र लोटन, अंकित पुत्र रामभगन, मधुसूदन पुत्र भगन, चंद्रपाल और ओमप्रकाश पुत्र देशराज को रजौला गांव से गिरफ्तार किया। आरोपियों की गिरफ्तारी वाली टीम में आरक्षी अभिषेक प्रताप, अमर सिंह, सीमा पाल, शिवम मिश्रा, आशीष कुमार सिंह, रविंद्र कुमार, लल्लू शामिल रहे।

दबंग पड़ोसी नहीं भरने देता पानी

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

संपूर्ण समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनते उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव।

अमृत विचार। संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी फूलचंद यादव ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस मौके पर 52 लोगों ने शिकायती पत्र दिए। इनमें से पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। सबसे अधिक मामले जमीन के विवाद संबंधी थे। महुआगांव की एक महिला ने शिकायत की कि दबंग पड़ोसी उसे और कई अन्य लोगों को सरकारी हैंडपंप से पानी नहीं भरने देता है अगर वह लोग पानी भरने पहुंचते हैं तो गाली गलौज व मारपीट करता है।

ग्रामीण महिला कमला देवी ने बताया कि दबंग सरकारी नल से पानी नहीं भरने देते हैं। इस वजह से मोहल्ले में लोग पानी के लिए परेशान हैं। ये लोग विरोध करने पर गालीगलौज और मारपीट करते हैं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि वह मौके पर जाएं और हैंडपंप को अविलंब कब्जामुक्त कराया जाए। एसडीएम ने तहसीलदार भारत प्रताप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी राजकमल के साथ

- संपूर्ण समाधान दिवस में महिला ने लगाई गुहार

लोगों की दिक्कतें जानीं। समाधान दिवस में ग्रामीणों ने कब्जा, पैमाइश, बंटवारे और रजिस्ट्री से जुड़े कई विवादों को अधिकारियों के सामने रखा। उप जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें और मौके पर जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करें।

इस दौरान पुलिस से संबंधित शिकायतें भी सामने आईं, जिनमें पारिवारिक विवाद और स्थानीय स्तर के झगड़े शामिल थे। सीओ ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए तथा विवादों को बढ़ने से पहले सुलझाया जाए। बाकी मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए तय समय सीमा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने लोगों को भरोसा दिया कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। समाधान दिवस का उद्देश्य लोगों की दिक्कतों को स्थानीय स्तर पर दूर करना है कि उन्हें बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

बालश्रम बाहुल्य क्षेत्रों को चिह्नित किया जाए : सीडीओ

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

टास्क फोर्स की बैठक में निर्देश देतीं मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर।

अमृत विचार। दिसंबर 2026 तक चित्रकूट को बालश्रम मुक्त जनपद घोषित कराए जाने के लक्ष्य के संबंध में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए गठित जिला टास्क फोर्स की बैठक की। इसमें उन्होंने बाल श्रम बाहुल्य क्षेत्र को चिह्नित किए जाने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने बालश्रम वाले स्थलों में मिलने वाले किशोरों का विवरण अवगत कराने के निर्देश दिए। इससे उनके माता-पिता को पात्रता के अनुसार विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का फायदा दिया जाएगा। सीडीओ ने बताया कि चिह्नित बच्चों को कक्षाओं में प्रवेश कराया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव को चाइल्ड फ्रेंडली विलेज

- दिसंबर 26 तक जिले को बालश्रम मुक्त बनाने का लक्ष्य

घोषित कराने के लिए सचिवों/पंचायत सहायकों को नोडल अधिकारी बनाया जाए। समितियों की बैठक में बाल श्रम उन्मूलन पर चर्चा की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर ऐसा रजिस्टर तैयार किया जाए, जिसमें उससे संबंधित संभावित बाल श्रमिकों/किशोरों का विवरण रहे। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में चिह्नित 114 बाल श्रमिकों के अध्ययनरत होने की प्रभावी ट्रैकिंग कराने को निर्देशित किया। सहायक श्रमायुक्त ने इस दौरान बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) एवं संशोधित बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम की जानकारी दी। सीडीओ ने प्रत्येक दुकान और प्रतिष्ठान मे बालश्रम निषेध है, विषयक बोर्ड लगवाने के भी निर्देश दिए।

दूसरे दिन मिला रपटे से बहे किशोर का शव

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। भरतकूप थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवतपुर गांव में देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान रपटे में फिसलकर गिरे किशोर का शव गोताखोरों ने 18 घंटे बाद बरामद किया।

जानकारी के मुताबिक, अंकित पटेल (15) पुत्र अवधेश निवासी घुरेटनपुर शुक्रवार को गांव के अन्य लोगों के साथ भगवतपुर बाणगंगा नदी के रपटे में प्रतिमा विसर्जन को गया था। इस दौरान सभी नाच गा रहे थे। तभी रपटे पर अंकित संतुलन खो बैठा और रपटे में से नीचे गिर गया और तेज बहाव में बह गया। रात में तेज बहाव और अंधेरे की वजह से उसका पता नहीं चला था। सुबह फिर भरतकूप पुलिस ने एसडीआरएफ और ग्रामीणों की मदद से खोजबीन शुरू की। अपराह्न लगभग एक बजे किशोर के शव को बरामद किया गया। इस दौरान मौके पर अधिकारियों के अलावा सदर विधायक अनिल प्रधान, पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद रहे।

नदी के रपटे से बहे किशोर का पता लगाने में जुटी पुलिस। अमृत विचार

कार्यालय खंड विकास अधिकारी, भौतापुर, औरैया

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत भौतापुर में वर्ष 2025–26 में स्वीकृत कार्य करने हेतु निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य के प्रयोगार्थ सामग्री आपूर्ति के लिए मुहरबंद निविदा/टेंडर/ हेतु पंजीकृत फर्मो/सप्लायरों से 04–10–25 के समय दो बजे अपरान्ह तक आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन समय तीन बजे अपरान्ह ग्राम पंचायत कार्यालय भौतापुर में टेंडर समिति में निविदा खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र 1 तक किसी भी कार्य दिवस में दो बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय भौतापुर में निम्नांकित विवरण के अनुसार कालम संख्या – 6 पर निर्धारित धनराशि को अदायगी पर क्रय किये जा रहे हैं। निविदा प्रपत्र के साथ धरोहर धनराशि के रुप में राष्ट्रीय बचत पत्र/एफडी जो ग्राम पंचायत भौतापुर में बंधक जमा करनी होगी। विस्तृत जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से कार्य दिवस में जानकारी दी जा सकती है। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर शुल्क 100 के मूल्य का स्टांप पेपर सलंग्न करना अनिवार्य है। बिना कारण बताये किसी भी निविदा को आंतरिक अथवा पूर्ण रुप से स्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	ग्राम भौतापुर में साहूकार के प्लाट से महावीर के मकान तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	197285

1. नियम व शर्तो की पूर्ण जानकारी कार्यालय से टेण्डर क्रय करते समय प्राप्त कर लें,पूर्ण संतुष्ट होने पर ही टेण्डर डाले। 2. जमानत राशि की एफ0डी0 पृथक–पृथक तैयार करानी होगी, तथा अपूर्ण टेण्डर कदापि मान्य नहीं होंगे। 3. धनराशि की उपलब्धता के आधार पर सामग्री आपूर्ति हेतु आपूर्ति आदेश जारी किये जायेगे। 4. निर्माण कार्यों में प्रयोगार्थ निर्माण सामग्री/धनराशि घट अथवा बढ़ सकती है।

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत - भौतापुर।

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत - भौतापुर।

क्यूट बेबी प्रतियोगिता में अनविका अव्वल

संवाददाता उरई जालौन

ट्रॉफी व प्रमाण पत्र के साथ अनविका।

अमृत विचार। चाइड ड्रीम बूसटर हब द्वारा नेशनल क्यूट बेबी फोटो कॉनटेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद जालौन की अनविका पुष्पेन्द्र सिंह को देश में तीसरा स्थान एवं प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

शनिवार को नेशनल क्यूट बेबी फोटो कॉनटेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें जिले के हजारों नौनिहालों ने प्रतिभाग किया। आयोजित प्रतियोगिता में पहले नम्बर पर तमिलनाडू के ए. नेथन एवं दूसरे नम्बर पर झारखण्ड की अनाया गिरि रहीं। वहीं उत्तर प्रदेश के जालौन की अनविका पुष्पेन्द्र सिंह को देश में तीसरा स्थान और प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। अनविका पुष्पेन्द्र सिंह के पिता जनपद जालौन में ई-डीएम के पद पर तैनात है और माता भी जनपद में ही जिला कार्यक्रय प्रबन्धक के पद पर तैनात है। अनविका पुष्पेन्द्र सिंह के द्वारा जनपद जालौन का नाम गौरन्वित पर लोग माता पिता को बधाई व शुभकामनाएं दे रहे हैं।

मेधावियों को किया सम्मानित

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में प्रतिभाओं की कमी नही है। वह ग्राम सुरौधा में स्व. श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में ग्रामीण मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने इस दौरान मेधावियों को सम्मानित किया।

समारोह में कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं मं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न एवं ट्राफी दी गई। एसडीएम ने बच्चों को प्रेरणा दी कि मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के बल पर पहचान बना सकते हैं। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम स्व. श्याम लाल पाल (लेखपाल साहब) की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा, जिससे गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिभाओं को सम्मान देने की परंपरा आगे बढ़े। समारोह का संचालन जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शोध छात्र राकेश पाल आरके ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रफुल्ल चंद्र त्रिपाठी, पं. पुरुषोत्तम द्विवेदी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य दिनेश भार्गव समेत क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। ग्रामवासियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समारोह युवाओं में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे।

होनहार बच्चे को सम्मानित करते एसडीएम रामऋषि रमन।

- सुरौधा में ग्रामीण प्रतिभाओं को एसडीएम ने दिये प्रमाणपत्र व ट्राफी

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं अपने पुत्र शिवाशु राठौर के गलत चाल चलन एवं अभ्रद व्यवहार के कारण अपनी चल/अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **अशोक कुमार राठौर पुत्र स्व0 मनीराम राठौर , निवासी– ग्राम गौराहा पोस्ट मंधना बांगर बगदौधी कानपुर नगर**

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ILIYAS से बदलकर MOHD ILIYAS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-GULZAR ADD-MOHALLA AHATA HAKEEM JI SHAHABAD DEHAT DIST-HARDOI-2411249U.P)

सूचना

मैने अपना नाम GULSHAN NAZ से बदलकर GULSHAN NAAZ रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-MOHD ILIYAS ADD-MOHALLA AHATA HAKEEM JI SHAHABAD DEHAT DIST-HARDOI-241124 (U.P)

सूचना

मैं **बृजेश कुमार पुत्र शत्रोहन लाल, निवासी– ग्राम नारायन पुर मजरे गौरा गजनी पोस्ट शाहपुर भगौली परगना व तहसील फतेहपुर जिला बारांबकी** मैने अपने बड़े पुत्र जितेन्द्र कुमार उर्फ राहुल के गलत चाल–चलन के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। उपरोक्त द्वारा यदि कोई कृत्य, वाद–विवाद, लेन देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा किसी भी प्रकार का कोई लेना–देना नहीं है ना तो किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार ही रहेगा।

सूचना

पहले मेरा नाम MANZAR ABBAS था। अब मैने बदलकर अपना नाम MANZAR ABBAS RIZVI रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए पता – 463/59 हाता मिर्जा अली खान हुसैनाबाद थाना – ठाकुरगंज चौक लखनऊ– 226003

सूचना

मैं **गोमती देवी पत्नी संतोष कुमार निवासिनी ग्राम भूड़ा थाना गुरसहागंज जिला कन्नौज** मेरा पुत्र शिशिर कुमार जो कि अपराधिक किस्म का व्यक्ति है जिसका चाल चलन खराब हो गया वह आये दिन अनैतिक कृत्य करता रहता है काफी समझाने के बावजूद भी वह मेरी कोई बात मानने को तैयार नहीं है तथा आये दिन मारपीट व लड़ाई झगड़ा करके मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। इसलिये मैं अपने पुत्र शिशिर कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूँ। उक्त पुत्र शिशिर कुमार द्वारा जो भी अच्छा बुरा कृत्य किया जायेगा उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। जिससे मेरा व मेरे परिवार का कोई ताल्लुक व सम्बन्ध नहीं रहेगा।

सूचना

मेरे किसान विकास पत्र संख्या 9477–संख्या न.37CE796126 है जिसकी अविध पूर्ण है उसमें अंकित नाम शकुन्तला पत्नी चिनकन है जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम शुक्ला पत्नी चिनकन है शकुन्तला व शुक्ला यह दोनो नाम एक ही महिला का है यही दोनो नामो से जानी व पहचानी जाती है। **शुक्ला पत्नी चिनकन ग्राम गोल्हीपुर सादुल्लानगर उतरौला –बलरामपुर**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **शब्बीर अली पुत्र अल्ला बक्श ग्राम हसनपुर पर.तह. डलमऊ थाना लालगंज** का रहने वाला हूं। मेरे चार पुत्र मुमताज अली, सिरताज अली, मुस्ताक अहमद, मुस्ताक अली जो कि बालिग हैं। मेरे बड़े पुत्र मुमताज अली का चाल चलन ठीक नहीं है। मैं अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके कृत्यों व लेनदेन से मै और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र सुरेश कुमार व उसकी पत्नी कोमल से परेशाम हो गया हूं। पुत्र व बहू के चाल चलन की वजह से उन्हे अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके कृत्यों व लेनदेन से कोई सरोकार नहीं है। **जंग बहादुर पुत्र सुखलाल, निवासी– ग्राम/पोस्ट शांती खेड़ा, चहोतर, रायबरेली, मो. 9219633361**

समाधान दिवस उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील में हुआ आयोजन

बारिश से बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे की मांग

संवाददाता, कालपी जालौन

तहसील में फरियादियों की समस्याओं को सुनते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। शनिवार को उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर फरियादियों के द्वारा 19 शिकायतें प्रस्तुत की गईं। जिसमें सबसे अधिक राजस्व तथा पुलिस विभाग के मामले शामिल हैं।

तहसील सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह, एसडीएम तथा अन्य अधिकारियों के समक्ष लखन पुत्र सुखलाल निवासी मोहल्ला महमूदपुरा कालपी ने शिकायती पत्र प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया की प्रार्थी के घर की रशोई को पड़ोसी तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। सपा के नगर अध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि बारिश से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा दिलवाया जाये। बृजेश कुमार निवासी बबीना ने चकरोड बनाने की मांग की। मुजीब मोहम्मद चातेला ने शिकायती पत्र देते हुए कहा कि विपक्षी द्वारा आम रास्ता को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। लालता प्रसाद निवासी आटा प्रार्थी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों पर कार्रवाई की जाए। सरस्वती द्विवेदी निवासी मोहल्ला गणेशगंज कालपी ने विपक्षियों द्वारा मारपीट करने की शिकायत की।

उपजिलाधिकारी ने पिछले समाधान दिवस में आये प्रार्थना पत्रों के विभाग वार निस्तारण की समीक्षा की। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर के गुणवत्ता पूर्वक समाधान कराया जाए। उन्ळोंने कहा कि शिकायतकर्ता से उसका पक्ष जरूर पूछा जाये।

तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी, राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुवे, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला, विधुत विभाग के उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान, पूर्ति निरीक्षक सुशील कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी रंगनाथ चौधरी, जल संस्थान के अवर अभियंता वासित अली, स्टैनो सलीम खान, तहसील के प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, कालपी कोतवाली कालपी के उपनिरीक्षक प्रीतपाल सिंह के अलावा कदौरा, आटा तथा चुरखी के थानेदारों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमाण पत्र के साथ मौजूद छात्र-छात्राएं व शिक्षक। अमृत विचार

होनहार छात्रों को दिये प्रशस्तिपत्र और मेडल

संवाददाता, कालपी जालौन

अमृत विचार। शनिवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कालपी के परिसर में प्रधानाचार्य श्रवण कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में कौशल दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन किया गया। सभी मेधावियों को प्रशस्ति पत्र तथा मेडल दिये गये।

संस्थान के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आईटीआई द्वारा संचालित 13 व्यवसायों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 39 प्रशिक्षार्थियों का प्रशस्ति पत्र तथा मेडल देकर सम्मानित कर उत्साह वर्धन किया। संस्थान का गौरव बढ़ाने वाले चार प्रशिक्षार्थियों हिमांशु (व्यवसाय) सुमित कुमार व अयान एवं प्रतीक्षा सिंह को अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश हाथ कागज निर्माता समिति अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, कुलदीप शुक्ला, विनीत गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, आदि उद्यमियों ने संस्थान का गौरव बढ़ाने वाले प्रशिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

अमृत विचार

रविवार, 5 अक्टूबर 2025

क: काल: कानि मित्राणि को देश: कौ व्ययागमौ।
कश्चाहं का च मे शक्तिरिति चिन्त्यं मुहुर्मुहु: ॥

आचार्य चाणक्य कहते हैं, सही वक्त, सही दोस्त, सही ठिकाना, पैसे कमाने का सही जरिया, पैसे खर्च करने का सही तरीका और अपने ऊर्जा स्रोत पर गौर जरूर करें, भविष्य में यही काम आएंगे।

हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। संघ 100 साल का हो गया। दुनिया के कई देशों में संघ की शाखाएं हैं। विश्व के तमाम विचारक संघ कार्य पर शोध कर रहे हैं। सबके निष्कर्ष अलग-अलग हैं। किसी ने संघ में स्वयंसेवकों की लाठी देखी, कहा संघ और कुछ नहीं वस्तुतः लाठीधारी लोगों का खतरनाक संगठन है, तो किसी ने इसे भारतीय जनता पार्टी की शाखा बताया। अगले ने कहा यह, 'खुफिया संगठन' है। राज-समाज के लिए खतरनाक है। विश्व में किसी भी ध्येयसेवी संगठन पर फर्जी आरोप नहीं लगे। संघ प्रतिष्ठित रहा। संघ पर प्रतिबंध भी लगे। आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक गिरफ्तार हुए। उन्होंने दुख झेले, ध्येय से विचलित नहीं हुए। उनमें मैं भी एक हूं।

> शंकराचार्य का भाष्य है, 'जिस प्रकार एक छत्ता अनेक मधुकरों द्वारा तैयार किया जाता है, उस प्रकार सभी भूत (मूल तत्व) इस पृथ्वी के मधु कार्य हैं। यह मनुष्य भी समस्त भूतों का मधु है और सभी भूत इस मनुष्य के मधु।' मैं उसी तर्ज पर कहता हूं कि भारत का सनातन धर्म सभी भूतों का मधुरस है और सभी भूत सनातन धर्म के मधुरस। पूरे आत्मविश्वास के साथ लिख रहा हूं, 'सनातन धर्म व हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रकट हुआ।'

संघ के प्रति लोगों की जिज्ञासा बढ़ रही है। आखिरकार संघ कैसे जाना जाए? याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को तत्वज्ञान दिया था। बृहदारण्यक उपनिषद (अध्याय दो, ब्राह्मण 5) में ऋषि ने बताया, 'यह पृथ्वी सभी भूतों (मूल तत्व) का मधु है और सब भूत इस पृथ्वी के मधु।' शंकराचार्य का भाष्य है, 'जिस प्रकार एक छत्ता अनेक मधुकरों द्वारा तैयार किया जाता है, उस प्रकार सभी भूत इस पृथ्वी के मधु कार्य हैं।' फिर सूर्य, चंद्र और आकाश को भी मधु कार्य बताते हैं। फिर अग्नि के लिए कहते हैं, 'यह अग्नि समस्त भूतों का मधु है और समस्त भूत इस अग्नि के मधु।' अंत में कहते हैं, 'यह धर्म और सत्य समस्त भूतों का मधु है।' फिर कहते हैं, 'यह मनुष्य भी समस्त भूतों का मधु है और सभी भूत इस मनुष्य के मधु।' मैं उसी तर्ज पर कहता हूं कि भारत का सनातन धर्म सभी भूतों का मधुरस है और सभी भूत सनातन धर्म के मधुरस। पूरे आत्मविश्वास के साथ लिख रहा हूं, 'सनातन धर्म व हिंदू जीवन रचना का सर्वोत्तम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रकट हुआ।'

संघ विचार आधारित संगठन है। 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में संघ की स्थापना हुई। राष्ट्र निर्माण की चुनौतियों पर चर्चा हुई और संघ की नींव पड़ गई। संघ का कार्य क्षेत्र विस्तृत होता गया। इसी के साथ मार्क्सवादी संगठन का भारत में उदय हो गया। विचारधारा के प्रति आग्रह में संघ व वामपंथ आमने-सामने रहे। परिस्थितियां तेजी से बदल गईं। वामपंथ का वैज्ञानिक भौतिकवाद पिछड़ता चला गया। संघ में आत्मीयता थी। सांस्कृतिक आधार था।

विश्व विचारों से भरापूरा है। विचार विविधता भारतीय संस्कृति का आभूषण है। यहां अनेक विचार हैं। गौतम का 'न्याय दर्शन' है, कपिल का 'सांख्य' है। कणाद का वैशेषिक है, जैमिनि का 'मीमांसा' है और वादरायण का वेदांत। यहां बुद्ध और जैन भी हैं। इस्लाम आने के साथ ही मजहबी विचारधारा भी आई। ईस्ट इंडिया कंपनी के बाद ईसाइयत का विचार भी फला-फूला, लेकिन 1925 में कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जन्म के साथ आए वैज्ञानिक भौतिकवादी विचार ने नई पीढ़ी को झकझोर दिया था। मार्क्सवाद परदेसी विचार था और संघ का राष्ट्रवाद स्वदेशी। दोनों विचारधाराओं में टक्कर पिछले 100 साल से जारी है। अब कम्युनिस्ट विचार के लोग पुरातात्विक मिथक जैसे हो गए हैं। संघ विचार के कार्यकर्ताओं ने उन्हें उनके गढ़ केरल में घुसकर चुनौती दी है। संघ कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई। हिंसक विचार का अंत हो गया। संघ बढ़ता गया।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

वामपंथ का अस्त अस्वाभाविक नहीं है। अंधविश्वासी पंथिक विचार का आधुनिक विश्व में अब कोई भविष्य नहीं। मार्क्सवाद का सामाजिक दर्शन ईसाई पंथिक विचार का विरोधी था। मार्क्स ने इसी संदर्भ में ईश्वर को अफीम कहा था। ईसाईयत का ईश्वर मार्क्स की दृष्टि में अंधविश्वास था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में अंधविश्वास का स्थान नहीं होता। तर्क बुद्धि और अर्थशास्त्र से पैदा मार्क्सवाद भी मजहब बन गया। अब वाद-विवाद-संवाद में उनकी आस्था नहीं। वामपंथी अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे पक्ष के सही और संवैधानिक तथ्य को भी 'थोपा जाना' बताते हैं। वंदेमातरम् राष्ट्रगीत है। वे कहते हैं कि इसका थोपा जाना अनुचित है। राष्ट्रभाव स्वाभाविकता है, वे कहते हैं कि राष्ट्रवाद का थोपा जाना असहिष्णुता है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की निष्ठा अपरिहार्य है। वे इसे भी थोपे जाने का आरोप लगाते हैं। उनकी प्रकृति पंथिक अंधविश्वासी है। संघ भारत के परम वैभव का स्वप्न दृष्टा है।

चीन का हमला हुआ। यह आज भी भारत के मन पर गहरा जख्म है। कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर कम्युनिस्ट चीन और अपने भारत की निष्ठा को लेकर द्वंद्व था। पार्टी टूट गई। चीन प्रिय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट हो गए और शेष भारतीय कम्युनिस्ट। यों यहां कम्युनिस्ट विचार के दो दर्जन से ज्यादा संगठन हैं। नक्सलबाड़ी रक्तपात से निकले समूह नक्सलपंथी या माओवादी कहे जाते हैं। संसदीय जनतंत्र में विश्वास न करने वाले समूह बंदूक विश्वासी है। दूसरों को फासिस्ट बताने वाले वामसमूह ने 1975 में इंदिरा गांधी की फासिस्ट तानाशाही का समर्थन किया था। बीस माह के आपातकाल में पूरा देश यातनागृह था। तब भी कम्युनिस्ट फासिस्ट सत्ता के समर्थक थे। कम्युनिस्ट सोनिया गांधी के संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन में भी थे। कहने को इस गठबंधन का 'न्यूनतम साझा कार्यक्रम' था, लेकिन वस्तुतः यह प्रच्छन्न सत्ता भागीदारी की तिकड़म थी। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। वे सत्ता को हिलाते थे, सत्ता हिलती थी। वे अपने विचार थोपते थे। संप्रग सिर झुकाने को विवश था। संघ राजनीति से अलग अपने ध्येय में लगा रहा।

2008 में वाम बाएं मुड़ गए। वे अमेरिकी परमाणु करार के विरोधी थे। उन्होंने संभवतः पहली दफा 'राष्ट्रहित' शब्द का प्रयोग किया कि राष्ट्रहित में यह कार्रवाई आगे नहीं बढ़नी चाहिए। तब पश्चिम बंगाल बचा था। वाम हिंसा और कुशासन से पीड़ित बंगाली जनसमुदाय ने उन्हें खारिज किया। अब वह किसी एक सहयोग से फिर से अखिल भारतीय होने के प्रयास में थे, लेकिन उनसे यारी को कोई तैयार नहीं हुआ। उनकी विदाई हो गई है। तो भी तमाम राष्ट्रीय जिज्ञासाएं हैं। मसलन उन्होंने गांधी का विरोध क्यों किया? उन्होंने सुभाष चंद्र बोस का समर्थन क्यों नहीं किया? उन्होंने 1857 को स्वाधीनता संग्राम क्यों नहीं माना? आपातकाल का समर्थन क्यों किया? उन्होंने पूर्वज आर्यों को विदेशी सिद्ध करने में ही सारी बौद्धिक शक्ति क्यों लगाईं? सवाल और भी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिना सदस्यता पर्ची ही दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया। यह राष्ट्रीय होकर भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा में है। कम्युनिस्ट अंतर्राष्ट्रीय होकर भी क्यों अभिशप्त हैं?

संघ के स्वयंसेवक अपने दैनिक कार्यक्रमों में राजनीतिक नारेबाजी नहीं करते। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हम सब राष्ट्र के ही भाग हैं। देश में कई बार राष्ट्रीय आपदाएं आईं। गुजरात में भूकंप हो, दक्षिण भारत में सुनामी हो, ओड़िसा में तूफान हो, केदारनाथ की त्रासदी हो, 1962, 1971 आदि वर्षों का युद्धकाल हो, संघ के स्वयंसेवक ऐसे संकट के समय सेवाभाव लेकर सक्रिय रहे। संघ हिंदू और हिंदुत्व का संपूर्ण अधिष्ठान लेकर सक्रिय है। राष्ट्र जीवन में 100 बरस बहुत ज्यादा नहीं, लेकिन यह अवधि बहुत कम भी नहीं कही जा सकती। देश के सभी घरों में बिजली पानी है। 100 बरस की सेवा का अनुभव कुछ और विशिष्ट गढ़ने में लगाया जा सकता है। भारत को भारत की नियति तक ले जाना हम सब का कर्तव्य है। मैं इस संगठन का 60 वर्षीय स्वयंसेवक अपने में गर्व का अनुभव करता हूं।

'आई लव एजूकेशन' का बैनर लगाएं मुसलमान!

पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा से प्यार करने वाला मुस्लिम समाज अपने पैगंबर के किरदार, तालीम, नसीहत और हदीस की राह पर चले तो तरक्की, तालीम, अनुशासन, इंसानियत व इत्तेहाद इस समाज का पहला प्यार होगा। दुनियाभर के मुसलमानों की तरह भारत का मुस्लिम समाज भी अपने पैगंबर को अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करता है, लेकिन ये प्यार कभी-कभी अधूरा सा दिखता है। प्यार पूरी तरह से सच्चा होता तो मोहम्मद साहब के किरदार, उनके उद्देश्यों-हदीसों से प्रभावित दिखता। कहा जाता है कि रसूल शहर-ए-इल्म थे, इसलिए मुस्लिम समाज को शिक्षा में आगे आने की पुरजोर कोशिश करनी होगी। एक बूढ़ी औरत द्वारा मोहम्मद साहब पर कूड़ा फेंकने की कहानी नसीहत देती है कि दुश्मन से भी प्यार करो, लेकिन क्या मुसलमानों ने दुश्मन से भी प्यार करने का किरदार पेश किया?

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय मुसलमानों के हालात शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी जरूरतों में बद से बदतर हैं। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि अपने पैगंबर के किरदार पर अमल करते हुए ये समाज शिक्षा में आगे बढ़े। अपने बच्चों को अनुशासन, आपसी सौहार्द जैसे सुसंस्कार देकर तरक्की की उंचाई की राह दिखाए। कभी कला, साहित्य, शिक्षा, व्यापार और विज्ञान में अपनी बराबर की मौजूदगी दर्ज कराने वाला ये समाज अपने तमाम हुनरों को व्यवसायिक बनाने के लिए योगी-मोदी सरकारों की योजनाएं 'एक जनपद एक उत्पाद, एमएसएमई, आरटीई, स्टार्टअप' का खूब लाभ लेने की कोशिश करे। ये समाज सरकारी योजनाओं से प्यार का एलान भी करे। जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं से प्यार की तख्तियां टांगे, पोस्टर लगाए तो भी अच्छा है, क्योंकि आई लव सरकारी योजनाओं का कैंपेन उन गरीब, जरूरतमंद, हुनरमंद मुस्लिमों तक पहुंचे जो इन योजनाओं से वाकिफ नहीं हैं और इन सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुस्लिम समाज के खास लोग, उलमा, धार्मिक गुरु, धार्मिक नेता या इस समाज का वोट हासिल करने वाले राजनीतिक दल काश अकलियत का सही मार्गदर्शन करते।

> प्रतियोगी और यूपीएससी जैसी परीक्षाओं में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी बढ़ रही है। बावजूद इसके कुछ धार्मिक नेता और राजनीतिक दलों की तरफ से समय-समय पर मुस्लिम नौजवानों को भड़का कर उनकी जिंदगी को नरक बनाकर खुद की राजनीति को चमकाने का गुनाह जारी है।

आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक दशक में मोदी-योगी सरकारों में ये समाज शिक्षा में कुछ आगे बढ़ा है। पहले की अपेक्षा अधिक अनुशासित हुआ है, आपराधिक दुनिया में इनकी भागीदारी कम हुई है। प्रतियोगी/यूपीएससी परीक्षाओं में मुस्लिम युवाओं की मौजूदगी बढ़ रही है। बावजूद इसके कुछ धार्मिक नेता और राजनीतिक दलों की तरफ से समय-समय पर मुस्लिम नौजवानों को भड़का कर उनकी जिंदगी को नरक बनाकर खुद की राजनीति को चमकाने का गुनाह जारी है। देश, प्रदेश और समाज के लिए ये बेहतर होगा कि मुस्लिम समाज किसी के बहकावे में आकर भीड़ बनकर लाठियां न खाएं, जेल न जाएं और आई लव डेवलेपमेंट-आई लव एजूकेशन की नियत कर मोहम्मद साहब के सौहार्दपूर्ण और तरक्की पसंद किरदार का नमूना पेश करें।

सूखती जल धाराएं सूखता भविष्य

कमोबेस सभी नदियों की हालत बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण खराब होती जा रही है। नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित हुए एक अध्ययन के परिणामों में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया में नदियां अब महासागरों से भी ज्यादा गर्म हो रही हैं, जिससे न केवल नदियों का तापमान बढ़ रहा है, बल्कि उनकी ऑक्सीजन भी तेजी से कम हो रही है और इससे नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा पैदा हो रहा है।

दरअसल, जलीय जीवन मूल रूप से नदियों के पानी के तापमान तथा ऑक्सीजन के स्तर पर ही निर्भर करता है। अध्ययन में बारिश, मिट्टी के प्रकार, सूर्य की रोशनी जैसे कारकों भी शामिल किया गया, जिसमें अमेरिका की 580 और मध्य यूरोपीय 216 नदियों के आंकड़े थे। पे स्टेट की अगुआई में अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा दुनियाभर की 796 नदियों का अध्ययन करने पर पाया गया कि उनमें से 87 प्रतिशत नदियां गर्म हो रही हैं और 70 प्रतिशत नदियों में ऑक्सीजन की कमी होने लगी है। अध्ययन में कहा गया है कि अगले सात दशकों में विशेष रूप से अमेरिका के दक्षिणी हिस्सों में नदियों के तंत्र में ऑक्सीजन इतनी कम हो जाएगी कि मछलियों की कुछ प्रजातियां पूरी तरह खत्म हो सकती हैं।

योगेश गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

शोधकर्ताओं के अनुसार गर्म होती जलवायु के कारण महासागर तो गर्म हो रहे हैं लेकिन यह उम्मीद नहीं थी कि बहने वाली उथली नदियों के साथ भी ऐसा ही हो रहा होगा। ओसियानिक एंड एटमॉस्फियरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक शहरी नदियां ज्यादा तेजी से गर्म हुई हैं, जबकि कृषि वाली नदियां धीमी गति से गर्म हो रही हैं, लेकिन वे तेजी से ऑक्सीजन गंवा रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक भविष्य में नदियों में ऑक्सीजन कम होने की दर पहले के समय में अवलोकित की गई दर के मुकाबले 1.6-2.5 गुना ज्यादा होगी।

'नेचर रिव्यूज अर्थ एंड एनवायरनमेंट' में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में भी यह तथ्य सामने आया है कि चरम मौसम की घटनाओं के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इस शोध से पता चला कि जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन के कारण ये घटनाएं अधिक, लगातार और गंभीर होती जा रही हैं, पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और सुरक्षित पानी तक लोगों की पहुंच तेजी से खतरे में पड़ सकती है।

इस अध्ययन के दौरान सूखे, लू अथवा हीट वेव, भयंकर बारिश और बाढ़ जैसे चरम मौसम के साथ-साथ जलवायु में लंबी अवधि के बदलावों के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता में बदलाव के 965 मामलों का विश्लेषण किया गया। कुछ अध्ययनों में दुनियाभर की कई नदियों के पानी में इंसानों द्वारा प्रयोग की गई दवाओं से जुड़े हानिकारक तत्वों की बहुत बड़ी मात्रा में मौजूदगी पाई जा चुकी है। दवाओं से नदियों में होने वाले इस प्रदूषण से मछलियों के साथ-साथ अन्य जलीय जीवों के लिए भी खतरा बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि नदियों में दवाओं के कारण बढ़ रहा यह प्रदूषण भी करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

अखिलेश की सियासत व आजम की जरूरत

नाजुक मिजाज लखनवी लोगों के लिए पान वाले पान में चूना लगाने में बहुत एहतियात बरतते हैं। चूना ज्यादा लग गया तो मुंह कट जाएगा, कम लगा तो पान का जायका ही नहीं रहेगा, इसलिए अलग से पुड़िया पर चूना लगा कर खतरे से बचा जाता है। समाजवादी पार्टी के फाउंडर मेंबर मोहम्मद आजम खान की अहमियत की मात्रा को संतुलित रखना अखिलेश यादव के लिए बड़ी चुनौती है। आजम को इग्नोर किया तो मुसलमान भड़क जाएंगे और यदि अखिलेश यादव ने आजम को सिर आंखों पर उठाया तो हिंदू समाज में सपा को आजमवादी-नमाजवादी पार्टी बताकर ध्रुवीकरण से 20-80 का बंटवारा करने में भाजपा को मदद मिलेगी।

> आजम को इग्नोर किया तो मुसलमान भड़क जाएंगे और यदि अखिलेश यादव ने उन्हें सिर आंखों पर उठाया तो हिंदू समाज में समाजवादी पार्टी को आजमवादी-नमाजवादी पार्टी बताकर ध्रुवीकरण से बीस-अस्सी का बंटवारा करने में भाजपा को मदद मिलेगी।

सोशल मीडिया पर मुस्लिम समाज में ऐसे गिले, शिकवे-शिकायतें भी झलकती हैं। जैसे- अमेठी के मोहम्मद आरिफ के सारस को वन विभाग ने चिड़ियाघर में भेज दिया तो अखिलेश यादव कई बार सारस से मिलने गए पर आजम खान से जेल में मिलने नहीं गए। जेल से बाहर हुए तो भी उन्हें लेने नहीं पहुंचे, तो क्या सपा मुखिया की नजर में आजम खान की अहमियत सारस से भी कम है! दरअसल भाजपा की ये ख्वाहिश रहती है कि सपा में आजम खान को खूब अहमियत दी जाए, ताकि आजम की कट्टर मुस्लिम परस्त कथित छवि की पिच पर भाजपा ध्रुवीकरण के चौके-छक्के लगाकर विजय प्राप्त करती रहे।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

विरोधी की ऐसे रणनीति को विफल करने के लिए अखिलेश यादव आजम खान से थोड़ी दूरी बनाते हैं, तो भाजपाई ही मुस्लिम समाज में संदेह देने की कोशिश करते हैं कि प्रदेश के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे खां साहब को अखिलेश नजरंदाज करते हैं। जाहिर सी बात है, इस तरह के आरोप जब सच्चाई की कसौटी पर दिखाई देते हैं तो सपा के भरोसे के दीवाने मुस्लिम समाज में अपनी मनपसंद पार्टी के प्रति प्यार, विश्वास और एकजुटता में ढीलापन आता है।

पिछले एक दशक से अधिक समय से भाजपा की सफलता का नरैटिव बहुसंख्यक समाज में सेट होने के बाद, जो मोहम्मद आजम खान समाजवादी पार्टी के लिए वरदान थे, वो अभिशाप बन गए हैं। भाजपा उनके नाम को तुष्टिकरण के तानों और ध्रुवीकरण का जादू चलाने का सबसे बड़े हथियार के रूप में लेती है और इस बात में भी दम है कि योगी-मोदी के दौर वाली भाजपा की सियासत को ध्रुवीकरण सार्वाधिक रास आया और केंद्र और राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ा। खासकर यूपी, जहां जाति की राजनीति की जड़ें गहरी थीं, भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व के चेहरे से यहां सनातनी एकता स्थापित कर जातियों के बिखराव पर काबू पाकर दूसरी बार सत्ता हासिल की। करीब पौने चार दशक बाद यहां किसी मुख्यमंत्री ने दूसरा कार्यकाल निभाया। इस सफलता में बटोगे तो कटोगे, बीस-अस्सी, श्मशान-कब्रिस्तान, मिट्टी में मिला देंगे... जैसे नारे हिंदुत्व की राजनीतिक फसल को खाद-पानी देते रहे।

आजम खां के जेल जाने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मौके की सियासी नजाकत को देखते हुए ध्रुवीकरण से बचने के लिए और मुस्लिम परस्ती जैसे आरोपों से बचने के लिए फूंक-फूंक कर कदम रखे। पीडीए की रणनीति में अधिक से अधिक गैर यादव पिछड़ी जातियों और दलित समाज का भरोसा जीतने पर अधिक बल दिया। एमवाई के दायरे से निकलकर बड़ा दायरा बनाने की रणनीति पर काम करने वाले अखिलेश यादव को 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुत बड़ा लाभ मिला। लोकसभा में 37 सीटें जीतकर सपा के पीडीए का आत्मविश्वास बढ़ा और अखिलेश मुस्लिम-यादव से अधिक दलित-पिछड़ों के उत्थान के मुद्दों पर ज्यादा बल देने लगे।

यूपी की आबादी की करीब 20% हिस्सेदारी वाला मुस्लिम समाज जब भाजपा को सबसे बड़ी चुनौती देने वाले दल के साथ एकजुट होता दिखाई देता है, तो भाजपा 80-20 वाले ध्रुवीकरण के राजनीतिक कौशल की धार तेज करने लगती है। अतीत में सपा-बसपा जैसे यूपी के क्षेत्रीय दल मुस्लिम अल्पसंख्क समाज के भरपूर समर्थन और हिंदू समाज की जातियों की राजनीति से सत्ता में काबिज होते रहे। दलितों-पिछड़ों के साथ मुस्लिम समाज का कॉम्बो जनाधार बनाने की कोशिश करने वाले क्षेत्रीय दलों को चुनौती देने के लिए भाजपा ने धर्म की राजनीति का पलटवार कर कई बार पासा पलटा। खासकर योगी-मोदी के दौर में हिंदू समाज की बिखरी हुई जातियों को एकजुट करने में भाजपा ने निरंतर सफलता हासिल की।

बाएं हाथ को भी खबर न हो कि दाहिने हाथ ने दान किया

हर धर्मों में दान का बहुत महत्व बताया गया है, जिसके चलते दान की परंपरा चली आ रही है, लेकिन दान किस तरह और किन लोगों को करना चाहिए, इस पर ध्यान कम दिया जाता है। धर्म स्थलों के बाहर चादर बिछाकर या कटोरा लेकर बैठे लोगों को कुछ रुपये-पैसे देकर दान का कर्तव्य मान लिया जाता है, जबकि दान का यह सही तरीका नहीं है।

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

सर्व प्रथम दान देने के लिए सुयोग्य पात्र की तलाश करनी चाहिए। ऐसा व्यक्ति जो जीवन में कुछ करना चाहता है और धन के अभाव में नहीं कर पा रहा है। ऐसे व्यक्ति को दान और मदद से वह खुद तो स्वावलंबी बनेगा, साथ में वह दूसरों को भी स्वावलंबी बनाएगा, जबकि धर्म स्थलों के बाहर बैठे भिखारी आजीवन भीख ही मांगते है। उनकी आदतें भीख मांगने की जो हो जाती है, वह जल्दी छूटती नहीं।

इस संबंध में एक बोध कथा है कि एक युवा भिखारी सड़क किनारे बैठकर भीख मांगा करता था। आते-जाते लोग कुछ रुपये उसे दे देते थे, लेकिन किसी महात्मा से उसने भीख मांगी तो महात्मा जी पूछ बैठे, "यहां बैठकर तुम भीख मांगते हो कि कहीं आते-जाते भी हो।" भिखारी बोला, "कहीं जाता नहीं, यहीं बैठकर भीख मांगकर काम चलाता हूं।"

महात्मा ने कहा, "जब कहीं जाते नहीं तो तुम्हरा पैर बेकार का है। 10 हजार ले लो और बदले में पैर दे दो। इस पर भिखारी बोला, "लेकिन पैर दे दूंगा तो नित्य क्रिया के लिए कैसे जाऊंगा।" महात्मा जी ने कहा, "चलो, 20 हजार में एक हाथ दे दो।" भिखारी हाथ देने के लिए भी तैयार नहीं हुआ। महात्मा जी ने एक लाख में जब दोनों आखें मांगी तो तैश में आ गया भिखारी बोला, "करोड़ रुपए देंगे तो शरीर का एक रोम (रोआ) दूंगा नहीं। चलिए आगे बढ़िए।"

भिखारी के इस कथन पर महात्मा बोले, "जिसके पास करोड़ों की संपत्ति है, वह भीख मांगे, यह भी उचित नहीं। महात्मा जी की वाणी उसके मन में लग गई और बोल पड़ा, "अब भीख नहीं मांगूगा।" उस दिन से भीख मांगना छोड़, वह अपने काम में लग गया। दान के बारे मनीषियों ने तो यहां तक कहा कि दाहिना हाथ दान करे तो बाएं हाथ तक को खबर न लगे कि दाहिने हाथ ने दान किया है।

खेत की मिट्टी से भविष्य की फसल उगाते नौजवान

पिछले कई दशकों में युवा गांव में खेती-किसानी की जगह शहरी नौकरियों, मेट्रो-जिंदगी और शहरों की चमक-दमक की तरफ खिंचे चले आए हैं, लेकिन अब एक बार फिर से बदलाव नजर आने लगा है। कुछ युवा वापस गांव और खेती की तरफ लौट रहे हैं या कम-से-कम खेती को एक सम्मानजनक, तकनीकी और लाभदायक करियर विकल्प के रूप में देखने लगे हैं। अगर राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति सिरे चढ़े, तो उसके सामाजिक, आर्थिक और मानवीय असर दूरगामी होंगे। इससे न केवल फसल बढ़ेगी बल्कि गांव का आत्म-सम्मान, परिवारों की सुरक्षा और स्थानीय जीवन की गुणवत्ता भी उभरेगी।

सबसे पहले एक बात स्पष्ट करनी जरूरी है कि कितने प्रतिशत युवा खेती की तरफ आकर्षित हो रहे हैं? इसका कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इसे अलग-अलग अध्ययनों में अलग तरीके से नापा गया है। कुछ अध्ययनों ने केवल 'रुचि' मापी है, तो कुछ ने वास्तविक 'भागीदारी' या स्वरोजगार अपनाने को मापा है। एक अध्ययन में युवा वर्ग में लगभग 79.8% ने खेती में रुचि होने की दर बताई गई है। यानी बहुत से युवा कहते हैं कि वे खेती को लेकर इच्छुक हैं, बशर्ते उन्हें सही प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर मिले।

किशन कंवर
लेखिका

वहीं राजस्थान पर केंद्रित शोधों ने दिखाया है कि जिलेवार और गतिविधि-वार भिन्नता बहुत है। कुछ जिलों में युवा अधिक सक्रिय रूप से फसलों, कृषि लॉजिस्टिक्स और एग्री-बिजनेस में जुड़ रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर अभी भी भागीदारी सीमित है। इससे स्पष्ट है कि 'रुचि' और 'व्यवहारिक वापसी' में अंतर है और नीति, प्रशिक्षण व बाजार पहुंच इसे कम कर सकते हैं। वास्तव में, युवा जब खेती की तरफ आते हैं, तो पहले और सबसे बड़ा असर परिवार और समुदाय पर होता है। आज कई परिवारों के बुजुर्ग किसान हैं, पर युवा यदि खेत, आधुनिक तकनीक और कृषि-व्यवसाय सीखकर वापस लौटते हैं, तो बुजुर्गों के अनुभव और युवाओं के नए तकनीक का मेल होगा, जिसका असर खेती में नजर आएगा। इससे पलायन की लहर भी धीमी पड़ेगी।

युवा नई तकनीकें, सामाजिक मीडिया के माध्यम से डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर चैनल, वैल्यू-एडिशन (जैसे फलीय प्रसंस्करण, पेय बनाना) और अन्य मॉडलों को अपना सकते हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की हालिया नीतियां और स्कीमें भी तकनीक तथा स्किलिंग पर जोर दे रही हैं। इससे युवा प्रशिक्षण और उद्यमिता के अवसर बढ़ते हैं, जिससे खेती 'कठिन पड़ाव' से निकलकर 'आकर्षक व्यवसाय' बन सकती है। उदाहरण के तौर पर राजस्थान में कृषि-तकनीक और सौर ऊर्जा से जुड़े प्रोजेक्ट्स और युवा कौशल केंद्रों की घोषणा हुई है, जो युवा-केंद्रित पहल का समर्थन करते हैं। कई ग्रामीण युवा जब रोजगार के लिए शहरों में झूठे वादों के पीछे भागते हैं तो न केवल आर्थिक असफलता होती है, बल्कि अलगाव और मानसिक दबाव भी बढ़ता है।

खेती में लौटने का मतलब है रिश्तों की मरम्मत, सामाजिक सहारे का पुनर्निर्माण और यह अहसास कि उनकी मेहनत गांव के अस्तित्व और पोषण सुरक्षा से जुड़ी है। इससे आत्म-सम्मान बढ़ता है और डिप्रेशन/अलगाव जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है, हालांकि इस क्षेत्र में चुनौती भी कम नहीं है। भूमि की सीमाएं, पानी की कमी, संकटकाल में बाजार पहुंच और प्रारंभिक पूंजी की कमी युवा किसानों के मनोबल को तोड़ सकती है, इसलिए अगर वास्तविक बदलाव चाहिए तो नीति-निर्माताओं, वित्त संस्थाओं और स्थानीय पंचायतों को मिलकर ऐसे मॉडल तैयार करने होंगे जो लीज्ड-लैंड, साझा उपकरण, माइक्रो-फाइनेंस और मार्केट लिंकिंग उपलब्ध कराएं। साथ ही विज्ञान-आधारित प्रशिक्षण और विपणन शिक्षा देना जरूरी है, ताकि युवा इसे केवल खेती का काम न समझें बल्कि इसे 'एग्री-बिजनेस' के रूप में देखें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आसान नहीं था पांच हजार से दो करोड़ तक का नोरा का सफर

हमेशा सुर्खियों में रहने वाली ग्लैमर क्वीन नोरा फतेही आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्मों तक, हर जगह उनके डांस मूव्स और स्टाइल ने लोगों को दीवाना बना दिया है, लेकिन जिस मुकाम पर आज नोरा हैं, वहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। उन्हें यह सफलता रातों-रात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे छिपा है वर्षों का संघर्ष, आत्मविश्वास और हार न मानने का जज्बा। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने स्ट्रगल के दिनों में क्या सहा है।

कनाडा की गलियों से मुंबई की चमक तक

नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था। वह बचपन से ही फिल्मों और डांस की दीवानी थीं। जब उनके दोस्तों के सपने बिज़नेस या जॉब तक सीमित थे, नोरा के मन में सिर्फ एक ख्वाब था- फिल्मों की दुनिया में पहचान बनाना। उन्होंने तय किया कि चाहे रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो, वो अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचेंगी। यही जज्बा उन्हें कनाडा से भारत खींच लाया। सोचिए, एक 22 साल की लड़की, जिसके पास सिर्फ 5000 रुपये थे, जो न भाषा जानती थी, न यहां कोई पहचान, उसने जब मुंबई की धरती पर कदम रखा, तो यह सफर कितना कठिन रहा होगा।

संघर्ष के दिन

नोरा बताती हैं कि शुरुआती दिनों में उनका जीवन बेहद कठिन था। उन्होंने बताया कि "जब मैं भारत आई, मेरे पास सिर्फ 5000 रुपये थे। मैं और नौ लोग एक 3 बीएचके फ्लैट में रहते थे। दो लड़कियों के साथ एक छोटा-सा कमरा शेयर करती थी। उस वक्त सोचती थी- हे भगवान, मैं यहां क्यों आई?" यह वो दौर था जब न उन्हें स्थायी काम मिल रहा था, न कोई गाइड करने वाला था। कई बार ठगी हुई, कई बार गलत लोगों पर भरोसा करने से निराशा हाथ लगी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

पहला कदम: 'रोर' से शुरुआत

नोरा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2014 में फिल्म 'रोर : टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' से की। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा नहीं चली, लेकिन इससे उन्हें इंडस्ट्री में एक पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख किया, जहां उनके डांस ने सबका ध्यान खींचा। प्रभास स्टारर फिल्म 'बाहुबली : द बिगिनिंग' में उनका डांस सीक्वेंस यादगार साबित हुआ। नोरा की मेहनत रंग लाने लगी थी। उन्होंने धीरे-धीरे अपने कदम मजबूत किए और 'दिलबर', 'कमरिया', 'साकी-साकी' और 'गर्मी' जैसे सुपरहिट गानों के ज़रिए डांसिंग क्वीन बन गईं।

कभी निराश मत होना

नोरा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहती हैं कि कई बार उन्हें मानसिक रूप से बहुत झटका लगा। "जब मैं मुंबई आई थी, तब मैं बहुत भोली थी। जो भी मुझे काम का वादा करता, मैं समझती थी कि उसे भगवान ने मेरे लिए भेजा है, लेकिन कई बार लोग मुझे इस्तेमाल करना चाहते थे। उस दौर में मैं डिप्रेशन में चली गई थी और मुझे थेरेपी लेनी पड़ी।" फिर भी उन्होंने खुद को टूटने नहीं दिया। उन्होंने खुद से वादा किया कि वह हमेशा पॉजिटिव रहेंगी और अपनी मेहनत से लोगों को जवाब देंगी।

सपनों की कीमत

आज नोरा फतेही बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय डांसर और एक्ट्रेस में शुमार हैं। उनकी गिनती उन सितारों में होती है, जो एक परफॉर्मेंस के लिए 2 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं। उन्होंने सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'भारत', वरुण धवन की 'स्ट्रीट डांसर 3D' और जॉन अब्राहम की 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों में अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। नोरा सिर्फ डांस नहीं करतीं, बल्कि अपनी परफॉर्मेंस में एनर्जी, ग्रेस और स्टाइल का ऐसा संगम लाती हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

आसान नहीं था खुद की पहचान बनाना

नोरा का कहना है कि "इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में विदेशी चेहरे को स्वीकार करना आसान नहीं था। जब मैं यहां आई थी, लोग मुझे सीरियसली नहीं लेते थे। कई बार मुझे सिर्फ ग्लैमर के लिए कास्ट किया गया, लेकिन मैंने दिखाया कि मैं सिर्फ खूबसूरत नहीं, टैलेंटेड भी हूं।" नोरा आज इस मुकाम पर हैं, जहां लोग उन्हें सिर्फ एक डांसर नहीं, बल्कि एक मेहनती और समर्पित आर्टिस्ट के रूप में पहचानते हैं। नोरा फतेही ने अपने संघर्ष और मेहनत से जो मुकाम पाया है, वह किसी प्रेरणा से कम नहीं। उन्होंने साबित किया कि असली सफलता वही है, जो कठिनाइयों से होकर निकलती है। आज वह न केवल एक सफल परफॉर्मर हैं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत भी हैं, जो युवाओं को यह संदेश देती हैं कि "खुद पर भरोसा रखो, क्योंकि अगर तुम खुद पर विश्वास करोगे, तो पूरी दुनिया तुम्हारे साथ खड़ी होगी।"

शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार की एटली ने कर दी थी भविष्वाणी

दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक एटली ने फिल्म जवान की शूटिंग के दौरान ही बता दिया था कि शाहरुख खान को इस फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। वर्ष 2023 में प्रदर्शित एटली के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म जवान के लिए शाहरुख खान को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने बताया कि जवान की शूटिंग के दौरान एटली ने निडरता से भविष्यवाणी की थी कि शाहरुख खान को उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने कहा, "जब हम जवान की शूटिंग कर रहे थे, एटली सर पहले ही बता चुके थे कि शाहरुख खान राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले हैं। वह यह इतनी आत्मविश्वास के साथ कहते थे और अब देखो, उन्होंने नेशनल अवार्ड जीत लिया। वह वास्तव में कमाल के हैं।" यह भविष्यवाणी अब इतिहास बन चुकी है। शाहरुख खान ने अपने 30 साल के करियर में आखिरकार प्रतिष्ठित नेशनल अवार्ड जीता, जो सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि एटली के लिए भी एक मील का पत्थर है, जिनकी निर्देशन और कहानी कहने की क्षमता ने शाहरुख के सबसे यादगार प्रदर्शन को परिपूर्ण मंच प्रदान किया।

फिल्म समीक्षा

तकनीकी रूप से दमदार फिल्म

ऋषभ शेट्टी ने एक बार फिर कंतारा वर्ल्ड में जादू बिखेरा है, उनका लेखन, निर्देशन और अभिनय, सब दमदार है। साथ ही गुलशन देवैया, रुख्मिणी वसंत और जयराम का अभिनय भी दमदार रहा है। तीन साल पहले आई कंतारा सिर्फ 16 करोड़ में बनी थी, इस बार निर्माता ने ऋषभ के लिए 125 करोड़ का बजट रखा था और यह पर्दे पर भी साफ दिखाई देता है। एक बार तो हमें यह एहसास होता है कि इतने बजट में इतनी बढ़िया फिल्म कैसे बन सकती है। फिल्म के दृश्य बेहद शानदार हैं, हर फ्रेम खूबसूरत लगता है। तकनीकी रूप से भी फिल्म एकदम सही है। बीजीएम और गाने कमाल के हैं, मैंने कई सालों बाद किसी फिल्म में शास्त्रीय संगीत सुना है। मुझे ये कहानी बहुत पसंद आई, ऋषभ इसी चीज को भारतीय सिनेमा में लेकर आए।

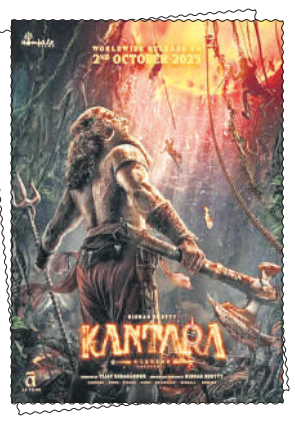

कहानी वहीं से आगे बढ़ती है, जहां कंतारा खत्म हुई थी और फ्लैशबैक में हमें कदंब राज्य दिखाया जाता है। कदंब राज्य का राजा, जो कंतारा वन चाहता है, लेकिन वहीं मर जाता है, फिर उसका बेटा (जयराम) वहां वापस जाने की हिम्मत नहीं करता। जब बेटा बड़ा होता है तो वो राजा बनता है और उसके एक बेटा (गुलशन देवैया) और एक बेटी (रुखमणी वसंत) होती है। बेटे (गुलशन देवैया) को राजगद्दी पर बिठाकर राजा बना दिया जाता है, लेकिन जो बेटा राजा है, वो अय्या के साथ ही रहता है। यहां, कोई एक नवजात शिशु बर्मी (ऋषभ शेट्टी) को कंतारा वन में छोड़ देता है और वहां एक महिला, जिसके कोई बच्चे नहीं हैं, उसकी देखभाल करती है। फिल्म शुरू से अंत तक बांधे रखती है, एक भी फ्रेम हमें बोर नहीं करता। एक्शन कोरियोग्राफी कसी हुई है, युद्ध भी दिखाया गया है, वहां तकनीकें भी अच्छी थीं। हमें यह भी देखने को मिलता है कि उस समय के लोग कैसे धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। स्क्रीन प्ले को उस समय को ध्यान में रखकर और हर चीज को ध्यान में रखकर दिखाया गया है।

समीक्षक- शिवकांत पालवे

एडवेंचर फिल्म इलियो

इलियो एक अमेरिकन एनिमेटेड साइंस फिक्शन एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्माण पिक्सर एनिमेशन स्टूडियो ने वॉल्ट डिज्नी पिक्चर्स के लिए किया है। शानदार म्यूजिक, खूबसुरत सिनेमेटोग्राफी और ढेर सारे क्यूट कैरेक्टर के साथ इलियो मनोरंजन करने में सफल रही। एनिमेशन का अपना ही स्वाद अपना ही मजा है। जब-जब बचपन की तरफ लौटने का मन करता है तो एनीमेटेड मूवी ढूंढ कर छोटे बेटे के साथ देखने बैठ जाता हूं। यह मूवी इलियो नाम के छोटे बच्चे की कहानी है, जिसके माता-पिता नहीं रहे और वो अपनी बुआ ओल्गा के साथ रहता हैं। बुआ वायु सेना में मेजर है, जो अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती थी, पर भतीजे की परवरिश के कारण अपना सपना, सपना समझ भूल जाने की कोशिश करती हैं।

इलियो और ओल्गा के बीच संबंध अच्छे नहीं है, जिसके चलते इलियो दूर अंतरिक्ष में दूसरे गृह पर जाने की जिद्द पर आ जाता हैं। एक दिन वो सैन्य ठिकाने से संदेश भेजता है, जिसे सुन एलियंस इलियो को अपने साथ ले जाते हैं। वहां जाकर इलियो क्या-क्या गुल खिलाता हैं यह देखना बड़ा मजेदार हैं।

हालांकि फिल्म साधारण है, जिस तरह की एनिमेटेड फिल्मों का हॉलीवुड में इतिहास रहा है, उस लेवल की तो नहीं है पर आप अगर क्राइम थ्रिलर, एक्शन, हॉरर फिल्में देख देख थक गए हैं तो रिफ्रेश होने के लिए इलियो फिल्म देख सकते हैं। इलियो परिवार के साथ मिलकर देखेंगे तो एक ताजा सिनेमा अनुभव होगा, पर हां बहुत ज्यादा उम्मीद रख कर मत देखिएगा।

समीक्षक-राजदीप जोशी

आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया: भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि आलोचनाओं ने उन्हें और ज्यादा प्रेरित किया है। मिल्केन इंस्टीट्यूट के 12 वें एशिया समिट में दुनियाभर के बड़े लीडरों के बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी निजी कहानी, हिम्मत और जिम्मेदारी की बात से सबको प्रभावित किया। भूमि पेडनेकर ने बताया कि जब वह अभिनेत्री बनने का सपना देखती थीं, तो उन्हें पर्दे पर अपनी तरह की महिलाएं नहीं दिखती थीं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा से पता था कि मैं एक कलाकार बनना चाहती हूं, लेकिन बड़े होते हुए मुझे पर्दे पर अपने जैसी लड़कियां नहीं दिखीं। जब भी मैंने लोगों को अपने सपने के बारे में बताया, तो वे मुझ पर हंसे। उन आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया और मैंने सोचा, मैं उन्हें करके दिखाउंगी। भूमि ने कहा कि उनकी पहली फिल्म 'दम लगा के हईशा' ने उन्हें सिनेमा की असली ताकत दिखाई।

ईरानी सिनेमा की महिला सुपर स्टार गोलशिफतेही

मैं ईरानी सिनेमा का शौकीन हूं और शायद मैं ही नहीं विश्व सिनेमा का हर संजीदा दर्शक ईरानी फिल्मों का दीवाना होता है। इन फिल्मों का स्तर अंतर्राष्ट्रीय होता है। माजिद मजीद और दारिश मेहरजुई जैसे ख्यातनाम निर्देशक विश्व फलक पर ईरानी सिनेमा को रचकर अमर हैं। ईरानी सिनेमा की प्रख्यात अभिनेत्री और महिला सुपर स्टार 'गोलशिफतेही फरहानी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है और नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म एक्सट्रैक्शन में भी काम किया है। इन्हें महज 14 साल की उम्र में नामी निर्देशक दारिश मेहरजुई की फिल्म की 'द पीयर ट्री' में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया है। इस भूमिका के लिए गोलशिफतेही को तेहरान में 16 वें 'फज्र इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' के अंतर्राष्ट्रीय खंड से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के 'क्रिस्टल रॉक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनकी अभिनीत फिल्म 'अबाउट अली' (निर्देशक असगर फरहानी) ने ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का व बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सिल्वर बीयर का अवार्ड जीता। यह इनकी ईरान में प्रदर्शित आखिरी फिल्म थी। बाद में वे लियोनार्डो डिकैप्रियो के साथ फिल्म 'बॉडी ऑफ लाइज' में मुख्य भूमिका में आई। इसमें इनके बिना हिजाब के होने के कारण उन्हें 2009 से ईरान में वापस लौटने और काम करने पर विवाद के चलते वे पैरिस में बस गई। कालांतर में उन्हें फ्रांस में सीजर अवार्ड्स में 'द पेशेंस स्टोन' के लिए 'मोस्ट प्रॉमिसिंग एक्ट्रेस' के अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया।

2017 में आई एक फंतासी फिल्म 'पायरेट्स ऑफ द कैरिबियन' में वे एक समुद्री चुड़ैल शांसा की भूमिका में दिखाई दीं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। 2020 में वे नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली एक्शन फिल्म 'एक्सट्रैक्शन' में इन्होंने अविस्मरणीय निक खान का किरदार निभाया। 2023 के बर्लिन फिल्म फेस्ट में इन्हें मुख्य समापन जूरी के सदस्य के रूप में भी चुना गया। फरहानी न केवल पर्यावरण समर्थक है, बल्कि ईरान की तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम की भी संवाहक है। प्रसिद्ध ब्रिटिश रॉक बैंड 'कोल्डप्ले' ने 'स्फेयर्स वर्ल्ड टूर' में फरहानी को आमंत्रित किया था, जिसके लैटिन अमेरिका प्रदर्शन के दौरान दो रात केवल लाइव इवेंट सिनेमा स्पेशल के हिस्से के रूप में कॉन्सर्ट को 70 से अधिक देशों में 3,500 से अधिक सिनेमाघरों में लाइव प्रसारित किया गया था, जो कि एक अपने आप में एक इतिहास है।

जुलाई 1983 में तेहरान के एक थिएटर निर्देशक और अभिनेता और स्टेज अभिनेत्री फहीमेह रहीमिनिया के घर जन्मी गोलशिफतेही का नाम उनके पिता ने रखा था, जिसके मायने होते है 'प्यार करने वाला फूल', जबकि उनका कानूनी नाम राहवार्ड है। उन्होंने पांच साल की उम्र में संगीत और पियानो का अध्ययन शुरू किया और बाद में तेहरान के एक संगीत विद्यालय में प्रवेश लिया लेकर विधिवत ईरानी संगीत की तालीम ली। लगभग 53 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी गोलशिफतेही फरहानी को अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है। 2017 में वे पैरिस से ईबीसा (पुर्तगाल के नजदीक) रहने चली गई, जहां वे आज भी संगीत और सिनेमा के लिए कार्यरत हैं।

-अरविंद सिंह आशिया, लेखक

इंडियन ऑयल में निदेशक बने सौमित्र

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल में निदेशक (वित्त) नियुक्त किए गए सौमित्र पी. श्रीवास्तव ने पदभार ग्रहण कर लिया। देश की तेल विपणन कंपनी में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले श्रीवास्तव ने आईआईटी रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक और एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई से एक्जीक्यूटिव एमबीए किया है। अपने करियर के दौरान उन्होंने प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 5 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

डी-मार्ट का राजस्व 15.4% बढ़कर 16,219 करोड़

नई दिल्ली। खुदरा शृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और परिचालन करने वाली एवेन्यू सुपरमार्ट्स की चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत राजस्व 15.43% बढ़कर 16,218.79 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले कंपनी का परिचालन से राजस्व 14,050.32 करोड़ था। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन से एकीकृत राजस्व 16,218.79 करोड़ रुपये रहा। सितंबर 2025 तक डी-मार्ट के स्टोर्स की कुल संख्या 432 थी। तिमाही आधार पर डी-मार्ट का राजस्व 1.8% बढ़ा। वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का एकीकृत राजस्व 12,307.72 करोड़ रुपये था।

मजबूत मांग से सोभा की बिक्री बुकिंग 61% बढ़ी

नई दिल्ली। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग से चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 61% बढ़कर 1,902.6 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री 1,178.5 करोड़ थी। शेयर बाजार को दी जानकारी में सोभा ने बताया कि कंपनी ने इस वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 13,648 रुपये प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 13.94 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेंगलुरु ने तिमाही बिक्री में 69.7% का योगदान दिया, जिसका मूल्य 1,326.4 करोड़ था। यह बढ़ोतरी सोभा टाउन पार्क परियोजना में बिक्री की तेजी के कारण हुई। दिल्ली-एनसीआर ने तिमाही बिक्री में 309.7 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि केरल क्षेत्र की बिक्री 184.8 करोड़ रुपये रही।

मॉयल का उत्पादन बढ़कर 1.52 लाख टन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मैंगनीज अयस्क उत्पादक कंपनी मॉयल का उत्पादन सितंबर में 3.8% बढ़कर 1.52 लाख टन पर पहुंच गया। इस्पात मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह कंपनी का सितंबर महीने का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। उसने बताया कि अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग 5,314 मीटर पहुंच गई, जो 46% की वृद्धि है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में मिनीरत्न कंपनी का उत्पादन 10.3% बढ़कर 4.42 लाख टन पर पहुंच गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.3% अधिक है। बिक्री भी 18.6% बढ़कर 3.53 लाख टन हो गई।

बैंकों और नियामकों के पास बिना दावे वाली 1.84 लाख करोड़ की संपत्तियां

केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण ने किया आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान का शुभारंभ

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकों और नियामकों के पास 1.84 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये संपत्तियां उनके असली मालिकों तक पहुंचें।

सीतारमण ने गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, बैंकों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में गांधीनगर से तीन महीने के 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान का शुभारंभ किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि या शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से तीन महीने के अभियान के दौरान बिना दावे वाली संपत्तियों को उनके मालिकों तक पहुंचाने के लिए तीन पहलुओं जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई पर काम करने का आग्रह किया।

गुजरात में आपकी पुंजी आपका अधिकार नामक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान का शुभारंभ करतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व अन्य।

सीतारमण ने कहा कि दावे के बिना धनराशि बैंकों, आरबीआई या आईईपीएफ (निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष) के पास पड़ी है। हमें इन निधियों के असली मालिकों और दावेदारों का पता लगाना होगा और उन्हें धन सौंपना होगा। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अनुसार, 1,84,000 करोड़ रुपये वहां पड़े हैं। यह राशि सुरक्षित है। आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं। आपको धन दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि अगर किसी वजह से संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है। जमा राशि के मामले में यह बैंकों से आरबीआई के पास जाता है, और शेयर या इसी तरह की संपत्तियों के मामले में यह सेबी से किसी अन्य केंद्र या आईईपीएफ में जाता है। सीतारमण ने कहा कि आरबीआई ने यूडीजीएएम (अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स गेटवे टू एक्सेस इन्फॉर्मेशन) पोर्टल बनाया है। इसलिए, यह बिना दावे वाले क्षेत्र से दूसरे बिना दावे वाले क्षेत्र में जा रहा है।

संगठित प्रयास अभियान को बनाएगा सफल

सीतारमण ने अधिकारियों से कहा कि जागरूकता फैलाएं। उन्हें बताएं कि आपका पैसा वहां है, दस्तावेज़ के साथ आएं और इसे ले जाएं। बस उन्हें कागजात ढूंढने और पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए कहें। उन्होंने कहा कि एक संगठित प्रयास ही अभियान को सफल बनाएगा। प्रधानमंत्री ने ही उन्हें और मंत्रालय से कहा कि जगह-जगह जाकर, लोगों को फोन करके उनसे बकाया लेने के लिए कहिए।

गडकरी ने विमानन क्षेत्र में आधुनिकीकरण पर दिया जोर

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को हवाई यातायात नियंत्रण सहित विमानन क्षेत्र में वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रौद्योगिकी और नियमों को उन्नत करने का आह्वान किया। गडकरी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा नागर विमानन पर आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे।

गडकरी ने कहा कि विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि देश में हवाई अड्डों की संख्या 75 से बढ़कर 150 हो गई है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गडकरी ने कहा कि नागपुर देश के केंद्र में स्थित है और संभवतः यह भारत में सम्पूर्ण हवाई यातायात नियंत्रण का केन्द्र बन सकता है। मंत्री ने कहा कि पुराने और अप्रचलित नियमों को समाप्त करने और सुरक्षा से समझौता किए बिना वैश्विक मानकों के अनुसार नए नियम लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नए नियमों से इस क्षेत्र में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के सपने के लिए हवाई यातायात नियंत्रकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

कागज पर जीएसटी वृद्धि से कॉपी निर्माताओं में नाराजगी

संवाददाता, बलिया

- कागज पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18% करने से बढ़ेगी कॉपी निर्माताओं की लागत
- वित्त मंत्री को पत्र भेजकर शिक्षा को बढ़ावा देने को कॉपी पर जीएसटी शून्य करने की मांग

अमृत विचार : फेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र चतुर्वेदी ने कागज पर जीएसटी दर बढ़ाने को लेकर सरकार से सवाल किए। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र भेजकर मांग की कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कॉपी पर जीएसटी शून्य किया गया, लेकिन कागज पर जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18% किया गया। इससे कॉपी निर्माताओं की लागत बढ़ेगी, जिसका असर छोटे और कुटीर उद्योगों पर पड़ेगा।

प्रयाग कागज कॉपी व्यवसायी कल्याण समिति ने इस निर्णय पर नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री से गुहार लगाई। समिति का कहना है कि कागज महंगा होने से नोटबुक, किताबें और उत्तर पुस्तिकाएं 6% तक महंगी होंगी। 22 सितंबर से लागू नियमों में कागज (एचएसएन कोड 4802) पर 18% जीएसटी और कॉपी पर 0% जीएसटी लगाया गया है। इससे निर्माताओं को इनपुट टैक्स क्रेडिट रिवर्स करना होगा, जिससे छोटे व्यापारियों को नुकसान होगा।

छोटे व्यापारी जो ट्रेडर्स से कागज खरीदते हैं, अब 18% जीएसटी पर माल लेंगे। शून्य जीएसटी पर कॉपी बेचने से उनकी लागत बढ़ेगी, जिससे कॉपी की कीमतें बढ़ेंगी। व्यापारियों का कहना है कि बड़े उद्योगपति मिलों से सीधे कागज खरीदकर लाभ उठा सकते हैं, लेकिन छोटे व्यापारी इससे वंचित रहेंगे। इससे कुटीर उद्योग बंद होने की कगार पर हैं।

एक एचएसएन कोड पर दो अलग-अलग दरों से असमंजस

व्यापारियों ने बताया कि एक ही एचएसएन कोड पर दो अलग-अलग जीएसटी दरों से असमंजस की स्थिति है। कागज 18% जीएसटी पर खरीदने के बाद सस्ती कॉपी बेचना असंभव है। उन्होंने सरकार से इस नीति पर पुनर्विचार की मांग की, ताकि छोटे व्यापारियों और कुटीर उद्योगों को बचाया जा सके।

रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना को रखा बरकरार : क्रिसिल

कोलकाता, एजेंसी

क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी। आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

- अमेरिकी शुल्क से दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का रहेगा जोखिम

सिंगापुर के निवेशक भारत में तलाशें अवसर : गोयल

- इंडिया सिंगापुर: पार्टनरशिप फॉर ग्रोथ' विषय पर निवेशकों संग केंद्रीय मंत्री ने की बैठक

सिंगापुर, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर के निवेशकों से आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में भारत द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर विचार करने का आग्रह किया। गोयल ने शनिवार को 'इंडिया सिंगापुरः पार्टनरशिप फॉर ग्रोथ' विषय पर निवेशकों के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप भारत द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर गौर करें। केंद्रीय मंत्री ने भारत की तीन खास विशेषताओं पर प्रकाश डाला - इसके बाजार का आकार, अवसर और इसके कार्यबल का कौशल। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर काम करने तथा भारत सिंगापुर बिजनेस राउंडटेबल द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों को तेजी से आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के अधिकारी अथक प्रयास कर रहे हैं तथा ऐसे मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिनसे दोनों देशों के संबंधों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। सिंगापुर की यात्रा पर आए गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि एक साथ मिलकर कई नई सीमाएं हैं, जिन्हें पार करना होगा। मंत्री ने कहा कि चाहे वह पूंजी का क्षेत्र हो, अनुसंधान और विकास हो, मानव संसाधन, कौशल, प्रतिभा या शिक्षा का क्षेत्र हो, भारत और सिंगापुर मिलकर सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सिंगापुर में निवेशकों के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

उन्होंने बताया कि भारत के सभी वाणिज्य और उद्योग मंडल, सिंगापुर के चैंबर्स के साथ ही यूरोपीय, अमेरिकी और जापानी कंपनियों के प्रतिनिधि शुक्रवार को एक मंच पर एकत्र हुए ताकि भारत में मौजूद अवसरों की तलाश की जा सके।

राष्ट्रीय

शांति भंग करने वालों को देंगे मुंहतोड़ जवाब : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से किया इन्कार, कहा-हथियार डालें

जगदलपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को माओवादियों से किसी भी तरह से बातचीत की संभावना से इन्कार करते हुए कहा कि वे आत्मसमर्पण करें और विकास में सहभागी बनें। शाह ने जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव, 2025 और स्वदेशी मेला को संबोधित करते हुए एक बार फिर 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प को दोहराया। गृह मंत्री ने कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल मुंहतोड़ जवाब देंगे।

शाह ने कहा कि मैं सभी आदिवासी भाइयों बहनों को कहना चाहता हूं कि आपके ग्राम के युवाओं को हथियार डालने के लिए समझाइए। वह हथियार डाल दें, मुख्यधारा में आएं तथा बस्तर के विकास में सहभागी बनें। कुछ लोग वार्ता की बात करते हैं, मैं फिर से स्पष्ट कर देता हूं, हमारी दोनों सरकारें - छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार बस्तर और नक्सल प्रभावित हर क्षेत्र के विकास को समर्पित है, किस चीज की वार्ता करनी है, बहुत मोहक आत्मसमर्पण नीति हमने बनाई है, आइए हथियार डाल दीजिए। हथियार के बल पर बस्तर की शांति को अगर छिन्न-भिन्न करने का काम किया तो हमारे सशस्त्र बल इसका जवाब देंगे। 31 मार्च 2026 की तिथि नक्सलवाद को इस देश की भूमि पर से विदाई देने के लिए तय है।

बस्तर दशहरा महोत्सव में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

शाह ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोगों ने वर्षों तक भ्रांति फैलाई कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई है, पर मैं आदिवासी भाइयों को बताने आया हूं कि पूरा बस्तर विकास से महरूम रहा, विकास आप तक नहीं पहुंचा है इसका मूल कारण नक्सलवाद है। आज देश के हर गांव में बिजली, पीने का पानी, रोड, हर घर में शौचालय, पांच लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा, पांच किलो मुफ्त चावल और आपके धान को 3100 रुपये (प्रति क्विंटल) तक पहुंचाने की व्यवस्था हुई है। लेकिन बस्तर इसमें पीछे रह गया है। शाह ने कहा कि मैं आज प्रधानमंत्री की ओर से आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि नक्सलवादी आपके विकास को नहीं रोक पाएंगे। आपके अधिकार को नहीं रोक पाएंगे। छत्तीसगढ़ शासन ने भारत में सबसे अच्छी आत्मसमर्पण नीति बनाई है। एक ही माह में 500 से ज्यादा लोगों ने हथियार डाले हैं।

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का किया अनुरोध

शाह ने सभी से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया है। स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी का जन आंदोलन चला रहा है। अब प्रधानमंत्री ने सभी से कहा है कि संकल्प लेना है कि मेरे घर में देश में बनी हुई चीजों का उपयोग होगा। हर व्यापारी को संकल्प लेना है कि मेरी दुकान में, मेरे शॉपिंग मॉल में विदेशी चीज उपलब्ध नहीं होगी। आज मैं बताने आया हूं 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को आत्मसात करे तो भारत को दुनिया की सर्वोच्च आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। शाह ने कहा कि मोदी ने देशभर की माता-बहनों को 395 वस्तुओं में कर (जीएसटी) घटाकर राहत दी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा आदिवासियों के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने आदिवासियों के सम्मान में ढेर सारी योजनाएं शुरू की है।

प्रारंभिक परीक्षा के बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करने का लिया निर्णय : यूपीएससी

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि उसने प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होने के बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। आयोग सिविल सेवा परीक्षा समेत कई प्रतियोगी परीक्षाएं करता है। उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने कहा कि अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित की जाएगी। यह हलफनामा सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित लंबित याचिका पर दाखिल किया गया था।

यूपीएससी ने कहा कि मामले के लंबित रहने के दौरान उसने अदालत द्वारा नियुक्त न्यायमित्र के सुझाव समेत कई कारकों पर विचार-विमर्श किया है। अधिवक्ता वर्धमान कौशिक के दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि व्यापक विचार-विमर्श और संवैधानिक निकाय के रूप में यूपीएससी को सौंपी गई भूमिका को ध्यान में रखते हुए, आयोग सुविचारित निर्णय पर पहुंचा है कि प्रारंभिक परीक्षा आयोजित होने के बाद अंतरिम उत्तर कुंजी प्रकाशित किया जाए। परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों से अभ्यावेदन या आपत्तियां मांगी जाएंगी। प्रत्येक ऐसे अभ्यावेदन या आपत्ति के समर्थन में तीन प्रामाणिक स्रोत होने चाहिए तथा जिन आपत्तियों के पक्ष में प्रामाणिक स्रोत नहीं हो, उन्हें शुरुआत में ही खारिज किया जाना चाहिए। अंतरिम उत्तर कुंजी तथा प्रश्न पत्र व उत्तर कुंजी पर उम्मीदवारों से प्राप्त आपत्तियों या अभ्यावेदन को संबंधित विषय के विशेषज्ञों के समूह के समक्ष रखा जाएगा, जो सभी पहलुओं पर गहन विचार करेगी और उत्तर कुंजी को अंतिम रूप देगी।

- उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में आयोग ने रखा पक्ष

परिणामों के घोषणा की आधार होगी कुंजी

आयोग ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की टीम द्वारा तैयार की गई ऐसी अंतिम उत्तर कुंजी प्रारंभिक परीक्षा के परिणामों की घोषणा का आधार बनेगी। आयोग इन प्रक्रियाओं का पालन शुरू करना चाहता है। यूपीएससी द्वारा लिया गया निर्णय याचिका में उठाई गई शिकायतों का प्रभावी और पर्याप्त निवारण माना जाए तथा यह यूपीएससी के कामकाज में पारदर्शिता के स्तर को बढ़ाने और जनहित को आगे बढ़ाने के लिए भी है।

लोकतंत्र की आधारशिला हैं दल पारदर्शिता से निभाएं भूमिका

पटना, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने बिहार विस चुनाव को लेकर की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात

निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बिहार विस चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके सुझाव और अपेक्षाओं पर चर्चा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी भी उपस्थित थे। यह जानकारी आयोग ने एक्स पर दी।

आयोग ने अपील की कि वे लोकतंत्र की आधारशिला होने के नाते पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। आयोग ने दलों को याद दिलाया कि वे प्रत्येक बूथ पर पोलिंग एजेंटों की नियुक्ति करना न भूलें। मतदाता सूची में सुधार को चलाए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को ऐतिहासिक, पारदर्शी और ठोस कदम बताते हुए दलों की भागीदारी के लिए आभार जताया। मतदाता केंद्र पर अधिकतम 1,200 मतदाताओं की संख्या तय करने को भी राजनीतिक दलों ने सराहना की है।

चुनाव एक-दो चरणों में कराएं : भाजपा

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शनिवार को निर्वाचन आयोग से विधानसभा चुनाव एक या दो चरणों में कराने और मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर पहुंचने वाली महिलाओं के चेहरे का मिलान करने की मांग की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में बिहार आई टीम से मुलाकात करने के बाद जायसवाल ने यह बात कही।

संप्रग सरकार ने 26/11 के बाद विदेशी दबाव के चलते पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की

भुवनेश्वर, एजेंसी

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र की पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने 26/11 हमले के बाद विदेशी दबाव के चलते पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी, लेकिन देश के नेतृत्व में पाकिस्तान पर कार्रवाई की राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था।

उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से कहा होगा कि वे पाकिस्तान पर कोई त्वरित कार्रवाई न करें, जबकि मुंबई हमले में 160 लोग मारे गए थे। अपने दावे के समर्थन में पात्रा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के हालिया साक्षात्कार का हवाला दिया। उन्होंने चिदंबरम के उस साक्षात्कार को उद्धृत किया, जिसमें उन्होंने कहा था, पूरी दुनिया दिल्ली पर टूट पड़ी ताकि पाकिस्तान के खिलाफ भौतिक प्रतिशोध की कार्रवाई को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि चिदंबरम के बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह उस समय देश के गृह मंत्री थे। मुंबई पर 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के चार दिन बाद 30 नवंबर को चिदंबरम ने गृहमंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली थी। पात्रा ने कहा कि 2014 से पहले भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह स्थिति बदल गई, क्योंकि देश को मजबूत सशस्त्र बल और राजनीतिक इच्छाशक्ति मिली। पात्रा ने दावा किया कि पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार अमेरिकी सरकार से सलाह लेने के बाद कैबिनेट मंत्रियों का चयन करती थी।

- भाजपा सांसद ने दावे के समर्थन में कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के हालिया साक्षात्कार का दिया हवाला

जालंधर में दो समुदाय के बीच झड़प, तनाव

जालंधर। पंजाब के जालंधर में शुक्रवार को दो समुदायों के बीच झड़प होने से तनाव पैदा हो गया। यह झड़प उस समय हुई जब एक समूह आई लव मोहम्मद मुहिम को लेकर उत्तर प्रदेश के बरेली में की गई गिरफ्तारियों के संबंध में प्राधिकारियों को ज्ञापन देने गया था।

पुलिस ने बताया कि जब एक समुदाय ने आई लव मोहम्मद मुहिम के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा बरेली में की गिरफ्तारियों के विरोध में मार्च निकाला, जिनको गिरफ्तार किया गया है उनमें एक स्थानीय मौलवी भी है। जब समूह पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपने को एकत्र हुआ तो दूसरे समुदाय के स्कूटर सवार युवक से उनकी बहस हो गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि युवक ने धार्मिक नारे लगाए जबकि युवक का कहना है कि उससे रोककर मारपीट हुई और स्कूटर की चाबी छीन ली गई।

कदाचार में निचली अदालत के दो न्यायाधीश बर्खास्त

मुंबई, एजेंसी

- अनुशासन समिति की जांच के बाद बंबई उच्च न्यायालय ने लिया फैसला

बंबई उच्च न्यायालय ने कदाचार एवं न्यायपालिका के अधिकारियों के अनुरूप आचरण न करने के आरोप में निचली अदालत के दो न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम और दीवानी न्यायाधीश इरफान शेख को बर्खास्त करने का फैसला एक अनुशासन समिति की जांच के बाद लिया गया।

निकम पर रिश्वतखोरी और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई करने वाले शेख पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने एवं जांच के दौरान जब्त नशीले पदार्थों का दुरुपयोग करने का आरोप है। शेख के खिलाफ उच्च न्यायालय में दायर याचिका अब भी लंबित है। उच्च न्यायालय ने दोनों को बर्खास्त करने का शुक्रवार को आदेश दिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत देने के लिए पांच लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में सातारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। निकम ने जनवरी में अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि वह निर्दोष हैं एवं उन्हें मामले में फंसाया गया है। उच्च न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत देने से मार्च में इन्कार कर दिया था।

डल झील की सफाई

नाविको ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में स्थित डल झील से खरपतवार हटाने का काम किया। इस विश्व प्रसिद्ध झील में शिकारे की सैर करने हर साल बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं।

कफ सिरप : हो सकते हैं जहरीले केमिकल, सावधानी जरूरी

कफ सिरप एक आम दवा है जिसका उपयोग खांसी और सर्दी के इलाज के लिए किया जाता है। लेकिन कुछ कफ सिरप में जहरीले केमिकल होते हैं जो बच्चों की जान ले सकते हैं? हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत हो गई है, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। ऐसे में इसके उपयोग में सावधानी जरूरी है। कफ सिरप बच्चों को देने के पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। सरकार और कंपनियों को कफ सिरप की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। लोगों को भी कफ सिरप के बारे में जागरूक करना होगा।

सिरप में क्या इस्तेमाल होते हैं केमिकल?

कफ सिरप में आमतौर पर पेरासिटामोल, डेक्सट्रोमेथॉर्फन और ग्लिसरीन जैसे तत्व होते हैं। लेकिन कुछ कंपनियां लागत कम करने के लिए इन तत्वों की जगह जहरीले केमिकल जैसे डायएथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल का उपयोग करती हैं। ये केमिकल किडनी और लीवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

ड्राई - वेट कफ के लिए अलग होते हैं सिरप

- ड्राई कफ सिरप : यह सूखी खांसी को दबाने के लिए काम करता है।
- वेट कफ सिरप : यह बलगम को पतला करके उसे बाहर निकालने में मदद करता है।

कोल्ड्रिफ सिरप पर लगा प्रतिबंध, जांच शुरू

सरकार ने कफ सिरप की जांच के लिए कई कदम उठाए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने मध्यप्रदेश में दूषित कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत की खबरों के बाद छह राज्यों में कफ सिरप और एंटीबायोटिक समेत 19 दवाओं की विनिर्माण इकाइयों में जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू किया है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश सरकार ने कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है।

11 बच्चों की हो चुकी है मौत

हाल ही में, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत हो गई है। इनमें से 9 मौतें मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में हुई हैं। इसके अलावा, गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भी कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरें आई हैं।

नियम और सुरक्षा उपाय

केंद्र सरकार ने 2 साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप देने पर रोक लगा दी है। इसके अलावा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एडवाइजरी जारी कर कहा है कि कफ सिरप को डॉक्टर की सलाह से ही लेना चाहिए और निर्धारित मात्रा से अधिक नहीं लेना चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने छह कैदियों को फांसी पर लटकाया

दुबई। ईरान ने देश के तेल समृद्ध दक्षिण-पश्चिम में इजराइल की ओर से हमले करने के मामले में मृत्युदंड पाने वाले छह कैदियों पर फांसी दे दी। ईरान में कैदियों को फांसी दिए जाने की कार्रवाई तेज हो गई है। ईरान ने कहा कि इन लोगों ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या की थी तथा ईरान के अशांत खुजस्तान प्रांत में खोर्रमशहर के आसपास के स्थलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए थे।

काठमांडू में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने लगातार बारिश और अगले तीन दिन तक भूस्खलन की आशंका के कारण शनिवार को काठमांडू में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक नोटिस जारी कर कहा कि शनिवार से सोमवार तक काठमांडू घाटी में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इटली में नागपुर के व्यवसायी की मौत

नागपुर। इटली में नागपुर के एक होटल व्यवसायी और उनकी पत्नी छुट्टियों के आखिरी दिन दो अक्टूबर को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि उनके बच्चे घायल हो गए, घायलों में से एक गंभीर है। सिविल लाइंस निवासी जावेद अख्तर, उनकी पत्नी नादरा, बेटा जाजेल, बेटियां आरजू और शिफा इटली और फ्रांस यात्रा पर गए थे।

गाजा पर बमबारी बंद करे इजराइल : ट्रंप

हमास युद्ध रोकने संबंधी योजना के कुछ बिंदुओं पर सहमत, इजराइल अपने सिद्धांतों के अनुसार सहयोग देगा

दीर अल-बलाह (गाजा), एजेंसी

गाजा में युद्ध खत्म कराने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास ने स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद ट्रंप ने इजराइल को बमबारी तुरंत रोकने का आदेश दिया है। हमास ने कहा है कि वह बंधकों को रिहा करेगा और सत्ता अन्य फलस्तीनियों को सौंपेगा, हालांकि योजना के कुछ अन्य बिंदुओं पर फलस्तीनियों के बीच विस्तृत चर्चा होगी।

हमास के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कुछ प्रमुख असहमतियां हैं, जिनपर विस्तृत चर्चा की जरूरत है। ट्रंप ने हमास के फैसले का स्वागत करते हुए लिखा कि मुझे लगता है कि वे दीर्घकालिक शांति के लिए तैयार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि इजराइल को गाजा में बमबारी तुरंत रोकनी होगी ताकि बंधकों को सुरक्षित तथा शीघ्र रिहा कराया जा सके। फिलहाल हमले जारी रखना बहुत खतरनाक होगा।

इस बीच, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल गाजा में युद्ध खत्म कराने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के पहले चरण को लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इजराइल अपने सिद्धांतों के अनुसार युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप को पूरा सहयोग देगा।

हमास की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि गाजा के भविष्य और फलस्तीनी अधिकारों से संबंधित प्रस्ताव के पहलुओं पर निर्णय अन्य गुटों की सर्वसम्मति और अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर लिया जाएगा। बयान में हमास के हथियार डालने के बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो ट्रंप के प्रस्ताव में शामिल इजराइल की एक प्रमुख मांग थी। मुख्य मध्यस्थों मिस्र और कतर ने ताजा घटनाक्रमों का स्वागत किया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने कहा कि वे योजना पर चर्चा जारी रखेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासिचव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने सभी पक्षों से गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने के इस अवसर का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सभी बंधकों की रिहाई और गाजा में संघर्ष विराम करीब है। इजराइली बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्य संगठन ने कहा कि लड़ाई रोकने की ट्रंप की मांग बंधकों को गंभीर व अपरिवर्तनीय क्षति से बचाने के लिए आवश्यक है। संगठन ने नेतन्याहू से सभी बंधकों को वापस लाने के लिए तुरंत सार्थक वार्ता शुरू करने का आह्वान किया।

ट्रंप ने दी थी हमास को युद्ध की चेतावनी

इससे पहले ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि हमास को रविवार शाम तक योजना को मंजूरी देनी होगी, वरना और बड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा था कि अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी भी तरह शांति कायम की जाएगी। ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त कराने के लिए एक योजना पेश की थी।

गाजा में शांति प्रयासों को मोदी ने दिया समर्थन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि गाजा में शांति प्रयासों में निर्णायक प्रगति के बीच भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने चमरपंथी संगठन हमास की ओर से इजराइली बंधकों की रिहाई के संकेतों का उल्लेख किया और कहा कि यह क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने एक्स पर कहा कि भारत शांति की दिशा में किए गए सभी प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता रहेगा। ट्रंप ने इजराइल और हमास के बीच दो वर्ष से जारी युद्ध को समाप्त कराने की एक शांति योजना पेश की थी।

युद्ध समाप्त कराने की ट्रंप योजना

ट्रंप की इस योजना के तहत हमास तीन दिन के अंदर शेष 48 बंधकों को इजराइल को सौंपेगा, जिनमें से करीब 20 की मौत होने की आशंका है। इसके अलावा हमास को सत्ता छोड़नी होगी और हथियार डालने होंगे। इसके बदले इजराइल हमले रोकेगा और गाजा के अधिकतर क्षेत्र से पीछे हट जाएगा। साथ ही इजराइल को सैंकड़ों फलस्तीनी कैदियों को छोड़ना होगा और गाजा के पुनर्निर्माण के लिए मानवीय मदद की आपूर्ति को मंजूरी देनी होगी। गाजा की अधिकांश आबादी को अन्य देशों में स्थानांतरित करने की योजना स्थगित कर दी जाएगी। गाजा का प्रशासन एक अस्थायी, तकनीकी और गैर-राजनीतिक फलस्तीनी निकाय को सौंपा जाएगा, जिसकी निगरानी बोर्ड ऑफ पीस करेगा। इस निकाय के अध्यक्ष राष्ट्रपति ट्रंप होंगे और इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर सहित अन्य वैश्विक नेता सदस्य होंगे।

गाजा में हमला नहीं करेगा इजराइल

तेल अवीव। गाजा में युद्ध खत्म करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि वह योजना के पहले चरण के लिए तैयारियां तेज करेगी। सेना ने कहा कि इजराइली नेताओं ने योजना के कार्यान्वयन के लिए तैयारियां तेज करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने गाजा में रक्षात्मक स्थिति अख्तियार कर ली है और वह हमला नहीं करेगा। बताया कि गाजा से कोई भी सुरक्षा बल नहीं हटाया गया है। इससे कुछ घंटे पहले ट्रंप ने योजना के कुछ बिंदुओं को हमास की ओर से स्वीकार करने के बाद इजराइल को गाजा में हमले रोकने का आदेश दिया था।

ताकाइची चुनी गईं जापान की सत्तारूढ़ पार्टी की नेता

तोक्यो, एजेंसी

- बन सकती हैं देश की पहली महिला प्रधानमंत्री
- रूढ़िवादी एलडीपी की पहली महिला नेता बनकर इतिहास रचा

साने ताकाइची।

जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने शनिवार को पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुना, जिसके साथ ही उनके देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने की संभावना बढ़ गई है।

लैंगिक समानता के मामले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब स्थिति में माने जाने वाले देश में, ताकाइची (64) ने लंबे समय से शासन कर रही रूढ़िवादी एलडीपी की पहली महिला नेता बनकर इतिहास रच दिया है। ताकाइची पुरुष-प्रधान पार्टी की सबसे रूढ़िवादी सदस्यों में से एक हैं। वह जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की अति-रूढ़िवादी विचारधारा की समर्थक हैं। वह नियमित रूप से यासुकुनी श्राइन जाती हैं, जिसे जापान के युद्धकालीन सैन्यवाद का प्रतीक माना जाता है।

शनिवार को एलडीपी द्वारा कराए गए मतदान में ताकाइची ने कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को परास्त किया, जो लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के पुत्र हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की जगह ली है। पार्टी को उम्मीद है कि वह जनता का समर्थन फिर से हासिल करके सत्ता में बनी रहेगी।

ताकाइची के जापान की अगली प्रधानमंत्री बनने की संभावना है क्योंकि पार्टी निचले सदन में अब तक सबसे बड़ी पार्टी है और विपक्षी समूह बुरी तरह से बिखरे हुए हैं। उन्होंने जापान-अमेरिका गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प लिया। ताकाइची ने बाद में कहा कि वह बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए तुरंत काम करेंगी, साथ ही कूटनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित करेंगी। देश में संसदीय मतदान अक्टूबर के मध्य में होने की उम्मीद है।

1 लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क के खिलाफ केस

सिएटल, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के शुल्क के खिलाफ स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, धार्मिक समूहों, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और अन्य लोगों के एक समूह ने शुक्रवार को एक संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया।

- एच-1बी वीजा

समूह ने मुकदमा दायर करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की इस योजना ने नियोक्ताओं, श्रमिकों और संघीय एजेंसियों को अराजक स्थिति में डाल दिया है। ट्रंप प्रशासन ने नए एच1बी कामकाजी वीजा के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर के एकमुश्त शुल्क की घोषणा की है। सैन फ्रांसिस्को स्थित 'यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' में दायर मुकदमे में कहा गया है कि एच-1बी कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और शिक्षकों की नियुक्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। मुकदमे में कहा गया है कि यह अमेरिका में नवोन्मेष एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है और नियोक्ताओं को विशिष्ट क्षेत्रों में रिक्तियां भरने का अवसर प्रदान करता है। इस मामले में कोई राहत नहीं मिलने पर अस्पतालों को चिकित्सा कर्मचारियों, गिरजाघरों को पादरियों एवं कक्षाओं को शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ेगा।

श्रीनगर में टीआरएफ कमांडर सज्जाद शेख की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, एजेंसी

- यूएपीए के तहत की गई आतंकी सरगना के खिलाफ कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को यहां गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के प्रमुख और पहलगाम हमले के कथित मुख्य साजिशकर्ता सज्जाद अहमद शेख की संपत्ति कुर्क कर ली। एक अधिकारी ने बताया कि टीआरएफ लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक छद्म संगठन है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अप्रैल 2022 में सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल को आतंकवादी घोषित किया था और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम रखा था।

सज्जाद शेख।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादी नेटवर्क और उनके सहायक ढांचों को ध्वस्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्रीनगर पुलिस ने शहर के एचएमटी इलाके में रोज एवेन्यू स्थित 15 मरला भूमि पर निर्मित तीन मंजिला आवासीय इमारत को कुर्क किया है। प्रवक्ता के मुताबिक, राजस्व रिकॉर्ड और तहसीलदार सेंट्रल, शाल्टेंग, श्रीनगर से प्राप्त सत्यापन रिपोर्ट के हिसाब से संपत्ति की कीमत लगभग दो करोड़ रुपये है और इसका मालिकाना हक गुलाम मोहम्मद शेख के पास है, जो आतंकवादी सज्जाद अहमद शेख उर्फ सज्जाद गुल का पिता है। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, संपत्ति आतंकवादी के पिता के नाम पर पंजीकृत है, लेकिन जांच से पता चला है कि गुल इसमें सक्रिय हिस्सेदार है। परिमपोरा पुलिस थाने में यूएपीए की प्रासंगिक धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी संख्या 235/2022 के संबंध में संपत्ति की कुर्की की गई है। प्रवक्ता के अनुसार, यह कार्रवाई यूएपीए की धारा-25 के तहत की गई है, जो अधिकारियों को आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की गई या इस्तेमाल की जाने वाली संपत्तियों को कुर्क करने का अधिकार देती है। प्रवक्ता ने बताया कि कुर्की संबंधित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गई।

नीरव मोदी की प्रत्यर्पण केस खोलने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन की एक अदालत भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर 23 नवंबर को सुनवाई करेगी, जिसमें उसके प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोले जाने का अनुरोध किया गया है। नीरव मोदी ने इस आधार पर याचिका दायर की है कि अगर उसे भारत वापस लाया गया, तो विभिन्न एजेंसी उससे पूछताछ कर सकती हैं।

- पूछताछ को बनाया आधार, ब्रिटेन की कोर्ट में 23 नंवबर को सुनवाई

एजेंसी उसके इस दावे का यह आश्वासन देकर खंडन कर सकती हैं कि उससे पूछताछ नहीं की जाएगी। इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मोदी उच्चतम न्यायालय के स्तर तक उपलब्ध अपनी सभी कानूनी अपीलों का इस्तेमाल कर चुका है और इस बार उसने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए 'वेस्टमिंस्टर' न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। समझा जाता है कि उसने यह दलील दी है कि यदि उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया, तो विभिन्न एजेंसी उससे पूछताछ करेंगी, जिसके परिणामस्वरूप उसे यातनाएं दी जा सकती हैं। मामले की जांच कर रहीं एजेंसी अदालत के समक्ष अपना पुराना आश्वासन दोहरा सकती हैं कि प्रत्यर्पित किए जाने पर मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ क्वांटम कंप्यूटिंग पर समझौता

लंदन, एजेंसी

- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर की अगले सप्ताह मुंबई यात्रा से पहले समझौते पर हस्ताक्षर

क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता अगले सप्ताह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर की मुंबई यात्रा से पहले हुआ है। यह परियोजना 'भारत-यूके टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव' (टीएसआई) का हिस्सा है, जो क्वांटम तकनीक पर आधारित है। इसका उद्देश्य मृदा सूक्ष्मजीवों को बेहतर बनाना और सूखे व जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की रक्षा के नए तरीके खोजना है।

पिछले वर्ष हस्ताक्षरित 'भारत-यूके टीएसआई' मंगलवार को मुंबई में शुरू हो रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने पर एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी, मुंबई जाने वाले प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में शामिल होंगे। इंपीरियल कॉलेज के डॉ. पो-हेंग (हेनरी) ली और आईआईटी बॉम्बे के डॉ. इंद्रजीत चक्रवर्ती के नेतृत्व वाली एक टीम पहले से ही मिट्टी में पौधों और बैक्टीरिया के बीच जटिल अंतःक्रियाओं का मॉडल बनाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग का इस्तेमाल कर रही है।

आईआईटी बांबे और इंपीरियल कॉलेज लंदन योजना से जुड़े

डॉ. ली ने कहा, इस साझेदारी ने सूक्ष्मजीव पारिस्थितिकी और जीनोमिक्स में आईआईटी बॉम्बे की विशेषज्ञता को जैव सूचना विज्ञान एवं क्वांटम कंप्यूटिंग सिमुलेशन में इंपीरियल कॉलेज की क्षमताओं के साथ जोड़ दिया है। उन्होंने कहा, यह परियोजना वैश्विक खाद्य सुरक्षा और जलवायु से जुड़ीं तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्वांटम प्रौद्योगिकियों का मार्ग प्रशस्त करती है।

बहु विषयक क्षेत्र है क्वांटम कंप्यूटिंग

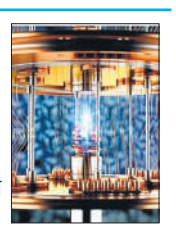

क्वांटम कंप्यूटिंग एक बहु-विषयक क्षेत्र है जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी और गणित के पहलू शामिल हैं। यह क्वांटम यांत्रिकी का उपयोग करके जटिल समस्याओं को पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में तेज़ी से हल करता है। क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हार्डवेयर अनुसंधान और अनुप्रयोग विकास शामिल है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 अक्टूबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 15.03 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

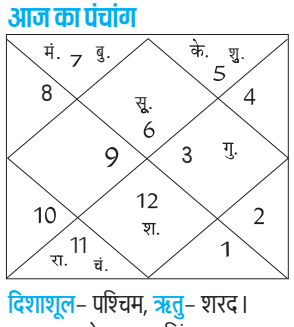

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 08.01 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष आज रोजगार के नए विकल्प मिलने से उत्साहित रहेंगे। प्रेम विवाह के लिये परिवार को सहमत करने में सफलता मिलेगी। नई संपत्ति खरीद सकते हैं। अपनी इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास करें। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृष आज उलझा हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी राय और विचारों की लोग अपेक्षा करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अत्यंत शुभ है। फिर भी किसी भी मुद्दे पर सावधानीपूर्वक प्रतिक्रिया दें। छोटे बच्चों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

मिथुन आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यर्थ के कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। यात्रा के दौरान सेहत और सामान की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा। आप अनुसंधान के मूड में हो सकते हैं। बजट का ध्यान रखते हुए काम करें।

कर्क आज आत्मकेन्द्रित होने के कारण मित्रगण आपसे नाराज हो सकते हैं। बुजुर्ग लोगों को घुटने व कमर में दर्द की शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी से कोई बात न छिपाएं। शारीरिक और आर्थिक दृष्टिकोण से दिन कमजोर हो सकता है।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। साझेदारी में व्यवसाय प्रारंभ करने की योजना बना सकते हैं। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। परिवार का वातावरण खुशनुमा रहेगा।

कन्या आज उधार लेन-देन सावधानी पूर्वक करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने का प्रयास करें। यदि किसी महत्वपूर्ण बैठक के लिए जा रहे हैं तो आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला आज बातचीत के दौरान सरल शब्दों का प्रयोग करें। वरना आपकी बातों का गलत मतलब भी निकल सकता है। अप्रत्याशित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को तनाव हो सकता है। बच्चों की गलत आदतों को अनदेखा न करें।

वृश्चिक आज रियल एस्टेट में सावधानी पूर्वक निवेश करें। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र की समस्याओं को दूर करने में सफलता मिलेगी। आपको दौड़-धूप अधिक करनी पड़ेगी।

धनु आज दांपत्य संबंधों में आनंद का अनुभव करेंगे। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। जीवनशैली में नयापन आएगा। नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है।

मकर आज संतान को लेकर कुछ चिंतित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में थोड़ी कठिनाई महसूस होगी। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से आपको परेशानी होगी। आपको झूठ बोलने से बचना चाहिए। परिवार के सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ आज आप ऑनलाइन शॉपिंग में अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार को धन उधार देना पड़ सकता है। आपके व्यवहार में शालीनता रहेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। खरीदारी के दौरान अपने बजट का ध्यान रखें।

मीन आज कारोबार में विस्तार करने में कठिनाई होगी। दिखावे के चक्कर में अपना नुकसान न करवाएं। जीवनसाथी के साथ झगड़ा हो सकता है। परिस्थितियों पर क्रोध करने के बजाय, उन्हें शांति से निपटाएं। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

सुडोकू - 120

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		3				9		
4	8		3				5	7
		9		7		6		
6				1	5		7	
	3						8	
	9		2	3				4
		7				8		3
3	6				8		2	
		1				4		

सुडोकू - 119 का हल

5	8	1	2	3	7	4	6	9
4	7	3	9	1	6	8	2	5
6	9	2	5	8	4	7	1	3
8	6	5	4	7	2	9	3	1
9	3	7	6	5	1	2	4	8
1	2	4	8	9	3	6	5	7
7	4	8	3	6	5	1	9	2
2	5	9	1	4	8	3	7	6
3	1	6	7	2	9	5	8	4

"रोहित शर्मा, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आप एक शानदार कप्तान रहे हैं। आप रणनीति बनाने में माहिर थे। आपने टीम को सिखाया कि अगर बड़े मौकों पर जीतना है तो जोखिम लेना ही होगा।
- दिनेश कार्तिक

स्टेडियम

कानपुर, रविवार 5 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगी तस्नीम व श्रीयांशी

अल ऐन (यूएई), एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सफर शनिवार को यहां 120,000 अमेरिकी डॉलर इनामी अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में समाप्त हो गया लेकिन उभरती हुई शटलर तस्नीम मीर और श्रीयांशी वालीशेट्टी ने विपरीत अंदाज में जीत के साथ महिला एकल के फाइनल में एक दूसरे से भिड़ंत पक्की की। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर में पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 20 वर्षीय तस्नीम ने तुर्की की पांचवीं वरीयता प्राप्त नेस्लिहान एरिन को 9-21, 21-17, 21-10 से हराया जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त श्रीयांशी ने इंडोनेशिया की चियारा मारवेला हांडोयो को 21-11, 21-12 से मात दी। दोनों भारतीयों के लिए यह पहला फाइनल होगा। वहीं 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और 50 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के शोलेह ऐदिल से 4-21, 21-11, 19-21 से हार गए। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकारुनन और एम आर अर्जुन की भारतीय जोड़ी ने सिंगापुर के इंग केट वेस्ली कोह और जुनसुके कुबो को 52 मिनट में 20-22, 21-14, 21-16 से हराया। फाइनल में उनका सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त रेमंड इंद्र और निकोलस जोआक्विन की जोड़ी से होगा।

फुटबॉल प्रशासक एनके भाटिया का निधन, दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। फुटबॉल दिल्ली (डीएसए) के पूर्व उपाध्यक्ष और पूर्व सचिव एनके भाटिया का निधन हो गया है। भाटिया के निधन से डीएसए ने अपने सबसे ईमानदार और जुझारू सेवक को खो दिया है। अर्थात उनके जाने से फुटबाल और मीडिया के बीच का पुल ढह गया है। दिल्ली में फुटबॉल के क्षेत्र में उनका योगदान सचमुच अतुलनीय था। 1970 के दशक से फुटबॉल में सक्रिय भाटिया ने फुटबॉल एसोसिएशन के मानद सचिव और कोषाध्यक्ष सहित अनेक पदों पर कार्य किया और एआईएफएफ की स्थायी समितियों में विभिन्न पदों पर रहे। उनके नेतृत्व में, दिल्ली ने कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिताओं की सफलतापूर्वक मेजबानी की। नरेन्द्र भाटिया, जिन्हें उनके दोस्त 'स्वीटी' नाम से बुलाते थे सचमुच बेहद स्वीट इंसान थे, जिन्हें गुस्सा कभी आता ही नहीं था। 50 साल से भी अधिक समय तक डीएसए के विभिन्न पदों पर रहे।

अमांडा एनिसिमोवा ने कोको गॉफ को हराया

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ की चाइना ओपन में अपना खिताब बचाने की उम्मीद शनिवार को यहां हमवतन तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा से सेमीफाइनल में मिली हार से टूट गई। इस साल अमेरिकी ओपन और विम्बलडन की उप विजेता अमांडा ने गॉफ को महज 58 मिनट में 6-1 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब अमांडा का सामना पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला और लिंडा नोसकोवा के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

शुभमन बने भारत के नये वनडे कप्तान, रोहित व कोहली टीम में

मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयनित शुभमन गिल की अगुवाई वाले वनडे टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली शामिल हैं। श्रेयस अय्यर को भारतीय वनडे टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित और कोहली चैंपियंस ट्रॉफ़ी फ़ाइनल के बाद पहली बार भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। हार्दिक पांड्या स्ट्रेन इंजरी के चलते वनडे और टी20 टीम से बाहर हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह को वनडे टीम से आराम दिया गया है, हालांकि बुमराह टी20 टीम में शामिल हैं। मोहम्मद सिराज की वनडे टीम में वापसी हुई है। रवींद्र जडेजा वनडे टीम में शामिल नहीं हैं।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले के लिए चयनित भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने टीम की घोषणा करते हुए कहा कि तीन अलग-अलग प्रारूपों में कप्तान होना रणनीतिक तौर पर व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप अभी दो वर्ष दूर है। लेकिन इस बीच भारत कितने वनडे खेलेगा यह स्पष्ट नहीं है इसलिए नए कप्तान के पास पर्याप्त समय होना चाहिए। आगरकर ने कहा कि सिर्फ़ चयनकर्ताओं के लिए ही नहीं कोच के लिए तीन अलग-अलग लोगों के साथ काम करना आसान नहीं रहता। जडेजा के वनडे टीम में शामिल नहीं होने पर आगरकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अधिक वनडे नहीं खेलने थे, इसलिए वहां की परिस्थितियों के लिहाज से टीम में अधिक स्पिनरों की जरूरत नहीं थी। हार्दिक इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फ़िट नहीं थे। ऑस्ट्रेलिया में भारत को तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी जो कि 19 अक्टूबर से शुरू होगा और 25 अक्टूबर को वनडे सीरीज का अंतिम मैच खेला जाएगा। वहीं पांच मैचों की टी20 सीरीज का आग़ाज 29 अक्टूबर को होगा और आठ नवंबर को सीरीज का अंतिम मैच खेला जाएगा।

- श्रेयस अय्यर बने भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान

आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय वनडे टीम

- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल व यशस्वी जायसवाल।

टी-20 मुकाबले के लिए चयनित भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

भारत की टी20 टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

भारत ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया

भारतीयों की गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज की दूसरी पारी महज 146 रन पर सिमटी

अहमदाबाद, एजेंसी

उपकप्तान रविंद्र जडेजा के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को पहले क्रिकेट टेस्ट में तीन दिन के भीतर ही एक पारी और 140 रन से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1 - 0 से बढत बना ली । भारत ने पहली पारी कल के स्कोर पांच विकेट पर 448 रन पर घोषित करके 286 रन की बढत बना ली थी । वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 45 .1 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई । बल्लेबाजी में नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने दूसरी पारी में 54 रन देकर चार विकेट लिए । दूसरा टेस्ट दस अक्टूबर से दिल्ली में खेला जायेगा ।

कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा कि यह हमारे लिये परफेक्ट मैच था । तीन शतक और इतनी शानदार फील्डिंग । तीसरे दिन पिच से मिल रही मदद का मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने पूरा फायदा उठाया । सिराज ने 40 रन देकर चार और बुमराह ने 42 रन देकर तीन विकेट लिये । भारतीय पारी में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (100) ने नौ साल बाद देश में टेस्ट शतक लगाया । विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने पहला टेस्ट शतक जड़ा और जडेजा 104 रन बनाकर नाबाद रहे । तीसरे दिन सुबह के सत्र में पिच से मदद की संभावना में भारत ने पारी कल के स्कोर पर ही घोषित कर दी । जडेजा की अगुवाई में स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को दबाव में रखा । सलामी बल्लेबाज तेजनारायण चंद्रपॉल (आठ) और जॉन कैंपबेल ने सकारात्मक शुरूआत की लेकिन आठवें ओवर में नितीश रेड्डी ने स्क्वेयर लेग पर शानदार कैच लपककर भारत को पहली कामयाबी दिलाई । सिराज की शॉर्ट गेंद पर चंद्रपॉल ने शॉट खेला और रेड्डी ने अपनी बायीं ओर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा । जडेजा ने कैंपबेल (14) को रवाना किया । चौथे नंबर पर उतरे ब्रेंडन किंग (पांच) ने पहली स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया । वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस (एक) को स्पिनर कुलदीप यादव ने आउट किया । छठे नंबर पर आये शाइ होप ने जडेजा की गेंद पर कट शॉट खेला और यशस्वी जायसवाल ने शॉर्ट थर्डमैन पर अपने दाहिने ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ लिया । जडेजा एक मैच में शतक और पारी के पांच विकेट लेने का कारनामा एक बार फिर अपने नाम करने से चूक गए । वह पहले दो बार यह कमाल कर चुके हैं । लंच के बाद सिराज ने जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वारिकन (0) को पवेलियन भेजा । वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने एलिक अथानाजे (38) का रिटर्न कैच लपका । कुलदीप ने जेडेन सील्स (22) का अपनी ही गेंद पर कैच पकड़ा ।

विकेट लेने के बाद रवीन्द्र जडेजा को बधाई देते साथी खिलाड़ी। एजेंसी

- नाबाद शतक जमाने वाले जडेजा ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में लिए चार विकेट

स्कोर कार्ड

- वेस्टइंडीज पहली पारी : 162 रन
- भारत पहली पारी : पांच विकेट पर 448 रन (घोषित)

वेस्टइंडीज दूसरी पारी

जान कैंपबेल का सुदर्शन बो जडेजा	14
तेजनारायण चंद्रपॉल का रेड्डी बो सिराज	8
एलिक अथानाजे का और बो सुंदर	38
ब्रेंडन किंग का राहुल बो जडेजा	5
रोस्टन चेस बो कुलदीप	1
शाइ होप का जायसवाल बो जडेजा	1
जस्टिन ग्रीव्स पगबाधा बो सिराज	25
खारी पियरे नाबाद	13
जोमेल वारिकन का गिल बो सिराज	0
जोहान लेन का सिराज बो जडेजा	14
जेडेन सील्स का और बो कुलदीप	2

अतिरिक्त : पांच रन

योग : 45 .1 ओवर में 146 रन

विकेट पतन : 12-1, 24-2, 34-3, 35-4, 46-5, 92-6, 98-7, 98-8, 122-9

गेंदबाजी

गेंदबाज	ओवर	मेडेन	रन	विकेट
बुमराह	6	1	16	0
सिराज	11	2	31	3
जडेजा	13	3	54	4
कुलदीप	8.1	3	23	2
सुंदर	7	1	18	1

गिल बोले

- कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हमारे लिए यह परफेक्ट मुकाबला था। हमने अच्छी बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बारिश की भेंट चढ़ा ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका का मैच

कोलंबो, एजेंसी। लगातार बारिश के कारण शनिवार को श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप के मैच को रद्द करना पड़ा। लगातार बारिश के कारण टॉस भी नहीं हो सका। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका दोनों ने इस मैच से एक-एक अंक साझा किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब दो मैचों में तीन अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है जबकि श्रीलंका दो मैचों में एक अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के सामने अगले मैच में आठ अक्टूबर को इसी मैदान पर पाकिस्तान की चुनौती होगी जबकि श्रीलंकाई टीम आर. प्रेमदासा स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। कोलंबो में ही रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच होना है और मौसम विभाग के अनुसार छिटपुट बारिश और 99 प्रतिशत बादल छाए रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 89 रन से हराया था जबकि श्रीलंका को टूर्नामेंट के पहले मैच में भारत के हाथों डकवर्थ लुईस पद्धति से 59 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

मार्श के तूफानी शतक से ऑस्ट्रेलिया विजयी

माउंट मोनगानुई (न्यूजीलैंड), एजेंसी

मिचेल मार्श (नाबाद 103 रन) के पहले टी20 शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराकर चैपल हैडली श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 50 गेंद में शतक जड़ दिया था। उन्होंने अपनी 73वीं पारी में आठ चौके और सात छक्के की मदद से 52 गेंद में 103 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बीच के ओवरों में जल्दी जल्दी कई विकेट गंवा दिए लेकिन मिचेल मार्श एक छोर पर डटे रहे जिससे टीम ने दो ओवर रहते सात विकेट पर 160 रन बनाकर न्यूजीलैंड के नौ विकेट पर 156 रन के स्कोर को पार कर लिया।

इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नौ विकेट पर 156 रन ही बना सकी जिसमें सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट 35 गेंद में 48 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। सिफर्ट के अलावा कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने 26 और जिम्मी नीशाम ने 25 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड ने 26 रन देकर और जेवियर बार्टलेट ने 25 रन देकर दो दो विकेट झटके जबकि सीन एबोट ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने छह ओवर में एक विकेट गंवाकर 62 रन बना लिए थे। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलियाई पारी के मध्य ओवरों में विकेट चटकाकर दबाव बनाया जिसमें नीशाम ने छह रन देकर चार विकेट हासिल किए। पर मिचेल मार्श टीम को जीत तक ले गए।

उल्लेखनीय है कि दूसरा वन-डे बारिश की चलते रद हो गया था।

शतकवीर मिचेल मार्श।

361 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शेष भारत की टीम लड़खड़ाई

ईरानी ट्राफी

नागपुर, एजेंसी

अंशुल कम्बोज (चार विकेट), सारांश जैन, मानव सुथार और गुरनूर बरार (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर शेष भारत ने शनिवार को विदर्भ को दूसरी पारी में 94.1 ओवर में 232 रन के स्कोर पर समेट दिया। 361 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे शेष भारत ने स्टंप के समय 12 ओवर में 30 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए हैं।

विकेट चटकाने के बाद खुशी का इजहार करते विदर्भ के खिलाड़ी। एजेंसी

दूसरी पारी में आर्यन जुयाल (छह), अभिमन्यु ईश्वरन (17) पर चलते बने। चौथे दिन का खेल खत्म होने के समय शेष भारत ने दो विकेट पर 30 रन बना लिये हैं। उसे जीत को 331 रनों की जरूरत है।

आईओसीएल को हराकर रेलवे ने जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल,महिला) को हराकर पांचवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीत लिया। भारतीय खेल प्राधिकरण ने नई दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के खिलाफ कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

फाइनल मैच में, रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महिला) को 5-1 से हराया। नवनीत कौर (नौवें, 21वें, 54वें) ने शानदार हैट्रिक बनाकर अपनी टीम के ट्रॉफी जीतने के इरादे को पुख्ता किया। सलीमा टेटे (39वें) और संगीता कुमारी (52वें) ने भी एक-एक गोल कर अपनी टीम को और आगे ले गईं। ज्योति ने (60वें) इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महिला) के लिए आखिरी मिनट में सांत्वना गोल दागा और रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया। कांस्य पदक के लिए, भारतीय खेल प्राधिकरण ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को 4-1 से हराकर पदक जीता। वरित्का रावत ने (16वें, 46वें) ने भी अपनी टीम के लिए दो गोल दागे, जबकि उनकी साथी कप्तान ऐश्वर्या चव्हाण ने (39वें) और प्रीनी कंदीर ने (41वें) ने भी एक-एक गोल किया। जवाब में, वैष्णवी विट्ठल फाल्के (44वें) केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के लिए एकमात्र गोल करने में सफल रहीं।

- पांचवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप

महिला विश्व कप क्रिकेट | प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा, भारत ने अपने पहले ही मुकाबले में श्रीलंका को करारी मात दी है

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम की जीत पर नजर

कोलंबो, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला कभी भी सिर्फ़ एक मैच नहीं होता, और जब महिला विश्व कप कल यहां आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मुकाबला होगा, तो दांव रनों और विकेटों से कहीं आगे जाने का वादा करता है। रिकॉर्ड के लिए, भारतीय महिला टीम ने इस प्रतिद्वंद्विता पर एक सुगठित ऑर्केस्ट्रा की तरह कब्ज़ा जमाया है - 11 मैच, 11 जीत, और आखिरी मैच 2022 विश्व कप में 107 रनों से करारी हार।

दीप्ति शर्मा की ऑलराउंड कला और अमनजोत कौर के साहसिक अर्धशतक की बदौलत, अपने पहले मैच में मेजबान श्रीलंका को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 59 रनों से हराने के बाद, लय फिर से उनके साथ है। फिर भी, भारत-पाकिस्तान के मामले में हमेशा की तरह, इसका निहितार्थ क्रिकेट जितना ही दिलचस्प है। पुरुष टीम को परेशान करने वाला "हाथ मिलाने का विवाद" अब महिला टीम पर भी हावी हो गया है। इस बारे में पूछे जाने पर, दीप्ति शर्मा ने एक अनुभवी सलामी बल्लेबाज़ की तरह शांत भाव से इस सवाल का जवाब दिया: "जब मौका आएगा तब देखेंगे।" कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी सीधी बात जोड़ते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम सिर्फ़ प्रदर्शन की बात करता है, प्रोटोकॉल की नहीं। हालांकि, बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि हाथ न मिलाने का यह रुख महिला खिलाड़ियों पर भी लागू हो सकता है। और इसलिए, गेंद फेंके जाने से पहले ही अटकलों का बाज़ार गर्म हो जाता है। मैदान पर, भारत एक पूरी टीम नजर आती है। इस साल 936 रन बनाकर अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में चल रही स्मृति मंधाना एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगी। प्रवाह की तलाश में हरमनप्रीत कौर कोलंबो की रात को रोशन करने की क्षमता रखती हैं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करती हैं। दीप्ति और स्नेह राणा की अगुवाई में गेंदबाज़ी, जिसमें युवा क्रांति गौड़ अपना जाल बुनने के लिए तैयार हैं, कप्तान कौर को मजबूती और कुशलता प्रदान करती है। दूसरी ओर, पाकिस्तान बड़े मंच पर अप्रत्याशित मेहमान बना हुआ है।

बांग्लादेश के खिलाफ 129 रनों पर सिमटने से उनकी पुरानी कमज़ोरियाँ उजागर हो गईं। सिदरा अमीन का शानदार प्रदर्शन (इस साल 518 रन) और मुनीबा अली की निरंतरता ही उम्मीद जगाती है। अगर पाकिस्तान को भारत के दबदबे को चुनौती देनी है, तो फातिमा सना, अपने आक्रामक ऑलराउंड खेल और बाएँ हाथ की स्पिनर नशरा संधू को अपनी क्षमता से कहीं ज़्यादा प्रदर्शन करना होगा। प्रेमदासा की पिच, जो आमतौर पर स्ट्रोक लगाने वालों के लिए अनुकूल होती है, लेकिन स्पिनरों को परेशान करने के लिए धीमी हो जाती है, एक बार फिर अनुकूलन की मांग कर सकती है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत। एजेंसी

भारत की महिलाओं की संभावित प्लेइंग इलेवन

- प्रतीक रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, श्री चरणी। पाकिस्तान महिला टीम की संभावित प्लेइंग XI: मुनीबा अली, ओमैमा सोहेल, सिदरा अमीन, आलिया रियाज, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), नतालिया परवेज, फातिमा सना (कप्तान), रमीन शमीम, नशरा संधू, डायना बेग, सादिया इकबाल।